



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16]
No. 16]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 20, 1985/चैत्र 30, 1907
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 20, 1985/CHAITRA 30, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1985

Control of the Deputy Director, Subsidiary Intelligence Bureau, Bombay.

[No. 1/CII/78(J)]Gen|FP.V]
V. K. JAIN. Jt. Secy.

का. आ. 1625-केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिसूचियों की नैबखर्ल) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2916 तारीख 24 सितम्बर 1981 को अधि-क्रांत करते हुए तारीख 1 नवम्बर, 1984 से श्री गिरधारी लाल कुरेल के स्थान पर श्री शरद निलखन्त कारखानिस, सहायक निदेशक, समनुषंगी आसूचना ब्यूरो, मुंबई को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए संपूर्ण अधिकारी नियुक्त करती है और यह निवेश देती है कि उक्त अधिकारी, उप निदेशक समनुषंगी आसूचना ब्यूरो, मुंबई के नियंत्रणाधीन सभी सरकारी वास सुविधा के संबंध में उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

[सं. 1/सं. II/78(जे)/जनरल/एफ.पी. 5]

वै. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
New Delhi, the 6th April, 1985

S.O. 1625.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of this Ministry's Notification No. S.O. 2916 dated 22nd September, 1981 the Central Government hereby appoints Shri Sharad Nilkhanth Karkhanis, Assistant Director, Subsidiary Intelligence Bureau, Bombay, being a Gazetted Officer of the Government, to be the Estate Officer in place of Shri Gir-dhari Lal Kureel with effects from the 1st November, 1984 for the purposes of the said Act and directs that the said officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officer by or under the said Act, in respect of all Government accommodation under the

27GI/85—1

दिल मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1985

आदेश

का. आ. 1626-भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/148/84 सी. गू. VIII, तारीख 6-8-1924 यह निदेश देने हुए जारी किया था कि श्री रवींद्र आर. वघानी उर्फ वाला उर्फ काका को माल की तस्करी करने से निवारित करने और माल की तस्करी करने से रोकने की दृष्टि से प्रीसिडेंसी जेल, कलकत्ता में निरुद्ध कर विरा और अभिरक्षा जाय में रखा जाए।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देता है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस प्राधिकृत, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[फा० सं० 673/148/84-सं० शु०-VIII]

(आर. के. तिवारी, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 8th April, 1985

ORDER

S.O. 1626.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/148/84-Cus. VIII, dated 6-4-1984 under the said sub-section directing that Shri Rabindra R. Vaghani Alias Bala alias Kaka be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner Police, Calcutta within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/148/84-Cus. VIII]
R. K. TEWARI, Dy. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1985

शुद्धि-पत्र

का. आ. 1627—विनाक 17 नवम्बर, 1984 के भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) पृष्ठ 3314 पर प्रकाशित का. आ. संख्या 3648 के भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना के हिन्दी पाठ की इस प्रकार पढ़ा जाए :—

"10 नवम्बर, 1984" को "29 अक्टूबर, 1984" पढ़ा जाए।

[एफ. नं. 124(4)/इंफोरेस-IV/80/V]
शिव दयाल रहेजा, अधर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

New Delhi, the 4th April, 1985

CORRIGENDUM

S.O. 1627.—In the English version of the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), No. S.O. 3648, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 17th November, 1984 at page 3314—

For "10th November, 1984", Read "29th October, 1984".

[F. No. 124(4)/Ins.IV/80/V]
S. D. RAHEJA, Under Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1985

का.आ. 1628—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1970 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 7 अप्रैल, 1982 के का. आ. सं. 1582 (मं. एफ. 9/31/81-बी. ओ.-1) के तहत जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में निदेशक के

रूप में नियुक्त किये गये निम्नलिखित व्यक्ति 7 अप्रैल, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे अर्थात् :—

- 1 श्री होरेन जॉन्स आर जॉन,
उमथलॉग रोड,
मवल्ल मोंग्वार,
शिलॉंग-793008 (मेघालय)
- 2 श्री अरविन्द राय चौधरी,
शार्टर्ड लेखाकार,
सेमस गुप्ता चौधरी और शोष,
2/2ए, हीची-मिन्ह सरां,
कलकत्ता-700071 (प. बंगाल)
- 3 डा. बौधायन चट्टोपाध्याय,
जवाहरलाल नेहरू फेलो,
चतुरंग, फ्लैट नं. 3,
30, गोविन्द ओवर्सी रोड,
कलकत्ता-700027 (प. बंगाल)
- 4 श्री टी. जी. वसन्त गुप्ता,
प्रबंध निदेशक,
श्री रायलसीमा पेपर मिल्स लि.,
एल. जी. एल. रोड, अडोनी-518301
जिला कर्नूल (आंध्र प्रदेश)
- 5 श्री भवानी पाल,
सामाजिक कार्यकर्ता,
पोस्ट ऑफिस बीरपाड़ा,
त्रिपा जलपाई गड्डी, प. बंगाल
- 6 श्री सूर्यकुमार नारायण मिश्र,
पोस्ट बॉक्स नं. 1,
नवदमा-852201 (बिहार)

[मं. एफ. 9/2/85-बी. ओ.-I(1)]

(Banking Division)

New Delhi, the 4th April, 1985

S.O. 1628.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government is pleased to direct that the following persons appointed as Directors of the United Bank of India under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1582 (No. F. 9/31/81-BO.I) dated 7th April, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 7th April, 1985 namely :—

1. Shri Horen Jones R' Jeen,
Umthlong Road,
Mawlai Mongkwar,
Shillong-793008,
(Meghalaya)
2. Shri Auravinda Roy Chowdhury,
Chartered Accountant,
Ms. Gupta-Chowdhury & Ghosh,
2/2A, Hi-chi-Minh Sarani,
Calcutta-700071 (W.B.)
3. Dr. Boudhayan Chattopadhyay,
Jawaharlal Nehru Fellow,
Chaturanga, Flat No. 3,
32, Gobinda Auddy Road,
Calcutta-700027. (W.B.)
4. Shri T. G. Vasant Gupta,
Managing Director,
Sree Rayalaseema Paper Mills Ltd.,
L.G.L. Road, Adoni-518301,
Kurnool District. (A.P.)

5. Shri Bhawani Paul,
Social Worker,
P.O. Birpara,
District Jalpaiguri,
West Bengal.

6. Shri Mrityunjay Narayan Misra,
Post Box No. 1,
Saharsa-852201. (Bihar)

[No. F. 9/2/85-BO.I(1)]

का.आ. 1629:—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 7 अप्रैल, 1982 के का.आ. संख्या 1584 (संख्या एफ. 9/48/81-बी. ओ.-1) के तहत जारी की गई अधिसूचना के अनुसार विजया बैंक में निदेशक के रूप में नियुक्त किये गए निम्नलिखित व्यक्ति 7 अप्रैल, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे :—

1 श्री एम. संतोषराम,
जे. वी. मन एण्ड कम्पनी,
हम्पनकट्टा,
मंगलूर-575001 (कर्नाटक)

2 श्री एम. आर. रामन्ना,
तिपतूर,
तुमकूर जिला (कर्नाटक)

3 श्री के. गोपाल आचार्य,
मकान नं. 1006/ए,
बरकतपुरा, हैदराबाद-500027
(आंध्र प्रदेश)

4 श्री एस. नरसिंहापाल
चार्टर्ड लेखाकार,
मैमर्स ब्रह्मय्या एण्ड कम्पनी
आंध्र इन्सुरेंस कम्पनी,
156, थाम्बू चेट्टी स्ट्रीट,
मद्रास-600-001
(तमिलनाडु)

5 श्रीमती आर. सी. अमरानी,
101, रबिन्द्र नगर, नई दिल्ली-110003

6 श्री पी. एस. ज्ञान,
सामाजिक कार्यकर्ता,
कोट्टायम (केरल)

[सं. एफ. 9/2/85-बी.ओ. 1(4)]

एम. एस. हसूरकर, निदेशक ।

S.O. 1629.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government is pleased to direct that the following persons appointed as Directors of the Vijaya Bank under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1584 (No. F. 9/48/81-BO. I) dated 7th April, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 7th April, 1985 namely :—

Shri M. Seetharam,
J. V. Son & Co.,
Hampankatta,
Mangalore-575001.
(Karnataka)

2. Shri M. R. Ramanna,
Tiptur,
Tumkur District,
(Karnataka)

3. Shri K. Gopal Acharya,
H. No. 1006/A,
Barkatpura,
Hyderabad-500027,
(Andhra Pradesh)

4. Shri S. Nandagopal,
Chartered Accountant,
M/s. Brahmayya & Co.,
Andhra Insurance Building,
15, Thambu Chetty Street,
Madras-600001.
(Tamil Nadu)

5 Shrimati R. C. Asrani,
101, Rabindra Nagar,
New Delhi-110003.

6. Shri P. S. John,
Social Worker,
Erayalkadavu Kottayam,
(Kerala).

[No. F. 9/2/85-BO.I(4)]
S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1985.

का.आ. 1630:—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम 1980 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 7 अप्रैल 1982 के का.आ. संख्या 1583 (संख्या एफ. 9/44/81-बी. ओ. I) के तहत जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार कारपोरेशन बैंक में निदेशक के रूप में नियुक्त किये गए निम्नलिखित व्यक्ति 7 अप्रैल, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे, अर्थात् :—

1. श्री बी. के. वर्मा,
चार्टर्ड लेखाकार,
मैमर्स बी. के. वर्मा एंड कम्पनी,
सी/37 कनाट प्लेस,
नई दिल्ली-110001

2 श्री डी. नरसिंह राव,
मैमर्स धादवाय नरसिंह राव एंड ब्रदर्स,
5-2-956, ओसमानगंज
हैदराबाद-5000312 (आंध्र प्रदेश)

3 श्री के. एल. वी. सुबेय्या,
भूतपूर्व अध्यक्ष,
कर्नाटक न्याय स्कूल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन,
मैमर्स क्लास इंजीनियरिंग प्रा. लि.,
31फस्ट ब्लॉक ईस्ट,
जय नगर बंगलूर-560011.

4 श्री राजा कुलकर्णी,
सामाजिक कार्यकर्ता,
तेल रसायन भवन,
बेस्ट दादर वर्कशॉप के सामने,
निलक रोड, दादर,
बम्बई-400014 (महाराष्ट्र)

5. श्री टी. बाबू मास्टर,
उर्बा बेलसपेटा,
मंगलूर-575006,
(कर्नाटक)

[स. एफ. 9/2/85-बी. ओ.-I(2)]

New Delhi, the 4th April, 1985

S.O. 1630.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government is pleased to direct that the following persons appointed as Directors of the Corporation Bank under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1583 (No. F. 9/44/81-BO.I) dated 7th April, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 7th April, 1985 namely :—

1. Shri V. K. Verma,
Chartered Accountant,
M/s. V. K. Verma & Co.,
C/37, Connaught Place,
New Delhi-110001.
2. Shri D. Narsing Rao,
M/s. Dhaduvari Narsing Rao & Brothers,
5-2-956, Osmanganj,
Hyderabad-500012 (A.P.)
3. Shri K. L. V. Subbiah,
Former President,
Karnataka Small Scale Industries
Association,
M/s. Klas Engineering Pvt. Ltd.,
31, 1st Block East,
Jayanagar, Bangalore-560011.
(Karnataka)
4. Shri Raja Kulkarni,
Social Worker,
Tel. Rasayan Bhavan,
Opp. BEST Dadar Workshop,
Tilak Road, Dadar,
Bombay-400014 (Maharashtra)
5. Shri T. Babu Master,
Urva, Welspetta,
Mangalore-575006.
(Karnataka)

[No. F. 9/2/85-BO.I(2)]

का. आ. 1631.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार निदेश देती है कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 7 अप्रैल, 1982 के का. आ. संख्या 1585 (संख्या एफ. 9/49/81-बी. ओ. I) के तहत जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार ओरिएन्टल बैंक आफ कामर्स में निदेशक के रूप में नियुक्त किये गए निम्नलिखित व्यक्ति 7 अप्रैल, 1985 से निदेशक नहीं रहेंगे, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश चन्द्र,
आनन्द भवन
मोहल्ला जहानाबाद,
राय बरेली (उत्तर प्रदेश)
2. श्री नरेश्वर प्रताप सिंह
पंडारिया बंगला,
नार्मल स्कूल के समीप,
झाकसर-बिलास पुर-495001.
(म. प्र.)

3. श्री रईसुद्दीन,
27/79, पन्नी गली,
आगरा-283003 (उ. प्र.)

4. श्री एम. आनन्दम,
चार्टर्ड लेखाकार,
10.2.96 मनेवंपल्ली नेहरू नगर,
सिकन्दराबाद-500026 (आन्ध्र प्रदेश)

5. श्री सुरेन्द्र कुमार सिक्का,
अध्यक्ष—एवं प्रबन्ध निदेशक,
लिक इंजीनियर्स (प्रा.) लि.,
503 और 501, मध्यम बिजिंग,
58, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली-110019

6. श्री बी० जी० गोपाल,
निदेशक,
परिष्कार इंजीनियरिंग एंड
बाडी बिल्डिंग कम्पनी लि.,
17, के० रोड,
जमशदपुर-831001 (बिहार)

7. श्री रवि शंकर,
एडवोकेट, सिविल साइन्स,
सुल्तानपुर (उ० प्र०)

8. श्री अली शाह,
अध्यक्ष,
आल्फन मोटर्स,
श्रीनगर,
(जम्मू और कश्मीर)

[सं० एफ० 9/2/85-बी०ओ० I(3)]

(ज० बा० भीरबन्दानी, निदेशक)

S.O. 1631.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government is pleased to direct that the following persons appointed as Directors of the Oriental Bank of Commerce under notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) S.O. No. 1585 (No. F. 9/49/81-BO.I) dated 7th April, 1982 shall cease to hold the office of Director with effect from 7th April, 1985 namely :—

1. Shri Dinesh Chandra,
Anand Bhawan,
Mohalla South Jahanabad,
Rae Bareilly. (U.P.)
2. Shri Narendra Pratap Singh,
Pandariya Bungalow,
Near Normal School,
P.O. Bilaspur-495001. (M.P.)
3. Shri Rais Uddin,
27/79, Panni Gali,
Agra-282003. (U.P.)
4. Shri M. Anandam,
Chartered Accountant,
Nehrunagar,
Secunderabad-500026. (A.P.)

5. Shri Surendra Kumar Sikka,
Chairman-cum-Managing Director,
Link Engineers (P) Ltd.,
503 and 701, Sahyog Building,
58, Nehru Place,
New Delhi-110019.

Shri V.G. Gopal,
Director,
Paik Engineering and Body
Building Company Ltd.,
17, K. Road,
Jamshedpur-831001 (Bihar).

7. Shri Ravi Shanker,
Advocate,
Civil Lines,
Sultanpur (U.P.).

8. Shri Ali Shah,
Chairman,
Alson Motors,
Srinagar,
(Jammu & Kashmir).

[No. F. 9/2/85-BO 1(3)]
C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1985

का. आ 1632.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची में फार्म 'क' के साथ संलग्न टिप्पणी (च) के उपबंध निम्नलिखित बैंकों पर, जहाँ तक उनका संबंध 31 दिसम्बर, 1984 की उनके मुलानपत्रों से है, लागू नहीं होंगे:—

1. बैंक आफ महाराष्ट्र
2. बैंक आफ महिलनाट्ट लि
3. गणेश बैंक आफ कुरुद्वारा लि.
4. सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया.
5. बैंक आफ बड़ौदा.
6. भारत ओवरसीज बैंक लि
7. लक्ष्मी विलाम बैंक लि.
8. यूनाइटेड कमर्शियल बैंक
9. बैंक आफ कोचीन लि.
10. यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया.

[संख्या 15/1/85-बी. आ. -III]
एम. के. एस. कुट्टि अवर सचिव,

New Delhi, the 8th April, 1985

S.O. 1632.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Note(f) appended to the form 'A' in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the following banks, viz. :—

1. Bank of Maharashtra.
2. The Bank of Tamilnad Ltd.
3. The Ganesh Bank of Kurundwad Ltd.
4. Central Bank of India.
5. Bank of Baroda.
6. The Bharat Overseas Bank Ltd.
7. The Lakshmi Vilas Bank Ltd.
8. United Commercial Bank.
9. The Bank of Cochin Ltd.
10. United Bank of India.

in respect of their balance sheet as at the 31st December, 1984.

[No. 15/1/85-BO III]
M. K. M. KUTTY, Under Secy.

वाणिज्य एवं पूँति मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय)

(एम. एल. अनुभाग)

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1985

का. आ. 1633.—पर्यटन विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार 2, ब्राबुन रोड, चौथा मंजिल, प्रचार अनुभाग, कलकत्ता-700001 की कोडक कैरोसल एस.ए.वी. 2050 प्रोजेक्टर के आयात के लिए 8,899 रुपये के एक आयात लाइसेंस सं. जी/पे/1093636/सं./एमएस/91/एच/83/एमएल.एम. दिनांक 1-5-84 दिया गया था, जिसके बंधता अवधि इसके जारी करने की तारीख से 18 मास थी। अब पार्टी ने उपर्युक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति देने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस का मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति उनसे खाई गई है। लाइसेंसधार ने एक आवश्यक भाग पर अंकित किया है जिसके अनुसार उपर्युक्त आयात लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क कार्यालय के पास पंजीकृत नहीं किया गया था और उक्त बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया था एवं लाइसेंस के मद्दे 8,899-रु. की वसूली हो गई है। शपथपत्र में एक घोषणा की शामिल की गई है कि यदि आयात लाइसेंस का उक्त मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति वापस नहीं मिल गई या पाई गई तो उसे जारी करने वाले प्राधिकारों को लौटा देंगे। इस आन में सतुष्ट होने पर कि आयात लाइसेंस का मूल मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है, अधाहस्ताक्षरों निर्देश देता है कि आवेदक को लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए। मैं भी आयात (नियंत्रण) अधिदेश, 1955 के खंड 9 के उपखंड (ब) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रयोजन प्रति को एतद्वारा रद्द करता हूँ।

[का. सं. 18/322/83-84-एम.एल. एस/4]

एम. एस. कृष्णामूर्ति, उप मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात
रुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE AND SUPPLY

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)
(M. L. Section)

New Delhi, the 1st March, 1985

S.O. 1633.—Department of Tourism, Govt. of West Bengal 2, Brabourne Road, 4th Floor, Publicity Section, Calcutta-700001 were granted an import licence No. G/P/1093636/C/XX/91/H/83/MLS dated 1-5-1984 for import of Kodak Carousel SAV-2050 Projector valued at Rs. 8,889 with a validity of 18 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Exchange Control Purpose Copy of the aforesaid import licence on the ground that Exchange Control Purpose Copy of the licence has been lost by them. The licensee has furnished necessary affidavit according to which the aforesaid import licence was not registered with any Customs House and was not utilised at all and the balance against the licence is Rs. 8,899. A declaration has also been incorporated in the affidavit to the effect that if the said Exchange Control Purpose Copy of the import licence is traced or found later on, it will be returned to the issuing authority. On being satisfied that the Original Exchange Control Purpose Copy of the import licence has been lost, the undersigned directs that a Duplicate Exchange Control Purpose Copy of the licence should be issued to the applicant. I also in exercise of the powers conferred in Sub-clause (d) of Clause 9 of the Imports (Control) Order 1955, hereby cancel the Original Exchange Control Purpose Copy of the above licence.

[File No. 18/322/83-84/MLS/4]

N. S. KRISHNAMURTHY, Dy. Chief Controller of
Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

(भारतीय मानक सस्था)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1985

का आ 1634--समय समय पर मशहूद भारतीय मानक सस्था (प्रमाणन बिल) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक सस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 336 लाइसेंसों के ब्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका अगस्त 1983 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सं.एम/एल संख्या	वैध तक
(1)	(2)	(3)

1	0013615	1984-08-15
2	0021311	1984-08-31
3	0021519	1984-06-30
4	0035120	1984-08-31
5	0044424	1984-08-31
6	0044525	1984-08-31
7	0044626	1984-08-31
8	0044727	1984-08-31
9	0053223	1984-08-31
10	0067234	1984-08-31
11	0069945	1984-07-15
12	0071225	1983-10-31
13	0072429	1984-07-31
14	0075839	1984-07-31
15	0077641	1984-07-31
16	0101309	1984-06-15
17	0102008	1984-08-15
18	0112213	1984-08-15
19	0129028	1984-06-30
20	0130720	1984-07-31
21	0136934	1984-06-15
22	0145935	1984-06-30
23	0157336	1984-08-31
24	0157841	1984-07-31
25	0160022	1984-06-30
26	0172938	1984-08-31
27	0175712	1984-06-30
28	0180432	1984-08-31
29	0187345	1984-06-30
30	0201616	1984-06-30
31	0202315	1984-07-31
31	0202719	1984-07-31
32	0204016	1984-06-30
33	0206828	1984-06-30
34	0248642	1984-06-30
35	0252835	1984-07-31
36	0270837	1984-06-30
37	0273641	1984-08-15
38	0281034	1983-11-15

(1)	(2)	(3)
39	0283139	1984-08-15
40	0284545	1984-06-30
41	0281239	1984-07-31
42	0296350	1984-08-31
43	0296653	1984-07-31
44	0297554	1984-08-31
45	0306630	1984-05-31
46	0309333	1984-07-31
47	0309535	1984-07-15
48	0310924	1984-07-31
49	0314023	1984-08-15
50	0316027	1984-08-15
51	0329541	1984-08-15
52	0332126	1984-08-15
53	0332931	1984-07-31
54	0340731	1984-06-15
55	0346915	1984-07-31
56	0348040	1984-07-15
57	0349547	1984-07-31
58	0349850	1984-07-31
59	0351534	1984-08-14
60	0351837	--वही--
61	0357344	1984-03-31
62	0362438	1984-06-30
63	0363743	--वही--
64	0365747	1984-08-31
65	0368551	1984-07-15
66	0369755	1984-07-31
67	0384953	1984-08-15
68	0385248	--वही--
69	0396660	1984-07-31
70	0390241	--वही--
71	0390544	1984-08-15
72	0391647	--वही--
73	0393116	1984-08-31
74	0397457	1984-06-30
75	0401018	1983-11-30
76	0428543	1984-04-30
77	0435540	--वही--
78	0439649	1984-06-15
79	0442840	1984-08-15
80	0446040	1984-06-30
81	0448346	--वही--
82	0449248	1984-07-15
83	0449349	1984-08-15
84	0449551	1984-07-31
85	0449753	--वही--
86	0449854	--वही--
87	0450233	--वही--
88	0450334	--वही--
89	0451235	--वही--
90	0452136	--वही--
91	0452813	1984-08-31
92	0456649	1984-11-15
93	0490141	1984-10-31

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
94	0493453	1984-07-31	145	0635346	1984-09-15
95	0512731	-वही-	146	0635447	-वही-
96	0515131	1984-08-15	147	0645117	1984-07-15
97	0517643	1984-05-15	148	0655756	-वही-
98	0529246	1984-06-15	149	0660004	1984-08-15
99	0531714	-वही-	150	0672150	1984-07-31
100	0536041	1984-07-15	151	0672151	-वही-
101	0536748	-वही-	152	0674861	1984-02-15
102	0538349	1984-07-31	153	0677463	1984-07-31
103	0539143	-वही-	154	0685260	1984-06-15
104	0539249	1984-11-30	155	0687971	1984-06-30
105	0539355	1984-07-31	156	0692459	1984-04-15
106	0540739	-वही-	157	0700937	1984-05-31
107	0542642	1984-08-15	158	0702840	1984-03-15
108	0547147	1984-09-15	159	0703943	-वही-
109	0547450	1984-08-15	160	0705038	-वही-
110	0548957	1983-09-15	161	0706040	1984-06-30
111	0549151	1984-08-31	162	0706343	1984-06-15
112	0549656	-वही-	163	0707749	1984-06-30
113	0561343	1984-07-31	164	0708011	1984-07-31
114	0561444	-वही-	165	0709347	1984-06-30
115	0567052	-वही-	166	0709418	-वही-
116	0576861	1984-05-31	167	0709650	-वही-
117	0579867	1984-07-31	168	0709343	-वही-
118	0583454	-वही-	169	0710132	1984-07-15
119	0585761	1984-05-31	170	0710637	-वही-
120	0592351	1984-08-15	171	0711912	1984-06-30
121	0597364	1984-08-31	172	0712742	1984-07-31
122	0604335	1984-06-30	173	0712744	1984-07-31
123	0606016	1984-07-15	174	0717651	1984-08-31
124	0607644	1984-07-31	175	0726248	1984-06-30
125	0608949	1984-05-15	176	0730441	1984-08-31
126	0615037	1984-06-15	177	0752148	1984-07-31
127	0617546	1984-05-31	178	0763052	-वही-
128	0617749	1984-06-15	179	0768070	1984-04-15
129	0617849	-वही-	180	0768971	-वही-
130	0619045	1984-07-31	181	0776465	1984-05-31
131	0622539	1984-09-30	182	0777164	-वही-
132	0622640	1984-06-30	183	0777165	-वही-
133	0623238	1984-08-15	184	0778065	1984-06-15
134	0626345	1984-06-30	185	0778369	1984-05-31
135	0627751	1984-08-15	186	0781963	1984-06-30
136	0629856	1984-07-31	187	0783162	1984-07-15
137	0630942	-वही-	188	0786367	1984-07-31
138	0632037	1984-08-15	189	0787269	-वही-
139	0632239	-वही-	190	0787470	-वही-
140	0632643	-वही-	191	0787672	-वही-
141	0632744	-वही-	192	0787975	-वही-
142	0633140	-वही-	193	0789772	1984-08-15
143	0633847	1984-07-31			
144	0634819	1984-08-15			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
194	0789978	-वही-	217	0951572	-वही-
195	0791764	-वही-	248	0961965	1984-04-15
196	0792362	-वही-	249	0966974	1984-05-15
197	0796978	1983-09-15	250	0967472	1984-07-31
198	0797069	-वही-	251	0967573	1984-07-31
199	0823751	1984-06-15	252	0968375	1984-05-31
200	0830243	1984-01-15	253	0968979	-वही-
201	0835157	1984-01-31	254	0970158	-वही-
202	0840650	1984-01-15	255	0971111	-वही-
203	0840751	-वही-	256	0972263	1984-06-15
204	0855057	-वही-	257	0973568	-वही-
205	0863561	1984-07-71	258	0974570	-वही-
206	0864361	1984-04-30	259	0976574	1984-06-30
207	0867367	1984-07-31	260	0976776	-वही-
208	0867569	1984-05-15	261	0979378	1984-07-15
209	0870457	1984-06-15	262	0979883	-वही-
210	0870558	-वही-	263	0980262	-वही-
211	0872865	1984-06-15	264	0980565	-वही-
212	0874061	1984-06-30	265	0981971	1984-07-31
213	0874768	1984-06-15	266	0982367	-वही-
214	0874869	1984-06-30	267	0982973	-वही-
215	0877774	1984-06-30	268	0983268	-वही-
216	0878372	1984-07-15	269	0983369	-वही-
217	0876473	-वही-	270	0983672	-वही-
218	0878675	-वही-	271	0983773	-वही-
219	0880359	1984-07-31	272	0983871	-वही-
220	0880662	-वही-	273	0983975	-वही-
221	0881058	-वही-	274	0984068	-वही-
222	0881361	-वही-	275	0984674	1984-08-15
223	0881563	1984-07-31	276	0986274	-वही-
224	0892060	-वही-	277	0987579	-वही-
225	0882163	-वही-	278	0987781	-वही-
226	0863264	-वही-	279	0988783	1984-08-31
227	0883769	-वही-	280	0989381	-वही-
228	0883971	-वही-	281	1010917	1983-11-30
229	0884061	1984-08-15	282	1034325	1984-02-15
230	0885369	-वही-	283	1035024	-वही-
231	0885773	-वही-	284	1046534	1984-03-15
232	0886371	-वही-	285	1053733	-वही-
233	0887474	-वही-	286	1058036	1984-03-31
234	0888577	-वही-	287	1073638	1984-05-15
235	0888981	1984-08-31	288	1077747	1984-05-31
236	0890463	1984-08-15	289	1081334	-वही-
237	0893667	1984-08-31	290	1088348	-वही-
238	0893671	-वही-	291	1098752	1984-08-31
239	0895069	1984-08-15	292	1089047	1984-06-15
240	0895170	-वही-	293	1089148	-वही-
241	0895877	-वही-	294	1090335	1984-06-30
242	0899784	1984-07-31	295	1091741	-वही-
243	0919562	1984-11-30	296	1092541	-वही-
244	0919663	-वही-	297	1093341	1984-05-31
245	0920345	1983-12-15	298	1093543	1984-07-15
246	0955768	1984-03-31	299	1093846	1985-01-31
			300	1093947	1984-07-15

1	2	3	4	5	6
301	1095143	-वर्द्ध-	4.	0035120	1984-08-31
302	1095244	-वर्द्ध-	5.	0044424	1984-08-31
303	1096044	1984-11-30	6.	0044525	1984-08-31
304	1097147	1984-06-30	7.	0044626	1984-08-31
305	1097955	1984-07-15	8.	0044727	1984-08-31
306	1098149	-वर्द्ध-	9.	0053223	1984-08-31
307.	1098351	1984-09-30	10.	0067234	1984-08-31
308	1099154	1984-11-30	11.	0069945	1984-07-15
309	1099555	1984-06-30	12.	0071225	1983-10-31
310	1099959	1984-07-31	13.	0072429	1984-07-31
311	1100110	1984-05-31	14.	0075839	1984-07-31
312	1100918	1984-07-31	15.	0077641	1984-07-31
313	1101011	-वर्द्ध-	16.	0101309	1984-06-15
314	1101213	-वर्द्ध-	17.	0102008	1984-08-15
315	1101311	-वर्द्ध-	18.	0112213	1984-08-15
316	1102316	-वर्द्ध-	19.	0129028	1984-06-30
317	1102518	1984-04-30	20.	0130720	1984-07-31
318	1102821	1984-07-31	21.	0136934	1984-06-15
319	1103520	1984-11-30	22.	0145935	1984-06-30
320	1103722	1984-08-15	23.	0157336	1984-08-31
321	1103823	1984-07-31	24.	0157841	1984-07-31
322	1103924	1984-08-15	25.	0160022	1984-06-30
323	1104118	-वर्द्ध-	26.	0172938	1984-08-31
324.	1104219	-वर्द्ध-	27.	0175742	1984-06-30
325	1104522	-वर्द्ध-	28.	0180432	1984-08-31
326	1105322	1984-07-31	29.	0187345	1984-06-30
327	1105423	-वर्द्ध-	30.	0201616	1984-06-30
328	1105521	-वर्द्ध-	31.	0202315	1984-07-31
329	1105625	-वर्द्ध-	31(a)	0202719	1984-07-31
330	1105726	-वर्द्ध-	32.	0204016	1984-06-30
331	1106324	1984-08-15	33.	0206828	1984-06-30
332	1106425	1984-07-31	34.	0248642	1984-06-30
333	1107225	1984-08-15	35.	0252835	1984-07-31
334	1108126	1984-08-31	36.	0270837	1984-06-30
335	1113018	1984-07-31	37.	0273641	1984-08-15
			38.	0281034	1983-11-15
			39.	0283139	1984-08-15
			40.	0284545	1984-06-30
			41.	0291239	1984-07-31
			42.	0296350	1984-08-31
			43.	0296653	1984-07-31
			44.	0297554	1984-08-31
			45.	0306630	1984-05-31
			46.	0309333	1984-07-31
			47.	0309535	1984-07-15
			48.	0310924	1984-07-31
			49.	0314023	1984-08-15
			50.	0316027	1984-08-15
			51.	0329541	1984-08-15
			52.	0332126	1984-08-15
			53.	0332934	1984-07-31
			54.	0340731	1984-06-15
			55.	0346945	1984-07-31
			56.	0348040	1984-07-15
			57.	0349547	1984-07-31
			58.	0349850	1984-07-31
			59.	0351534	1984-08-15
			60.	0351837	-do-
			61.	0357344	1984-03-31
			62.	0362438	1984-06-30
			63.	0363743	-do-
			64.	0365747	1984-08-31
			65.	0368551	1984-07-15
			66.	0369755	1984-07-31
			67.	0384953	1984-06-15
			68.	0385248	-do-

[स संमेलन 13 '12]

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 27th March, 1985

S.O. 1634—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 336 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of August 1983 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No	Valid upto
(1)	(2)	(3)
1	0013615	1984-08-15
2.	0021311	1984-08-31
3.	0024519	1984-06-30

1	2	3	1	2	3
69.	0389660	1984-07-31	134.	0626345	1984-06-30
70.	0390241	-do-	135.	0627751	1984-08-15
71.	0390544	1984-08-15	136.	0629856	1984-07-31
72.	0391647	-do-	137.	0630942	-do-
73.	0393146	1984-08-31	138.	0632037	1984-08-15
74.	0397457	1984-06-30	139.	0632279	-do-
75.	0401018	1983-11-30	140.	0632643	-do-
76.	0428543	1984-06-30	141.	0632744	-do-
77.	0435540	1984-04-30	142.	0633140	-do-
78.	0439649	1984-06-15	143.	0633547	1984-07-31
79.	0442840	1984-08-15	144.	0634849	1984-08-15
80.	0446040	1984-06-30	145.	0635346	-do-
81.	0448246	-do-	146.	0635447	-do-
82.	0449248	1984-07-15	147.	0645147	1984-07-15
83.	0449349	1984-08-15	148.	0655756	-do-
84.	0449551	1984-07-31	149.	0660042	1984-08-15
85.	0449753	-do-	150.	0672150	1984-07-31
86.	0449854	-do-	151.	0672251	-do-
87.	0450233	-do-	152.	0674861	1984-02-15
88.	0450334	-do-	153.	0677463	1984-07-31
89.	0451235	-do-	154.	0685260	1984-06-15
90.	0452136	-do-	155.	0687971	1984-06-30
91.	0452843	1984-08-31	156.	0692459	1984-04-15
92.	0456649	1984-11-15	157.	0700937	1984-05-31
93.	0490144	1984-10-31	158.	0702840	1984-06-15
94.	0493453	1984-07-31	159.	0703943	-do-
95.	0512734	-do-	160.	0705038	-do-
96.	0515134	1984-08-15	161.	0706040	1984-06-30
97.	0517643	1984-05-14	162.	0706343	1984-06-15
98.	0529246	1984-06-15	163.	0707749	1984-06-30
99.	0534744	-do-	164.	0708044	1984-07-31
100.	0536041	1984-07-15	165.	0708347	1984-06-30
101.	0536748	-do-	166.	0708448	-do-
102.	0538348	1984-07-31	167.	0708650	-do-
103.	0539148	-do-	168.	0709349	-do-
104.	0539249	1984-11-30	169.	0710132	1984-07-15
105.	0539855	1984-07-31	170.	0710637	-do-
106.	0540739	-do-	171.	0711942	1984-06-30
107.	0542642	1984-08-15	172.	0712742	1984-07-31
108.	0547147	1984-09-15	173.	0713744	1984-07-31
109.	0547450	1984-08-15	174.	0717651	1984-08-31
110.	0548957	1983-09-15	175.	0726248	1984-06-30
111.	0549151	1984-08-31	176.	0730441	1984-08-31
112.	0549656	-do-	177.	0752148	1984-07-31
113.	0561343	1984-07-31	178.	0763052	-do-
114.	0561444	-do-	179.	0768870	1984-04-15
115.	0567052	-do-	180.	0768971	-do-
116.	0576861	1984-05-31	181.	0776465	1984-05-31
117.	0579867	1984-07-31	182.	0777164	-do-
118.	0583454	-do-	183.	0777265	-do-
119.	0585761	1984-05-31	184.	0778065	1984-06-15
120.	0592354	1984-08-15	185.	0778368	1984-05-31
121.	0597364	1984-08-31	186.	0781963	1984-06-30
122.	0604335	1984-06-30	187.	0783462	1984-07-15
123.	0606036	1984-07-15	188.	0786367	1984-07-31
124.	0607644	1984-07-31	189.	0787268	-do-
125.	0608949	1984-05-15	190.	0787470	-do-
126.	0615037	1984-06-15	191.	0787672	-do-
127.	0617546	1984-05-31	192.	0787975	-do-
128.	0617748	1984-06-15	193.	0789272	1984-08-15
129.	0617849	-do-	194.	0789878	-do-
130.	0619045	1984-07-31	195.	0791764	-do-
131.	0622539	1984-09-30	196.	0792362	-do-
132.	0622640	1984-06-30	197.	0796976	1983-09-15
133.	0623238	1984-08-15	198.	0797069	-do-
			199.	0823751	1984-06-15
			200.	0830243	1984-01-15

1	2	3	1	2	3
201.	0835152	1984-01-31	268.	0983268	1984-07-31
202.	0840650	1984-04-15	269.	0983369	-do-
203.	0840751	-do-	270.	0983672	-do-
204.	0855057	-do-	271.	0983773	-do-
205.	0863561	1984-07-31	272.	0983874	-do-
206.	0864361	1984-04-30	273.	0983975	-do-
207.	0867367	1984-07-31	274.	0984068	-do-
208.	0867569	1984-05-15	275.	0984674	1984-08-15
209.	0870457	1984-06-15	276.	0986274	-do-
210.	0870558	-do-	277.	0987579	-do-
211.	0872865	1984-06-15	278.	0987781	-do-
212.	0874061	1984-06-30	279.	0988783	1984-08-31
213.	0874768	1984-06-15	280.	0989381	-do-
214.	0874869	1984-06-30	281.	1010917	1983-11-30
215.	0877774	1984-06-30	282.	1034325	1984-02-15
216.	0878372	1984-07-15	283.	1035024	-do-
217.	0878473	-do-	284.	1046534	1984-03-15
218.	0878675	-do-	285.	1053733	-do-
219.	0880359	1984-07-31	286.	1058036	1984-03-31
220.	0880662	-do-	287.	1073638	1984-05-15
221.	0881058	-do-	288.	1077747	1984-05-31
222.	0881361	-do-	289.	1081334	-do-
223.	0881568	1984-07-31	290.	1088348	-do-
224.	0882060	-do-	291.	1088752	1984-08-31
225.	0882161	-do-	292.	1089047	1984-06-15
226.	0883264	-do-	293.	1089148	-do-
227.	0883769	-do-	294.	1090335	1984-06-30
228.	0883971	-do-	295.	1091741	-do-
229.	0884064	1984-08-15	296.	1092541	-do-
230.	0885369	-do-	297.	1093341	1984-05-31
231.	0885773	-do-	298.	1093543	1984-07-15
232.	0886371	-do-	299.	1093846	1984-01-31
233.	0887474	-do-	300.	1093947	1984-07-15
234.	0888577	-do-	301.	1095143	-do-
235.	0888981	1984-08-31	302.	1095244	-do-
236.	0890463	1984-08-15	303.	1096044	1984-11-30
237.	0891667	1984-08-31	304.	1097147	1984-06-30
238.	0893671	-do-	305.	1097955	1984-07-15
239.	0895069	1984-08-15	306.	1098149	-do-
240.	0895170	-do-	307.	1098351	1984-09-30
241.	0895877	-do-	308.	1099454	1984-11-30
242.	0899784	1984-03-31	309.	1099555	1984-06-30
243.	0919562	1983-11-30	310.	1099959	1984-07-31
244.	0919663	-do-	311.	1100110	1984-05-31
245.	0920345	1983-12-15	312.	1100918	1984-07-31
246.	0955768	1984-03-31	313.	1101011	-do-
247.	0958572	-do-	314.	1101213	-do-
248.	0961965	1984-04-15	315.	1101314	-do-
249.	0966874	1984-05-15	316.	1102316	-do-
250.	0967472	198-07-31	317.	1102518	1984-04-30
251.	0967573	1984-07-31	318.	1102821	1984-07-31
252.	0968373	1984-05-31	319.	1103510	1984-11-30
253.	0968979	-do-	320.	1103722	1984-08-15
254.	0970158	-do-	321.	1103823	1984-07-31
255.	0971463	-do-	322.	1103924	1984-08-15
256.	0972263	1984-06-15	323.	1104118	-do-
257.	0973568	-do-	324.	1104219	-do-
258.	0974570	-do-	325.	1104522	-do-
259.	0976574	1984-06-30	326.	1105322	1984-07-31
260.	0976776	-do-	327.	1105423	-do-
261.	0979378	1984-07-15	328.	1105524	-do-
262.	0979883	-do-	329.	1105625	-do-
263.	0980262	-do-	330.	1105726	-do-
264.	0980565	-do-	331.	1106324	1984-08-15
265.	0981971	1984-07-31	332.	1106425	1984-07-31
266.	0982367	-do-	333.	1107225	1984-08-15
267.	0982973	-do-	334.	1108176	1984-08-31
			335.	1113018	1984-07-31

का.आ. 1635:—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिपूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 130 लाइसेंसों के व्योरे दिये गये हैं वे लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए, अप्रैल, 1982 में स्वीकृत किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल—)	बैधता की अवधि		लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पवनानाम
		से	तक		
1	2	3	4	5	6
1.	सीएम/एल-10619 34 1982-04-01	82-04-16	82-04-15	गणेश दुर्गा आयरन वर्क्स, 2, मकरदाह रोड, हावड़ा (प. बंगाल), कार्यालय : 280/3, बनारस रोड, हावड़ा (प. बंगाल)	कुहरी कोरबाल मोड़— IS : 1538 (भाग 18)—1976
2.	सीएम/एल-10620 27 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	हिन्द वायर इंडस्ट्रीज लिमि. एक्सफोर्ड रोड, स्वयार, 24 परगना (प. बंगाल), कार्यालय : 225 बी, आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता-700020	पूर्व प्रतिबन्धित कर्नाट के लिये सादा सफ्त खिचा इस्पात का तार (खिंचे तार के रूप में)— IS : 1985 (भाग 2)—1967
3.	सीएम/एल-10621 28 1982-04-01	82-04-01	83-03-01	पंजाब एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज 6 6, इंडस्ट्रियल इस्टेट, होशियारपुर-146001 (पंजाब)	पावर थैसर, दातेदार सिर्निङर टाइप, 2.2 किबा (3 अवशक्ति) से 18.5 किबा (25 अवशक्ति) तक— IS : 9020-1979
4.	सीएम/एल-10622 29 1982-04-01	72-04-16	83-04-15	रमेश पेटल वर्क्स, कृजवीथुर, सेट्टूर जाम-636404	शिरोपरि पावर प्रेषण के लिए एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 1)—1976
5.	सीएम/एल-10623 30 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	बन्दरवैल्ड कारपोरेशन, प्लॉट . 902, जी.आई.डी.सी. इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंकलेश्वर (गुजरात), कार्यालय : रोड नं. 7/8 इंडस्ट्रियल इस्टेट, उधानी-394210 (गुजरात)	बेडिंग चद्दरे ब्राड काट सत-मार्क $\times 19\%$ ई—307 IS : 814 (भाग 2)—1974
6.	सीएम/एल-10624 31 1982-04-01	82-04-01	83-03-31	जोध सिंह सेहिम्मे एंडसन्स, जी. टी. रोड, गोराया—144409 जि. जालंधर (पंजाब)	पावर थैसर सिडिकेटर टाइप, पृष्ठ भाग से संभरण व्यवस्था सहित या रहित, 3.7 किबा (5 अवशक्ति) से 18.5 किबा (25 अवशक्ति) तक— IS : 9020-1979
7.	सीएम/एल-10625 32 1982-04-01	82-04-01	83-03-31	के. सी एमो एंडस, विल्ली बाई-पास जी. टी. रोड, करनाल-132 001 (हरियाणा)	पावर थैसर, दातेदार सिर्निङर टाइप, 3.7 किबा (5 अवशक्ति) से 18.5 किबा (25 अवशक्ति) तक— IS : 9020-1979
8.	सीएम/एल-10626 33 1982-04-01	82-04-16	82-04-15	अजन्ता इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज, 9/109, विश्वास नगर, शास्त्री गली, विल्ली-110032	1100 बोल्ड तक की कार्यकारी बोल्डता के लिये पीबीसी रोधित खोलदार और खोलरहित (भारी काम के) विद्युत केबल, तार और एलुमिनियम के बालकों बाले— IS : 1554 (भाग-1)—1976
9.	सीएम/एल-10627 34 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	बघेल एंड गन्स, 161, जी.आई.डी.सी. इस्टेट, पांडमरा-394221 जि. सूरत (गुजरात)	तीन फेजी प्रेरण मोटर, 0.75 किबा उत्पादन क्षमता वाले, श्रेणी ई रोधन युक्त— IS : 325-1978

1	2	3	4	5	6
10	सीएम/एल-10628 35 1982-04-01	82-01-16	83-04-15	शिवशंकर रॉयिंग मिल, पो. आ. बहादुरपुर, सेंट्रल जेल रोड, भागलपुर कार्यालय : डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर-812001 (बिहार)	मंत्रवता इस्पात (साधारण ग्रेड) -- IS : 1977-1975
11.	सीएम/एल-10629 36 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	त्रिपुरा जूट मिल लिमि., (त्रिपुरा सरकार का उत्तरकर्म) हापनिया, पो. आ. अरुंधतीनगर, अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम)	ए-ट्विन पटसन के बारे-- IS : 1943-1964
12.	सीएम/एल-10630 29 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	—	बी-ट्विन पटसन के बारे-- IS : 2556-1965
13.	सीएम/एल-10631 30 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	---	मीमेट भरत के लिए जूट के बारे-- IS : 2580-1965
14.	सीएम/एल-10632 31 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	फोर्टे ग्लास्टर इंडस्ट्रीज लिमि., न्यू जूट मिल, पो. आ. फोर्टे ग्लास्टर, जि. हावड़ा (प. बंगाल), कार्यालय : 21, स्ट्रेंड रोड, कलकत्ता-700001 (प. बंगाल)	निराल क लिये पटसन का कवड़ा, 380 ग्राम मी ² , 68×39-- IS : 7407 (भाग 3)-1980
15.	सीएम/एल-10633 32 1982-04-05	82-04-16	83-04-15	फ्लेमिका फाटो इंडस्ट्रीज, प्लॉट सं. 280, बी.आई.डी.सी., इंडस्ट्रियल इस्टेट, वधवान मिटी-363030 जि. सुरेंद्र नगर (गुजरात)	तरतित डिग्रीशन गैस के साथ इस्पात के निर्माण धरेलू चूने-- IS : 4246-1978
16.	सीएम/एल-10631 33 1982-04-06	82-01-01	83-03-31	हिन्दुस्तान ग्लव्स इंडिया लिमि., प्लॉट सं. 12 और 13, इंडस्ट्रियल एरिया स्ट्रीट सं. 9, समयपुर, दिल्ली-110042 कार्यालय : 278, कटरा पेगान, लोक बाजार, दिल्ली-110006	बी एच सी (एच सी एच) जलविद्युत नैनीय पाउडर सान्द्र-- IS : 562-1978
17.	सीएम/एल-10635 34 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	राजपलायम् पेपर प्राइवेट लि., 287/1, शंकरन कादलरोड, राजपलायम्-626 117, कार्यालय : 314-ए, तैलकाशी रोड, राजपलायम्-626 117 (तमिलनाडु)	अन्तर्वर्धित कागज शंकु टाप टाइप, कोण 9-15 IS : 4888-1975
18.	सीएम/एल-10636 35 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर क. प्रा. लि., कलोल यूनिट, पो. आ. कसूरी नगर, जि. गांधी नगर-382432 (गुजरात)	मालाश्रियों, तकनीकी-- IS : 1832-1978
19.	सीएम/एल-10637 36 1982-04-07	82-04-16	83-04-15	लक्ष्मी साइंटिफिक इंडस्ट्रीज, राधनपुर चार रास्ता, डेरी रोड, मेहसाना (गुजरात)	मरुभजन मापो, केवल 10 प्रतिशत-- IS : 1223 (भाग 1)-1970
20.	सीएम/एल-10638 37 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	आदर्श रिफायनरीज, खेमकरन राड, एफ. सी. आई. गोधाम के निकट, पो. आ. ज्वाला फ्लोर मिल, अमृतसर (पंजाब)	पैराफिन मोम, टाइप 3, IS : 4654-1974
21.	सीएम/एल-10639 38 1972-04-07	82-04-16	83-04-15	नशनल जूट मैन्व. कारपो. लिमि. (यूनिट : यूनिशन जूट क. लिमि.) 12, कन्वेंट प्लेन, कलकत्ता-700015 (प. बंगाल) कार्यालय : चार्टर्ड बैंक बिल्डिंग, कलकत्ता-700001 (प. बंगाल)	निराल क लिये पटसन का कवड़ा, 380 ग्राम मी ² , 68×39 IS : 7407 (भाग 3)-1980
22.	सीएम/एल-10640 31 1982-04-07	82-04-01	83-03-31	शर्मन मोर्टर्स, 1-एफ, कमलावनगर, दिल्ली-110007	गलों के मोटर (धरतु टाइप) 15 मिमी, टाइप "ए"-- IS : 779-1978

1	2	3	4	5	6
23	सीएम/एल-10641 32 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	राज कौन्सिल प्रा. लिमि एफ-37, सेक्टर-6, नाएडा, गाजियाबाद (उ प्र)	1100 बोल्ट तक की कार्यकारी बोल्टता के लिये पीबीसी राधित खोलदार और खाल रहित केबल, एन्युमिनियम और तांबे के चालकी वाले, बहुद्वितीय प्रयोग में आने वाले और कम तापमान में लगाये जाने वाले केबलों का छाड़कर— IS 694-1977
24	सीएम/एल-10642 33 1982/04-07	82-04-16	83-04-15	शिवशंकर रोलिंग मिल्स, पो आ बहादुरपुर, सेक्टर जेल रोड, भागलपुर, - कार्यालय डी एन. सिंह रोड, भागलपुर-812002 (बिहार)	सरचना इस्पात (मानक क्रिसम) IS 226-1975
25	सीएम/एल-10643 34 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	आरती स्टील्स, (प्रा) आरती स्टील्स प्रा लिमि शेरपुन कला, फाकल प्वाइंट के निकट लुधियाना (पंजाब)	इलेक्ट्रोड कोर तार की मेटल आर्क वैलिंग के लिये मृदु इस्पात— IS 2879-1975
26	सीएम/एल-10644 35 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	आदित्यपुर रोलिंग मिल्स, ए-9, फर्स्ट फेज इंडस्ट्रियल एरिया पो आ. आदित्यपुर, जमशेदपुर (बिहार)	सरचना इस्पात (साधारण क्रिसम) IS 1977-1975
27	सीएम/एल-10645 36 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	एके रोलिंग मिल्स प्रा लि मि 12/2, मधुगा रोड, फरीदाबाद-121003	क्रीट प्रबलन के लिये ठडी बनी इस्पात की उच्च शक्ति विकृत स रिया— IS 1786-1979
28	सीएम/एल-10646 37 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	लक्ष्मी पेंट इंडस्ट्रीज, जी टी रोड, पो आ रेयन एंड सिल्क मिल्स, माया मिनगा के सामने, अमृतसर (पंजाब)	डिस्टेंपर, सूरमा, अभीष्ट रंग का— IS 427-1965
29	सीएम/एल-10647 38 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	अरुण इंडस्ट्रीज, 1/120ए, दिल्ली गेट, आगरा-282002 (उ प्र)	तरलित पेट्रोलियम गैसों के साथ इस्तेमाल के लिये घरेलू बून्हे— IS 4246-1978
30	सीएम/एल-10648 39 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	माहर्न इंडस्ट्रियल एन्टरप्राइजेज इंडिया एच-69, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 1, नई दिल्ली-110064	नोदक प्रकार के ऐसी मवाती पखे 380 मिमी और 450 मिमी "ए" श्रेणी रोधन वाले— IS 2312-1967
31	सीएम/एल-10649 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	उमय निटिंग कं प्रा लिमि, 3-ई, स्टैन्स रोड, फर्स्ट स्ट्रीट, तेरुपुर 638602 (तमिलनाडु)	मादा बुना सूता बनियाने टाईप आनएन और आरएनएस माईज 80 से 90 मैमीमी गज 26 IS 4964-1980
32	सीएम/एल-10650 33 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	मोदी स्टील्स, (प्रा) मोदी इंडस्ट्रीज लिमि) मोदी नगर-201204 जि गाजियाबाद (उ प्र)	मशीन पेचों व (शीत शीघ्रन प्रक्रिया द्वारा) निर्माण के लिये मृदु इस्पात के तार की छडे— IS 2255-1977
33	सीएम/एल-10651 34 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	जे के पन्ट इंडस्ट्रीज ए/17/1, जी टी करनाल, रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110033	बिडकी फेंती पर प्रयोग के लिए पट्टी IS 419-1967
34	सीएम/एल-10652 35 1982-04-13	82-04-16	83-04-15	फरीदाबाद मेटल उद्योग प्रा लिमि , 15/4, मधुगा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	333 लिटर पानी की समाई वाले एलपीजी मिलिडर IS 3196-1974
35	सीएम/एल-10653 36 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	पकज प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, 122, जे. एन. मयूजी रोड बृमुडी, हावड़ा-711107 कार्यालय 29 स्ट्रेट गज (नीमगा तल) कलकत्ता-700001	जनम्यकृत पीबीसी पाइप 0.4 एमपीए, 0.6 एमपीए और 1.0 एमपीए साइज केवल 110 मिमी तक— IS 4985-1968

1	2	3	4	5	6
36	सीएम/एल-10654 37 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	श्री बालाजी मिलडर्स प्रा. लिमि., 41, एम. जी. आर. सलाई पलक्कम, मद्रास-600041 कार्यालय : 116, मुख्यमार्ग गार्डेन रोड मद्रास-600004	एलपीजी के लिये 33.3 लिटर पानी की समार्व वाले अन्य कार्बन इस्पात के डेक्कन मिलडर IS 3196-1978
37	सीएम/एल-10655 38 1982-04-14	82-04-01	83-04-31	शुभा ईमिकल्स प्रा लिमि., वी-144, रोड नं 9 विश्वकामो इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302011 (राजस्थान)	बीएचसी जलविमर्जनीय पाउडर साइ IS : 562-1978
38	सीएम/एल-10656 39 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	केमिल्लाइट इंडस्ट्रीज, 55, इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर 1, बार्बात-173220 जि. मोहन (हिमाचल प्रदेश)	पयजल पुनर् के लिये उच्च घनत्व पायीप्लास्तीक पाइप, ध्रेणी 5, साइज 110 मिमी (ओडी) तक— IS : 4984-1975
39	सीएम/एल-10657 10 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	जडु श्रुति रिट वनर्न मैजैस्टिक रोड, मोगा (पंजाब)	पावर थ्रेशर, दातेदार मिलिडर टाइप, 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1979
40	सीएम/एल-10658 11 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	सुपर फाइन इर्जातियम वर्कस, मैजैस्टिक रोड, मोगा (पंजाब)	" " "
41	सीएम/एल-10659 42 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	मार्शल इंडस्ट्रियल कम्पनी, जी.टी. रोड, मोगा (पंजाब)	" " "
42	सीएम/एल-10660 35 1982-04-14	82-04-16	82-04-15	हिन्दुस्तान स्टील इंडस्ट्रीज, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	" " "
43	सीएम/एल-10661 36 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	स्टेड्स इम ग्रेड बैरल मैन्यूफ., माथनवाडा, कोरादहर रोड, चेम्बूर, बम्बई-400074	ड्रम, घड़े आदि मिश्र वाले टाइप-"बी"- IS : 1783-1979
44	सीएम/एल-10662 37 1982-04-15	82-05-01	83-04-30	मिनेरवा प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज, 43/एच/1 धीनपट्टा रोड कलकत्ता-700010	काय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के पैन्स IS : 10(भाग 2)-1976
45	सीएम/एल-10663 38 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	सधुरा कोट्स लिमि., अम्बासमुद्रम-627401 तमिलनाडु	रंगा हुआ सूती कपड़ा जलरोक — IS : 2423-1979
46	सीएम/एल-10664 39 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	विण्ण कार्बन्स (इंडिया) जेल रोड, गोरखपुर-273006 (उ.प्र.)	टाइप राइटिंग के लिये कार्बन कागज ग्रेड 3 IS : 1551-1976
47	सीएम/एल-10665 40 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	" "	हाथ से लिखने के लिये कार्बन पेपर ग्रेड "गु" IS : 3450-1976
48	सीएम/एल-10666 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	रुनियन फोर्जिग्स, कोकल ब्राह्मन्ट थोरपुर, लुधियाना-141010 (पंजाब)	पावर थ्रेशर, दातेदार मिलिडर टाइप 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) से 12.2 किवा (30 अश्वशक्ति) तक— IS : 9020-1979
49	सीएम/एल-10667 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	ड्रॉला इंडस्ट्रीज, मैजैस्टिक रोड, मोगा-143001 (पंजाब)	पावर थ्रेशर, दातेदार मिलिडर टाइप, 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1979
50	सीएम/एल-10668 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	ड्रॉला एम्प्लिफायर वर्कस, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	पावर थ्रेशर, दातेदार मिलिडर टाइप, 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) तक— IS : 9020-1979
51	सीएम/एल-10669 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	न्यू सन फोर्जिंग एम्प., इंडस्ट्रीज, मैजैस्टिक रोड, दल रोड के निकट, मोगा-142001 (पंजाब)	पावर थ्रेशर, दातेदार मिलिडर टाइप 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS : 9020-1979

1	2	3	4	5	6
52	सी.एम./एल-10670 37 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	खसम एग्रीकल्चरल ड्रॉजो वर्क्स मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	पावर थ्रीशर, दानेदार मिलिडर टाइप 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1979
53	सी.एम./एल-10671 38 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कलसी एग्रीकल्चरल कार्पो., अकालसर रोड, मोगा (पंजाब)	ग्रथोपरि
54	सी.एम./एल-10672 39 1982-04-16	82-04-16	83-04-15	स्टार एग्रीकल्चरल कार्पो., मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
55	सी.एम./एल-10673 10 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	हिन्दुस्तान एग्रीकल्चरल कार्पो मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
56	सी.एम./एल-10674 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	मिलन इंजिनियरिंग वर्क्स जो. टी. रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
57	सी.एम./एल-10675 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	मोहना एग्री इंस्टीट्यूट, मैजैस्टिक रोड, मोगा (पंजाब)	ग्रथोपरि
58	सी.एम./एल-10676 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	आजाद इंस्टीट्यूट मैजैस्टिक रोड मोगा-142001 (पंजाब)	
59	सी.एम./एल-10677 14 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	जे पी ट्रेडर्स, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
60	सी.एम./एल-10678 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	भगत इंजी. वर्क्स, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
61	सी.एम./एल-10679 46 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	जयसल एग्रीकल्चरल वर्क्स, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	ग्रथोपरि
62	सी.एम./एल-10680 39 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	विवेको इंडस्ट्रियल ग्राम जालामार, हैदरपुर रोड, दिल्ली-110033	रोटरी घुंरा तेल सील, टाइप "ए" IS: 5129-1979
63	सी.एम./एल-10681 40 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	खेतान इन्वैस्टिगेशन लिमि., प्लॉट नं. 14, सेक्टर-6, फरादाबाद-121006	नोचक प्रकार के ऐसी संवाता पंखे एक फेज, 230 वाट 'ई' श्रेणी राशित अनिमपन्दन तुल्य 300 मिमी, 450 मिमी और 600 मिमी साइज के— IS: 2312-1966
64	सी.एम./एल-10682 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	दापक मेकेनिकल वर्क्स (रजि.), मैजैस्टिक रोड मोगा-142001 (पंजाब)	पावर थ्रीशर, दानेदार मिलिडर टाइप, 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1967
65	सी.एम./एल-10683 42 1982-04-15	82-05-01	83-04-30	आदित्यपुर रोलिंग मिल, ए-9 फेज 1, आदित्यपुर (जमशेदपुर) बिहार	मंचवता इस्पात (मानक किगम) IS: 226-1975
66	सी.एम./एल-10684 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	पंजाब एग्रीकल्चरल मशीनरी वर्क्स, मैजैस्टिक रोड, मोगा-142001 (पंजाब)	पावर थ्रीशर, दानेदार मिलिडर टाइप, 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (25 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1979
67	सी.एम./एल-10685 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	रिशकनी फाउंडरी (रजि.), (पो. आ.) अफग, तहसील फावापुर, जि. जालन्धर (पंजाब)	पावर थ्रीशर, मिलिडर टाइप, तालों प्रकार की मरण प्रणाली और मोण मरण बेलों सहित 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) से 5.2 किवा (7 अश्वशक्ति) तक— IS 9020-1979

1	2	3	4	5	6
68 स एम/एल-10686 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	फार्म प्राइवेट्स ऑफ इंडिया प्लॉट 16 एंड मोटा-142001 (पंजाब)	पावर शैशर, दातेदार मिनिडर टाइप, 3.7 किवा (5 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (15 अश्वशक्ति) तक-- SI 9020-1979	
69 स एम/एल-10687 46 1982-05-15	82-04-16	83-04-15	जय किसान जर्नल मशीनर वर्कर्स, ज. ट. रोड मोटा-141001 (पंजाब)	, "	
70 स एम/एल-10688 47 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	माइक फाउंडे वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
71 स एम/एल-10689 48 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	मैजैस्टिक इंजीनियरिंग वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
72 स एम/एल-10690 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	राजा नरारन स्टोर, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
73 स एम/एल-10691 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	रोड इंजीनियरिंग वर्कर्स मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
74 सी एम/एल-10692 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	आइसो मैकेनिकल वर्कर्स मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
75 सी एम/एल-10693 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	जनता एन.के.वर्कर्स इन्फ्रा कार्रेंजेशन, ज. ट. रोड मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
76 सी एम/एल-10694 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कृपाराम राजाराम, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
77 सी एम/एल-10695 46 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कलसी इंजीनियरिंग वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
78 सी एम/एल-10696 47 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	राजा एन्री इंडस्ट्रीज, जी. टी. रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
79 सी एम/एल-10697 48 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कलसी मैकेनिकल वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
80 सी एम/एल-10698 49 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	फर्नेट्टा इंडस्ट्रीज, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	, "	
81 सी एम/एल-10699 50 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	महारा इंडस्ट्रियल कार्रेंजेशन, अकालसर रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	पावर शैशर, दातेदार मिनिडर टाइप, 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) से 11.1 किवा (15 अश्वशक्ति) तक-- IS 9020-1979	
82 सी एम/एल-10700 26 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कलसी इंडस्ट्रियल वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	पावर शैशर, दातेदार मिनिडर टाइप, 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (15 अश्वशक्ति) तक-- IS 9020-1979	
83 सी एम/एल-10701 27 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	कलसी इंडस्ट्रियल वर्कर्स, मैजैस्टिक रोड, मोटा-142001 (पंजाब)	पावर शैशर, दातेदार मिनिडर टाइप, 2.2 किवा (3 अश्वशक्ति) से 18.5 किवा (15 अश्वशक्ति) तक-- IS 9020-1979	
84 सी एम/एल-10702 28 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	अमर केबल्स 22 गोदाम, कनारपुरा, जयपुर (दक्षिण)-302006	जिरोपर पावर प्रेषण कार्यों के लिये अनुमितियम अनुमति चालक-- IS 398 (भाग 1)-1976	
85 सी एम/एल-10703 29 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	जोधपुर केबल्स एंड कंस्ट्रक्शंस प्रा लि , 17, लाइट इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर-342003		

1	2	3	4	5	6
86. सीएम/एल-10704 30 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	गेरुडा इंडस्ट्रीज, सी-51, स्पेशल इंडस्ट्रियल, इस्टेट जयपुर (दक्षिण)-302006, कार्यालय : 65, धूलेश्वर बाग, ममोथ हाउस, जयपुर-302001	शिरोपरि पावर प्रेसिंग कार्यों के लिए अलुमिनियम बनयित ताक-- IS : 198 (भाग 1)-1976	
87. सीएम/एल-10705 31 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	मरुधारा कन्स्ट्रक्शंस, एफ-139/140, मरुधारा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-11, बसनी जोधपुर कार्यालय : 341-सी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर-342003	" "	
88. सीएम/एल-10706 32 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	मुपर स्टील्स, प्लॉट सं. 34, सेक्टर-6 फरीदाबाद (हरियाणा)	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये मुबु इस्पात के तार, तापानशीलित, परिष्कृत और भूना- संबलित, चमकीले सिंचे हल्के धूरे और जस्ती- कृत तार-- IS : 280-1978	
89. सीएम/एल-10707 33 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	यूनियन ट्रेक्टर वर्कशाप, 8-बी, फेज-II, मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110064	पावर धौंशर, दातेदार सिलिंडर टाइप, 18.5 किबा (25 अक्षवर्गित) तक-- IS : 9020-1971	
90. सीएम/एल-10708 34 1982-04-19	82-05-01	83-05-30	एम. आर. पी. टूल्स लिमिटेड 110, सैटिम ब्रिज रोड, मद्रास-600041 कार्यालय : 108, मीसरा तम, थम्बू बेट्टी स्ट्रीट मद्रास-600001	वेल्डिंग कार्यों के लिये-- IS : 6309-1971	
91. सीएम/एल-10709 35 1982-04-20	82-04-16	83-04-15	सर्वजीत मशीन टूल्स जी. टी. रोड, बटाना	बसवां छोटे के मैनहोल डबल और फ्रेम मध्यम काम. आयताकार टाइप-- IS : 1726 (भाग-5)-1974	
92. सीएम/एल-10710 28 1982-04-20	82-03-01	83-02-28	डी पी कागज उद्योग प्रा. लिमि., सेक्टर 3, बी-2 नोएडा, जि. गाजियाबाद (उ. प्र.)	एक बारीय कार्बन पेपर, टाइप "ए"-- IS : 9055-1979	
93. सीएम/एल-10711 29 1982-04-21	82-04-01	83-03-31	सुन्दर एंड सुन्दर, 147 इंडस्ट्रियल एरिया, चंडीगढ़-160002	तरलित पेट्रोलियम तैलों के साथ इस्तेमाल के लिये धरेलू बूल्हे-- IS : 4246-1978	
94. सीएम/एल-10712 30 1982-04-16	82-05-01	83-04-30	नवलखा एग्रो इन्विपमेंट, 38, शंकर सेठ रोड, पूना-411000 (महाराष्ट्र)	हस्तचालित संपीड़न पृष्ठवाह्य फुहरा-- IS : 1970 (भाग 1)-1974	
95. सीएम/एल-10713 31 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	मार्नेन मिनरल्स प्रा. लिमि., दौलताबाद रोड, गुडगांव (हरियाणा)	मालाधियांत धूसन पाउडर-- IS : 2568-1976	
96. सीएम/एल-10714 32 1982-04-21	82-04-01	83-03-31	फोर्ट स्मोल्डर इंडस्ट्रीज, न्यू जूट मिल, पो. आ. फोर्ट, स्मोल्डर, जि. हावड़ा (पं. बंगाल) कार्यालय : 21, स्टैंड रोड, कलकत्ता-700001 (पं. बंगाल)	निरपाल के लिये जूट का कपड़ा 407 ग्राम/ मी ² , 85×39-- IS : 7407 (भाग 2)-1980	
97. सीएम/एल-10715 33 1983-04-21	82-05-01	83-04-30	ज्योति आयल कं., गोशाला रोड, पो. आ. हरासूगुडा, जि. सम्बलपुर (उड़ीसा)	पैराफिन सोम, टाइप 3 IS : 4654-1975	
98. सीएम/एल-10716 34 1982-04-22	82-04-01	83-03-31	हिन्दुस्तान माइनिंग कं., औषा महादेव के मन्दिर के निकट, रामगंज बाजार, जयपुर (रजि.) कार्यालय : फिल्म कालोनी, एम एन एल हाईवे, जयपुर-302003	सी. बी. आर. सी.बी. (विस्तार कालर और आधार प्लेट सहित)-- IS : 9069-1980	
10717 35	82-05-01	83-04-30	नवलखा एग्रो इन्विपमेंट, 38, शंकर सेठ रोड, पूना-4011009 (महाराष्ट्र)	हस्त पूर्ण डबल, पट्टी चढ़ा टाइप-- IS : 5135 (भाग 2)-1974	
	05-01	83-04-30	" "	हस्त-चालित सतत सैपसेक फुहरा, पिस्टन टाइप IS : 3908 (भाग 1)-1974	
	05-01	83-04-30	" "	बोलक फुहरा-- IS : 3062-1974	

1	2	3	4	5	6
102.	सी एम/एल-10720 30 1982-04-21	82-0501	83-0430	नवलखा एग्रो इन्डियनमेंट्स, 38, शंकर सेठ, रोड प्ला-4011009 (महाराष्ट्र)	पाव कुहारा— IS : 3652-1977
103	सी एम/एल-10721 31 1982-03-22	82-05-01	84-04-30	इन्डो पाइक्सजी०टी० रोड, छहर्दा, अमृतसर	आर सी सी पाइप, थ्रेणो एन पी, साइज : 225 ² , 300, 400 और 450 मिमी— IS : 458-1971
104.	सी एम/एल-10729 32 1982-04-22	82-05-01	83-04-30	जयपुर मेटल्स एंड इलेक्ट्रिकल लिमिटेड, पावर हाउस रोड, रेलवे स्टेशन के निकट, जयपुर-302006	शिरोवरि पावर कायों के लिए एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 1)-1979
105.	सी एम/एल-10723 33 1982-04-22	82-04-16	83-04-25	के०के० एंड कं० खसरा सं० 299, गोकुलपुर, शाहदरा बिल्डिंग 110094	तरलित पेट्रोलियम गैसों के साथ इस्तेमाल के लिए घरेलू चूल्हे 4246-1978
106.	सी एम/एल-10724 34 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	नेल्को (इंडिया) प्रा०लिमिटेड, वागपत रोड मेरठ-250002	पुरुषों और स्त्रियों के लिये पुटिंग शॉट— IS : 4386-1967
107.	सी एम/एल-10725 35 1982-04-23	82-04-16	83-04-15	कागिट एंटरप्राइजेज प्रा०लिमि०, 31 बी, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, 121001 (हरियाणा)	तरलित पेट्रोलियम गैसों के साथ इस्तेमाल के लिए घरेलू चूल्हे— IS : 4246-1978
108.	सी एम/एल-10726 36 1982-04-23	82-04-16	83-04-15	हरियाणा कैमिकल एंड पेस्टिसाइड्स, टी/6, इंडस्ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़ (हरियाणा)	मालाखियोन जलविलसर्जनीय पाउडर मांछ— IS : 2569-1978
109.	सी एम/एल-10727 37 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	नेशनल एग्रो कैमिकल्स, सी-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 (बिहार)	गम्मा-बी एच सी (लिन्डेन) पायसनीय तेजद्रव 20 प्रतिशत— IS : 632-1978
110.	सी एम/एल-10728 38 1982-04-22	82-04-16	83-04-15	जैन की इंडस्ट्री, ई-13, ओड्डा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज II, नई बिल्लो-110020	तरलित पेट्रोलियम गैसों के साथ इस्तेमाल के लिये घरेलू चूल्हे— IS : 4246-1978
111.	सी एम/एल-10729 39 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	इंडियन कास्मेटिक्स एंड केमिकल्स, 5ए, इंडस्ट्रियल इस्टेट, रायपुर (म०प्र०)	पैराफिन मोम, टाइप 3— IS : 4654-1974
112.	सी एम/एल-10730 32 1982-04-23	82-04-01	83-03-31	पेस्टिसाइड्स (इंडिया), पो. बा. सं. 20, उदयसगर रोड, उदयपुर-313001	मिथाइल पैराथियोन, धूलन पाउडर 2 2 IS : 8960-1978
113.	सी एम/एल-10731 33 1982-04-28	82-05-01	83-04-30	इन्टेल् एप्लायेंसिस प्रा. लिमि., प्लाट सं. 87/3, स्ट्रीट सं. 17 एम.आई.डी.सी. इंडस्ट्रीज एरिया, सतपुर, नासिक-422007	एल पी जी गिलेंडर 33.3 लि. पानी की मलाई वाले IS : 3198-1174
114.	सी एम/एल-10732 34 1982-04-28	82-05-16	83-05-15	सी पी इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, डी एम आई डी सेल सं. 38 बजीरपुर, इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स बिल्लो-110052	1100 बोल्ड तक कार्यकारी बोल्डता के लिये एलुमिनियम चालकों वाले पीवीसी रोशित खोलदार और खोलरहित केबल बहिरंग और कम तापमान में काम आने वाले केबलों को छोड़कर— IS : 694-1977
115.	सी एम/एल-10733 35 1982-04-28	82-05-16	83-05-15	टोनी कन्डक्टर्स, एफ-126/127, मालवीय इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302004	शिरोवरि पावर प्रेषण कायों के लिये एलुमिनियम के जस्तीकृत इस्पात प्रबलित लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 2)-1976
116.	सी एम/एल-10734 36 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	"	शिरोवरि पावर प्रेषण कायों के लिये एलुमिनियम के लिए लड़दार चालक IS : 398 (भाग 1)-1976
117.	सी एम/एल-10735 37 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	सरना विनीयर सप्लायर्स, 8/3, गुरदास दत्त गार्डन लेन, कलकत्ता-700067	चाय की पाटियों के लिये प्लाईवुड के वैटने- IS : (भाग 1)-1976

2	3	4	5	6
118. सीएम/एल-10736 38 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	पायोनियर स्प्रिंग ऐंड स्टील कन्सर्न प्रा. लि. 3, जहरा बाजार लेन, कलकत्ता-700042 कार्यालय : 4, गवर्नमेंट प्लेन (उत्तर) कलकत्ता-700001	कुंडलीदार संयोजन कमनियां, टंडी कुंडलित कमानियां- IS : 7906 (भाग 2)-1975
119. सीएम/एल-10737 39 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	महावीर कन्सल्टेंस, सी-22 ए, मरुधर इंडस्ट्रियल एरिया, बमनी, जोधपुर-342035 कार्यालय : हैदर बिल्डिंग, सोजती रोड, जोधपुर-342001	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए इलुमिनियम के जम्तीकृत इम्पल प्रबलित चालक IS : 398 (भाग 2)-1976
120. सी एम/एल-10738 40 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	ट्यूबम एंड बार्न, 27, इंडस्ट्रियल एरिया, डीजल प्लांट, स्टील के सामने, भवन की कोठी, जोधपुर-342003	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिये एलुमिनियम के लड़दार चालक— IS : 398 (भाग 1)-1976
121. सी एम/एल-10739 41 1982-04-29	82-05-01	83-04-30	न्यू लाइट इंडस्ट्रीज, एम-9 अजय एन्क्ले मार्किट, नई दिल्ली-110018	किबाइों के हैंडल, टाइप 4, (जेबल एलुमिनियम के) IS : 208-1979
122. सी एम/एल-10740 34 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	हृदिमन इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, एन०के० चरनजीतपुरा, जैन बसाथ मार्किट के पीछे, बाजार नौहरियां, जलंधर मिटी	जो०एम० गेट बाल्ब, श्रेणी 1, साइज 25 मिमी तक— IS : 78-1971
123. सी एम/एल-10741 35 1982-04-30	82-04-01	83-03-31	केमिस्त्रिय, कनाल साउथ रोड पगलाबांगा, कलकत्ता-700010 (24 परगना) (कार्यालय : 1 बी, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001	आग बुझाने के लिये मशीन द्वारा भाग बनाने लिये भाग मिश्रण— IS : 4989-1974
124. सी एम/एल-10742 36 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	यूनाइटेड बैग्स लिमिटेड, 1/4 सी, खगेन्द्र चटर्जी रोड, कलकत्ता-700002 (प० बंगाल) कार्यालय : 10, ब्रजराज रो, कलकत्ता-700001 (प० बंगाल)	उर्ध्वक भरने के लिये 380 ग्राम/मी ² 68×39 तिरपाली कपड़े से निम्न पटसन के परतदार बोरे— IS : 7406 (भाग 2)-1980
125. सी एम/एल-10743 37 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	टी एंजेंसी एण्ड ट्रेडिंग सेंटर, भंग बाजार, जिना कछार कार्यालय : 4 मिनेगोण स्ट्रीट, कलकत्ता-700001	भाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के कंटेन IS : 10 (भाग 3)-1974
126. सी एम/एल-10744 38 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	बिमल इंजीनियरिंग वर्क, 1044, इंडस्ट्रियल एरिया, जलंधर मिटी	मार्किट एम 2, साइज नाम 2 तक— IS : 1879 (भाग 6)-1975
127. सी एम/एल-10745 39 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	मुपरा केम, ग्राम रेबेले, लालुक गजबाल, जिला मेडक (आ० प्रवेश)	कपड़ा धेने के लिये स्प्लिन्ट साबुन की बट्टियां ग्रैंड 1 और 2— IS : 8180-1976
128. सी एम/एल-10746 40 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	शेखर सोप वर्क, 1-1-534, गांधीनगर, बेकाराम, हैदराबाद-500038 (आ० प्र०)	„
129. सी एम/एल-10747 41 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	वेविन इंडिया लिमिटेड, जी-2, एम आई डी सी इंडस्ट्रियल, एरिया, नागपुर-440016	90° कुहनियां— IS : 783 (भाग 2)-1975

1	2	3	4	5	6
130. सी एम/एल-10748 42 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	राकवेल्ड इलेक्ट्रोडम (इ०) लिमिटेड, 29, इंडस्ट्रियल एस्टेट, अम्बेत्तूर, मद्रास-600058	संरचना इत्यादि की मेटल आर्क वेल्डिंग के लिये आवृत्त इलेक्ट्रोड, फेबल चार्ज वेल्डिंग के लिये—	
					ब्रांड कोड मांद्ज
					1. आदनेक इंडिया ई-317 } 3.15 मि मी 2. फेमिलेड इंडिया ई-307 } औरउमसे कम 3. मिनबाक इंडिया ई-317 } 4. बी-117 इंडिया ई-317 }
					IS : 814 (भाग 2)—1974

[सं० सी एम डी/13 : 11]

S.O. 1635. —In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and thirty licences, particulars of which are given in the following schedule, have been granted during the month of April, 1982 authorising the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-	Period of Validity		Name & Address of the Licensee	Article/process covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
		From	To		
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-10519 34 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Ganesh Durga Iron Works, 2 Makardah Road, Howrah (W. Bengal) Office : P-280/3, Benaras Road, Howrah (W. Bengal)	Double flanged bends— IS : 1533 (Part-XVIII)—1976
2.	CM/L-10620 27 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Hind Wire Industries Ltd., Ekford Road, Skchar, 24, Parganas, West Bengal Office : 225 D Acharya Jagdish Bose Rd., Calcutta-700020	Plain hard drawn steel wire for prestressed concrete (as drawn wire)— IS : 1785 (Part II)—1967
3.	CM/L-10621 28 1982-04-01	82-04-01	83-03-31	Punjab Agriculture Industries, 6, Industrial Estate, Hoshiarpur-146001 (Punjab)	Power thresher spike tooth cylinder type, 2.2 KW (3HP) to 18.5 KW (25hp)— IS : 9020—1979
4.	CM/L-10622 29 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Ramesh Metal Works, Kunjandiyur, Mettur-Dam-636404	Aluminium stranded conductors for over- head transmission purposes— IS : 398 (Part-I)—1976
5.	CM/L-10623 30 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Wonderweld Corporation, Plot No. 932, G.I.D.C. Indl. Estate, Ankleshwar (Gujarat) Office : Road No. 7/8 Indl. Estate, Udhana-394210 (Gujarat)	Welding sheets Brand Code Sun-Arc × 19 E-307 IS : 814 (Part II)—1974
6.	CM/L-10624 31 1982-04-01	82-04-01	83-03-31	Jodh Singh Sehimbey & Sons, G.T. Road, Goraya, Pin 144409 Distt. Jullundur (Punjab)	Power thresher, syndicator type with or without reverse feed mechanism from 3.7 KW (5hp) to 18.5 KW (25 hp)— IS : 9020—1979
7.	CM/L-10625 32 1982-04-01	82-04-01	83-03-31	K.C. Agro Aids, Delhi Bye Pass, G.T. Road, Karnal-132001 (Haryana)	Power thresher, spike tooth, cylinder type, 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (2 hp)— IS : 9020—1979
8.	CM/L-10626 33 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Ajanta Electric Industries, 9/109, Vishwas Nagar, Shastri Gali, Delhi-110032	PVC insulated armoured and unarmoured (heavy duty) electric cables with copper and aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 Volts— IS : 1554 (Part I)—1976

1	2	3	4	5	6
9.	CM/L-10627 34 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Weghel and Sons, 161, G.I.D.C. Estate, Pandrasara-394221 Distt. Surat (Gujarat)	Three phase induction motors having 0.75 KW output class E insulation IS : 325—1978
10.	CM/L-10628 35 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Shiv Shankar Rolling Mill., P.O. Bahadurpur, Central Jail Road, Bhagalpur Office : D.N. Singh Road, Bhagalpur Pin 812001 (Bihar)	Structural steel (Ordinary quality)— IS : 1977—1975
11.	CM/L-10629 36 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	Tripura Jute Mills Ltd., (A Govt. of Tripura Undertaking), Hapania, P.O., Arundhutinagar, Agartala, Tripura (West)	A-twill Jute bags— IS : 1943—1964
12.	CM/L-10630 29 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	Tripura Jute Mills Ltd., (A Govt. of Tripura Undertaking) Hapania, P.O. Arundhutinagar, Agartala, Tripura (West)	B-twill Jute bags— IS : 2556—1965
13.	CM/L-10631 30 1982-04-01	82-03-16	83-03-15	-do-	Jute bags for packing cement— IS : 2580—1965
14.	CM/L-10632 31 1982-04-01	82-04-16	83-04-15	Fort Gloster Inds. Ltd., New Jute Mill, P.O. Fort Gloster, Distt. Howrah (W.B.) Office : 21 Strand Road, Calcutta-700001 (WB)	Jute tarpaulin fabric 380 g/m ² , 68 × 39— IS : 7407 (Part III)—1980
15.	CM/L-10633 32 1982-04-05	82-04-16	83-04-15	Flamica Auto Industries, Plot No. 280, G.I.D.C. Indl. Estate, Wadhwan City-363030 Dist. Surendranagar (Gujarat).	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978
16.	CM/L-10634 33 1982-04-06	82-04-01	83-03-31	Hindustan Pulverising Mills, Plot No. 12 13, Industrial Area, Street No. 9, Samepur, Delhi-110042 Office : 278 Katra Peron, Tilak Bazar, Delhi-110006	BHC (HCH) WDPC IS : 562—1978
17.	CM/L-10635 34 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	Rajapalayam Paper Products, 287/1, Sankaran Koil Road, Rajapalayam-626117 Office : 314-A, Tenkashi Road, Rajapalayam-626117 (TN)	Paper cones rolled-in-Top Type Angle— 90151 IS : 4888—1975
18.	CM/L-10636 35 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	Indian Farmers Fertilizer Co-op Ltd., Kalol Unit; P.O. Kasturinagar, Distt. Gandhi Nagar, Pin-382432 (Gujarat)	Malathion, Technical— IS : 1832—1978
19.	CM/L-10637 36 1982-04-07	82-04-16	83-04-15	Laxmi Scientific Industries, Radhanpur Char Rasta, Dairy Road, Mehsana Distt., Mehsana (Gujarat)	Butyrometer 10 per cent only— IS : 1223 (Part I)—1970
20.	CM/L-10638 37 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	Adarsh Refineries, Khem Karan Road, Near F.C.I. Godown, P.O. Jawala Flour Mill, Amritsar (Punjab)	Paraffin wax, type-3— IS : 4654—1974
21.	CM/L-10639 38 1982-04-07	82-04-16	83-04-15	National Jute Mfg. Corpn. Ltd., (Unit : Union Jute Co. Ltd., 12, Convent Lane, Calcutta-700015 (WB) Office : Chartered Bank Building, Calcutta-700001 (W.B.)	Jute tarpaulin fabric 380 g/m ² , 68 × 39, IS : 7407 (Part III)—1980
22.	CM/L-10640 31 1982-04-07	82-04-01	83-03-31	Sharman Meters, 4-F, Kamla Nagar, Delhi-110007	Water meter (Domestic type) 15 mm Type 'A'— IS : 779—1978
23.	CM/L-10641 32 1982-04-06	82-04-16	83-04-15	Raj Cables Pvt. Ltd., F-37, Sector-6, NOIDA Ghaziabad (U.P.)	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium and copper conductors for working Voltages up to and including 1100 Volts excluding cables for outdoor use and low temperature applications— IS : 694—1977

1	2	3	4	5	6
24. CM/L-10642 33 1982-04-07	82-04-16	83-04-15	Shiv Shankar Rolling Mills, P.O. Bahadurpur, Central Jail Road, Bhagalpur. Office : D.N. Singh Road, Bhagalpur, Pin-812002 (Bihar)	Structural steel (Standard quality)— IS : 226—1975	
25. CM/L-10643 34 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	Arati Steels, [Prop : Arati Steel (P) Ltd.] . Sherpur Kalan, Near Focal point, Ludhiana (Punjab)	Mild steel for meter arc welding electrode core wire— IS : 2879—1975	
26. CM/L-10644 35 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	Adityapur Rolling Mills, A-9, First Phase, Industrial Area, P.O. Adityapur, Jamshedpur (Bihar).	Structural steel (Ordinary quality)— IS : 1977—1975	
27. CM/L-10645 36 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	Akay Rolling Mills Pvt. Ltd., 12/2, Mathura Road, Faridabad-121003	Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1979	
28. CM/L-10646 37 1982-04-08	82-04-16	83-04-15	Laxmi Paint Industries, G.T. Road, P.O. Rayon & Silk Mills, Opposite Maya Cinema, Amritsar (Punjab)	Distemper, dry, colour gas required— IS : 427—1965	
29. CM/L-10647 38 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Arun Industries, 1 120 A, Delhi Gate, Agra-282002 (UP)	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases— IS : 4246—1978	
30. CM/L-10648 39 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Modern Industrial Enterprises, WH-69, Mayapuri Industrial Area, Phase I, New Delhi-110064	Propeller type ac ventilating fans 380 mm & 450 mm Class 'A' insulation— IS : 2312—1967	
31. CM/L-10649 40 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Umayia Knitting Co. (P) Ltd, 3-E, Stanes Road, First Street, Terupur-638602 (Tamil Nadu)	Plain knitted cotton vests Type : RN & RNs Size : 80 to 90 cm Gauge : 26 IS : 4964—1980	
32. CM/L-10650 33 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Modi Steels, (Prop : Modi Industries Ltd.), Modinagar-201204 Distt. Ghaziabad (U.P.)	Mild steel wire rod for the manufac- ture of machine screws (by cold heading process) — IS : 2255—1977	
33. CM/L-10653 36 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Jay Kay Paint Industries, A 47/1, G.T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033	Putty for use on window frames— IS : 419—1967	
34. CM/L-10652 35 1982-04-13	82-04-16	83-04-15	Faridabad Metal Udyog Pvt. Ltd., 15/4 Mathura Road, Faridabad (Haryana)	33.3 litre water capacity LPG cylinder— IS : 3196—1975	
35. CM/L-10653 36 1982-04-12	82-04-16	83-04-15	Pankaj Plastic Industries, 122, J.N. Mukherjee Road, Ghusuri, Howrah-711107 Office : 29 Strand Road, (3rd floor), Calcutta-700001	Unplasticized PVC pipes 0.4 MPa, 0.6 MPa and 1.0 MPa Size upto 110 mm only— IS : 4985—1968	
36. CM/L-10654 37 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Sri Balaji Cylinders Pvt. Ltd., 41 M.G.R. Salai Palavakkam, Madras-600041 Office : 116, Sullivan's Garden Road, Madras-600004	Welded low carbon steel gas cylinder water capacity 33.3 litres for LPG— IS : 3196—1974	
37. CM/L-10655 38 1982-04-14	82-04-01	83-03-31	Gupta Chemicals (P) Ltd., B-144, Road No. 9, Vishwakarma, Industrial Area, Jaipur-302013 (Rajasthan)	BHC WDPC— IS : 562—1978	
38. CM/L-10656 39 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	Chemiplast Industries, 55 Industrial Area, Sector I, Barwanoo-173220 Distt. Solan (H.P.)	High density polythylene pipes for potable water supplies Class 5, Size upto 110 mm OD— IS : 4984—1978	

1	2	3	4	5	6
39. CM/L-10557 40 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Jandu Engineering Works, Majestic Road, Moga (Punjab)		Power thresher, spike tooth cylinder type from 3.7 KW (5HP) to 18.5 KW (25HP)— IS : 9020—1979
40. CM/L-10658 41 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Super Fine Engineering Works, Majestic Road, Moga (Punjab)		-do-
41. CM/L-10659 42 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Marshal Industrial Company, G.T. Road, Moga (Punjab)		-do-
42. CM/L-10660 35 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Hindustan Steel Industries, Majestic Rad, Moga-142001 (Pb)		Power thresher, spike tooth cylinder type from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp)— IS : 9020—1979
43. CM/L-10661 36 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	Standard Drum & Barrel Mfg. Co., Govanpada, Corridor Road, Chembur, Bombay-400074		Drums. large fixed ends, Type—'B' IS : 1783—1979
44. CM/L-10662 37 1982-04-15	82-05-01	83-04-30	Minerva Plywood Industries, 43/H/1 Chaupatty Road, Calcutta-700010		Plywood teacheast panels— IS : 10 (Part II)—1976
45. CM/L-10663 38 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	Madura Coats Ltd., Ambasamudram, Pin-627401 (Tamil adu)		Dyed cotton fabric, water proofed— IS : 2422—1979
46. CM/L-10664 39 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	Vishnu Oarbons (India) Jail Road, Gorakhpur-273006 (U.P.)		Carbon papers for type writer, Grade 3— IS : 1551—1976
47. CM/L-10665 40 1982-04-14	82-05-01	83-04-30	-do-		Carbon papers, handwriting, Grade A— IS : 3450—1976
48. CM/L-10666 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Union Forgings, Focal Point, Sherpur, Ludhiana-141010 (Punjab)		Power thresher spike tooth cylinder type, from 2.2 KW (3 hp) to 22.2 KW (30 hp)— IS : 9020—1979
49. CM/L-10667 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Droli Industries, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		Power thresher spike tooth cylinder type from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp),— IS : 9020—1979
50. CM/L-10668 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-16	Droli Agricultural Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		Power thresher, spike tooth cylinder type, from 2.2 KW (3 hp) to 18.5 KW (25 hp)— IS : 9020—1979
51. CM/L-10669 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	New Sat Kartar Agri Industries, Majestic Rad, Near Dutt Rad, Moga-142001 (Pb)		Power thresher, spike tooth cylinder type, from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp)— IS : 9020—1979
52. CM/L-10670 37 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Rustam Agricultural Engg. Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		-do-
53. CM/L-10671 38 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kalsi Agricultural Corpn., Akalsar Road, Moga (Pb)		-do-
54. CM/L-10672 39 1982-04-16	82-04-16	83-04-15	Star Agricultural Corpn., Majestic Rad, Moga-142001 (Pb)		-do-
55. CM/L-10673 40 1982-04-14	82-04-16	83-04-15	Hindustan Agricultural Corpn., Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		-do-
56. CM/L-10674 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Mittal Engg. Works, G.T. Road, Moga-142001 (Pb)		-do-
57. CM/L-10675 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Sohna Agro Industries, Majestic Road, Moga (Punjab)		-do-
58. CM/L-10676 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Azad Industries, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		-do-
59. CM/L-10677 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Jay Pee Traders, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		-do-
60. CM/L-10678 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Bhagat Engg. Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)		-do-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
61. CM/L-10679 46 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Jaisal Agricultural Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp) - IS : 9020—1979	
62. CM/L-10680 39 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Vinko Industries, Village Shalamar, Huderpur Road, Delhi-110033	Rotary oil shaft seals Type 'A'— IS : 5129—1979	
63. CM/L-10681 40 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Khaitan Electricals Ltd., Plot No. 14 Sector-6, Faridabad-121006	Propeller type ac ventilating fans, single phase, 230 volts with class 'E' insulated heaving 300mm, 450 mm & 600 mm sizes— IS : 2312—1967	
64. CM/L-10682 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Deepak Mechanical Works (Regd.) Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp) - IS : 9020—1979	
65. CM/L-10683 42 1982-04-15	82-05-01	83-04-30	Adityapur Rolling Mills, A-9, First Phase, Adityapur, (Jamshedpur) Bihar	Structural Steel (Standard quality) - IS : 226—1975	
66. CM/L-10684 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Punjab Agricultural Machinery Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp) - IS : 9020—1979	
67. CM/L-10685 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Vishvkarma Foundry (Regd.), V & P.O. Apra, Tehsil Philapur, Distt. Jullundhur (Punjab)	Power thresher, syndicator type with chut type feeding system and secondary feed rollers, from 2.2 KW (3 hp) to 5.2 KW (7 hp) — IS : 9020 —1979	
68. CM/L-10686 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Farmer Products of India, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	Power thresher spike tooth cylinder type, from 3.7 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp) — IS : 9020—1979	
69. CM/L-10687 46 1182-04-15	82-04-16	83-04-15	Jai Kisan Jaraty Machinery Works, G.T. Road, Moga-142001 (Punjab)	-do-	
70. CM/L-10688 47 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Modern Foundry Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
71. CM/L-10689 48 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Galib Engineering Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
72. CM/L-10690 41 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Raja Iron Store, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
73. CM/L-10691 42 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Sethi Engineering Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
74. CM/L-10692 43 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Adarsh Mechanical Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
75. CM/L-10693 44 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Janta Agricultural Engg. Corporation, G.T. Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
76. CM/L-10694 45 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kirpa Ram Raja Ram, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
77. CM/L-10695 46 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kalsi Engineering Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
78. CM/L-10696 47 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Raja Agro Industries, G.T. Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
79. CM/L-10697 48 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kalsi Mechanical Works, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
80. CM/L-10698 49 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Fatchgarh Industries, Majestic Road, Moga-142001 (Pb)	-do-	
81. CM/L-10699 50 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Bharat Industrial Corporation, Akalsar Road, Moga 142001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 2.2 KW (3 hp) to 11.1 KW (15 hp) - IS: 9020—1979	
82. CM/L-10700 26 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kalgidhar Engineering Works, Majes tic Road, Moga 142001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 2.2 KW (5 hp) to 18.5 KW (25 hp)— IS : 9020—1979	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
83. CM/L-10701 27 1982-04-15	82-04-16	83-04-15	Kalgidhar Agricultural Works, Majestic Road, Moga 147001 (Pb)	Power thresher, spike tooth cylinder type, from 2.2 KW (3 hp) to 18.5 KW 25 (hp)— IS : 9020—1979	
84. CM/L-10702 28 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Amer Cables 22 Goklawn, Kartarpura, Jaipur (South) 307006	Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part I)—1976	
85. CM/L-10703 29 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Jodhpur Cables & Conductors Pvt Ltd., 17 Light Industrial Area, Jodhpur 342003	—do—	
86. CM/L-10704 30 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Galda Industries, C-51, Special Industrial Estate, Jaipur South 302006, Office : 65 Dhuleshwar Bagh, Samoth House, Jaipur 302001	—do—	
87. CM/L-10705 31 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Marudhara Conductors, F 139/140, Marudhara Indl. Area, Phase II, Bansl, Jodhpur, Office : 341-C Road, Sardarpura, Jodhpur 342003	—do—	
88. CM/L-10706 32 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Super Steels, Plot No. 34, Sector 6, Faridabad, (Haryana)	Mild steel wires for general engineering purposes for an annealed, annealed cleaned and lined, bright drawn, dull grey and galvanized wires— IS : 280—1978	
89. CM/L-10707 33 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	Union Tractor Workshop, 8 B, Phase II, Mayapuri Indl. Area, New Delhi 110064	Power thresher, spike tooth cylinder type, upto 18.5 KW 25(hp)— IS : 9020—1979	
90. CM/L-10708 34 1982-04-19	82-05-01	83-04-30	S R.P. Tools Ltd., 110 Lattice Bridge Road, Madras 600041 Office : 108, III floor, Thambu Chetty Street, Madras 600001	Cylindrical milling cutters— IS : 6309—1971	
91. CM/L-10709 35 1982-04-20	82-04-16	83-04-15	Sarbjit Machine Tools, G.T. Road, Batala	Cast iron manhole covers and frames medium duty rectangular type— IS : 1726 (Part V)—1974	
92. CM/L-10710 28 1982-04-20	82-03-01	83-02-28	Deepee Kagaj Udyog (P) Ltd., Sector III, B 2, Noida, Distt. Ghaziabad (U.P.)	One time carbon paper, type A— IS : 9055—1979	
92. CM/L-10711 29 1982-04-21	82-04-01	83-04-15	Sundra & Sudarshan, 147, Industrial Area, Chandigarh Pin 160002	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978	
94. CM/L-10712 30 1982-04-16	82-05-01	83-04-30	Navalakha Agro Equipments, 38, Shankarsekh Road, Poona-411009 (Maharashtra)	Hand operated compression knapsack sprayer— IS : 1970 (Part I)—1974	
95. CM/L-10713 31 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	Northern Minerals Pvt. Ltd., Daultabad Road, Gurgaon (Haryana)	Malathion DP— IS : 2568—1978	
96. CM/L-10714 32 1982-04-21	82-04-01	83-03-31	Fort Gloster Industries, New Jute Mill, P.O. Fort, Gloster Distt. Howrah (WB) Office : 21 Strand Road, Calcutta-700001 (WB)	Jute tarpaulin fabric 407 g/m ² , 85×39— IS : 7407 (Part II)—1980	
97. CM/L-10715 33 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	Jyoti Oil Co., Goshala Road, P.O. Jharsuguda, Distt. Sambalpur (Orissa)	Paraffin wax, type 3— IS : 4654—1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(6)
98. CM/L-10716 34 1982-04-22	82-04-01	83-03-31	Hindustan Scientific Co., Near Ondha Mahadev Ka Mandir, Ramganj Bazar, Jaipur. Office : Fil Colony, SMS Highway, Jaipur-302003	CBR Mould (with extension collar and base plate)— IS : 9669—1980
99. CM/L-10717 35 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	Navalakha Agro Equipments, 38 Shankar Soth Road, (Maharashtra) Poona-411009	Hand rotary duster, shoulder mounted type— IS : 5135 (Part-II)—1974
100. CM/L-10718 36 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	-do-	Hand operated continuous knapsack spray- er Piston type— IS : 3906 (Part I)—1974
101. CM/L-10719 37 1982-04-22	82-05-01	83-04-30	-do-	Rocker sprayer— IS : 3062—1974
102. CM/L-10720 30 1982-04-21	82-05-01	83-04-30	-do-	Foot sprayer— IS : 3652—1977
103. CM/L-10721 31 1982-04-22	82-05-01	83-04-30	Indo Pipes, G.T. Road, Chhehartar, Amritsar	RCC pipes Class NP Sizes 225, 300, 400 and 450 mm— IS : 458—1971
104. CM/L-10722 32 1982-04-22	82-05-01	83-04-30	Jaipur Metals & Electricals Ltd., Powerhouse Road, Near Railway Station, Jaipur-302006	Aluminium stranded conductors for over- head transmission purposes— IS : 398 (Part-I)—1979
105. CM/L-10723 33 1982-04-22	82-04-16	83-04-15	K.K. & Co., Kasra No. 299, Gokulpur, Shahdara, Delhi-110094	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978
106. CM/L-10724 34 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	Nelco (India) Pvt. Ltd., Baghpat Road, Meerut-250002	Putting shots for men and women— IS : 4386—1967
107. CM/L-10725 35 1982-04-23	82-04-16	83-04-15	Comet Enterprises Pvt. Ltd., 31-B, Industrial Area, Faridabad-121001 (Haryana)	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978
108. CM/L-10726 36 1982-04-23	82-04-16	83-04-15	Haryana Chemicals & Pesticides, T/6 Industrial Area, Bahadurgarh (Haryana)	Malathion WDPC— IS : 2569—1978
109. CM/L-10727 37 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	National Agro Chemicals, C-2, Industrial Area, Patna-800013 (Bihar)	Gamma-BHC (Lindane) EC 70%— IS : 632—1978
110. CM/L-10728 38 1982-04-22	82-04-16	83-04-15	Jainco Industry, E-43, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-110020	Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases— IS : 4246—1978
111. CM/L-10729 39 1982-04-23	82-05-01	83-04-30	Indian a Cosmetics & Chemicals, 5-A, Industrial Estate, Raipur (M.P.)	Paraffin, wax, type-3— IS : 4654—1974
112. CM/L-10730 32 1982-04-23	82-04-01	83-03-31	Pesticides India, P.B. No. 20, Udaisagar Road, Udaipur-313001	Methyl parathion DP 2%— IS : 8960—1978
113. CM/L-10731 33 1982-04-28	82-05-01	83-04-30	Intel Appliances Pvt. Ltd., Plot No. 87/3, Street No. 17, M.I.D.C. Industrial Area, Satpur, Nasik-422007	LPG cylinder water capacity 33.3 litres— IS : 3196—1974
114. CM/L-10732 34 1982-04-28	82-05-16	83-05-15	C.P. Electrical Industries, DSIDC Shed No. 36, Wazir Pur Industrial Complex, Delhi-110052	PVC insulated sheathed and unsheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts excluding cables for outdoor use and low temperature application— IS : 694—1977
115. CM/L-10733 35 1982-04-28	82-05-16	83-05-15	Tony Conductors, P-126/127, Malviya Industrial Area, Jaipur-302004	Aluminum conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part II)—1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
116	CM/L-10734 36 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Tony Conductors F-126 177, Malviya Industrial Area, Jaipur-302004	Aluminium stranded conductors for over- head transmission purposes— IS : 398 (Part I)—1976
117	CM/L-10735 37 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Jharna Veneer Suppliers. 8/3, Gudas Datta Garden Lane, Calcutta-700067	Plywood tea-chest panels— IS : 10 (Part II)—1976
118	CM/L-10736 38 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Pioneer Spring & Steel Concern P Ltd., 3, Jahura Bazar Lane, Calcutta 700042 Office : 4 Government Place (North) Calcutta-700001	Helical compression springs cold coiled springs— IS : 7906 (Part II)—1975
119	CM/L-10737 39 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Mahaveer Conductors. C-22A, Marudhar Industrial Area, Basni, Jodhpur-342005 (Office : Haider Building, Sojati Gate, Jodhpur-342001)	Aluminium conductors galvanized steel reinforced for overhead transmission purposes— IS : 398 (Part II)—1976
120	CM/L-10738 40 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Tubs & Bars, 27, Industrial Area, Opp. Diesel Loco Steel, Bhakat Ki Kothi, Jodhpur-342003	Aluminium stranded conductors for over- head transmission purposes— IS : 398 (Part I)—1976
121	CM/L-10739 41 1982-04-29	82-05-01	83-04-30	Nu-Lite Industries. S-9, Ajay Enclave Market, New Delhi-110018	Door handles type 4 (aluminium only)— IS : 208—1979
122	CM/L-10740 34 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Harison Engineering Corporation, N.K. Charanjitpura, Behind Jain Cloth Market, Bazai Nauharian, Jullundur City	G.M. gate valve class I, Size upto 25 mm— IS : 778—1971
123	CM/L-10741 35 1982-04-30	82-04-01	83-03-31	Chemisynth, Canal South Road, Pagaladanga, Calcutta-700010 (24 Parganas) (Office : 1B, Old Post Office Street, Calcutta-700001)	Foam compound for producing mechanical foam for fire fighting— IS : 4989—1974
124	CM/L-10742 36 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	United Bags Ltd., 1/4C Khagendra Chattopji Road, Calcutta 700002 (West Bengal) Office : 10 Clive Row, Calcutta 700001 (West Bengal)	Laminated jute bags for packing fertilizers manufactured from 380 g/m ² 68×39 tarpaulin fabric— IS : 7406 (Part II)—1980
125	CM/L-10743 37 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	Tea Agency & Trading Centre, Bhangabazar, Distt. Cachar Office : 4 Synagogue Street, Calcutta-700001	Plywood tea-chest batten — IS : 10 (Part III)—1974
126	CM/L-10744 38 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	Bimal Engineering Works, 1044, Industrial Area, Jullundur City	Sockets M2 upto size designation 2— IS : 1879 (Part VI)—1975
127	CM/L-10745 39 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	Suprachem, Revelle Village, Gajwal Taluk, Modak Distt. (AF)	Synthetic detergent tablets for laundry use, grades 1 & 2— IS : 8180-1976
128	CM/L-10746 40 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	Sekhar Soap Works, 1-1-534 Gandhinagar, Bekaram, Hyderabad-500038 (Andhra Pradesh)	-do-
129	CM/L-10747 41 1982-04-29	82-05-16	83-05-15	Wavin India Ltd., G-2, MIDC Industrial Area, Nagpur-440016	90° Elbows— IS : 7834 (Part II)—1975

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)																		
130. CM/L-10748 42 1982-04-30	82-05-16	83-05-15	Rockwell Electrodes (I) Ltd., 29, Industrial Estate Ambattur, Madras-600058	Covered electrodes for metal arc welding of structural steel for welded sheets only																			
					<table><tr><th>Brand</th><th>Code</th><th>Size</th></tr><tr><th>1</th><th>2</th><th>3</th></tr><tr><td>(i) DYNAC India</td><td>E-317</td><td rowspan="4">3.15 mm and below</td></tr><tr><td>(ii) FACILAND India</td><td>E-307</td></tr><tr><td>(iii) SILVAC India</td><td>E-317</td></tr><tr><td>(iv) V-117 India</td><td>E-317</td></tr><tr><td colspan="3">IS : 814 (Part II)—1974</td></tr></table>	Brand	Code	Size	1	2	3	(i) DYNAC India	E-317	3.15 mm and below	(ii) FACILAND India	E-307	(iii) SILVAC India	E-317	(iv) V-117 India	E-317	IS : 814 (Part II)—1974		
Brand	Code	Size																					
1	2	3																					
(i) DYNAC India	E-317	3.15 mm and below																					
(ii) FACILAND India	E-307																						
(iii) SILVAC India	E-317																						
(iv) V-117 India	E-317																						
IS : 814 (Part II)—1974																							

[No. CMD/13 : 11]

का०आ० 16.36.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिये गये भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संशोधित मानक की पद संख्या और शीर्षक संख्या	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी उग की संख्या और शीर्षक	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5
1 IS : 398 (भाग 2)—1976 शिरोपरि प्रेषण प्रयोजनों के लिए एलुमिनियम धातुओं की विशिष्टि	ए. आ. 3823 दिनांक 1979-11-24	*संख्या 1 जनवरी 1983	1. खंड 12 3 की जगह एक नया खंड दिया गया है।	1982-01-31
*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के उद्देश्यों के लिए यह संशोधन 1982-06-01 से लागू होगा।				
भाग 2 जस्तीकृत इस्पात प्रबलित एलुमिनियम चालक (दूसरा पुनरीक्षण)			2. खंड 12 3 2 की विद्यमान टिप्पणी की जगह एक नयी टिप्पणी दी गयी है।	
			3. परिशिष्ट बी में अनौपचारिक भाषणी को संशोधित किया गया है।	
			1. पृष्ठ 15 पर "*" चिन्ह की गार टिप्पणी को काटे।	
2. IS : 498—1970 बैकुम पेंट घनी (सफेद रंग की) का ग्रेड निर्धारण	ए. आ. 3544 दिनांक 1971-09-25	संख्या 1 जन. 1982	खंड 6. 1. 2 की जगह एक नया खंड दिया गया है।	1982-01-31
3. IS : 659—1964 बालानुकूलन के लिए सुरक्षा संहिता (पुनरीक्षण)	एस. ओ. 735 दिनांक 1965-03-06	संख्या 1 अक्टू. 1981	भाषणी 1 संशोधित की गई है।	1981-01-31
4 IS : 722 (भाग 1)—1977 बिजली के मीटरों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण (दूसरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 3171 दिनांक 1980-11-15	*संख्या 1 जून 1980	1. खंड 2. 28 और 5. 7. 1. 4 संशोधित किए गए हैं। 2. (पृष्ठ 15, खंड 7)—विद्यमान खंड की जगह निम्नलिखित पढ़ें : "7 चिन्ह" 3. पृष्ठ 15 पर खंड 7. 1 को काटें और अनुबर्ती खंडों की तदनुसार पुनः संख्या डालें। 4. खंड 7. 3. 2 (जिसे पुनः 7. 2. 2 संख्या दी गई है) के पश्चात खंड 8 और 8. 1 जोड़े गए हैं, और अनुबर्ती खंडों को तदनुसार पुनः संख्या दी गई है। 5. खंड 9 11 (जिसे पुनः 10. 11 संख्या दी गई है) के पश्चात एक नई टिप्पणी दी गई है।	1980-06-30

* भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के उद्देश्यों के लिए ये संशोधन 1982-10-01 से लागू होंगे।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			*संख्या 2 मिन० 1981	1 सारणी 3 की जगह एक नई सारणी दी गई है। 2 खण्ड 5 5 1 और 5 5 2, 9 1 2 और बी 3 1 संशोधित किये गये हैं। 3 पृष्ठ 2, पर सारणी 10 में क्रम संख्या 7 को बाट दे। खंड 4 1 और 9 8 संशोधित किये गए हैं।	1981-09-30 1980-06-30
5 IS 722 (भाग 2)—1977 बिजली के ए० सी० मीटर की विशिष्टि भाग 2 एक फेजी पूर्णधारा बाट घटा मीटर श्रेणी 2 (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 3171 दिनांक 1980-11-15	सं० 1 जून 1980			
6 IS 797—1976 रासायनिक उद्योगों के लिए सामान्य लक्षण की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 3823 दिनांक 1979-11-24	संख्या 1 दिसं० 1981		1 खंड बी-4 1 संशोधित किया गया है। 2 खंड 4 1 के पश्चात नई सामग्री जोड़ी गई है।	1981-12-31
7 IS 834—1975 हाजरी के लिए भूखण्ड के सूती धागे की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1892 दिनांक 1977-06-11	संख्या 3 अप्रैल 1981		1 खंड 3 2 संशोधित किया गया है। 2 पृष्ठ 4 पर *'' चिन्ह वाली पाठ टिप्पणी के स्थान पर दूसरी पाठ टिप्पणी दी गई है।	1981-04-30
8 IS 966—1975 जल शाश्वत मार्गिक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1092 दिनांक 1977-04-09	संख्या 1 अगस्त 1981		1 खंड 3 3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 1 खंड 4 3 (बी) संशोधित किया गया है।	1981-08-31
9 IS 1010—1968 सूजी/रखा (समलीन) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2766 दिनांक 1968-08-10	संख्या 1 जन० 1981		खंड बी 1 1 संशोधित किया गया है।	1981-01-31
10 IS 1285—1975 पिटला एलुमिनियम और एलुमिनियम मिश्रधातु से बनी बहुमध्यित गोल नलिका/छोखले सेवणन (सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1596 दिनांक 1979-05-19	संख्या 1 जन० 1982		सारणी 1 संशोधित की गई है।	1982-01-31
11 IS 1441—1966 टेलीग्राफ और दूरभाष लाईना के लिए विद्युत प्रतिरोधक स्टॉक की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 169 दिनांक	संख्या 3 जन० 1982		परिशिष्ट 'ए' के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है।	1982-01-31
12 IS 1542—1977 पलस्तर के लिये बालू की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 415 दिनांक 1980-02-23	संख्या 1 जन० 1982		सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1982-01-31
13 IS 1561—1962 इस्पात कार्यालयों में प्रयोग के लिये सैट स्क्वेयर की विशिष्टि	एस०ओ० 553 दिनांक 1963-03-02	संख्या 1 अप्रैल 1981		खंड 7 1 के स्थान पर एक नया खंड दिया गया है।	1981-04-30
14 IS 1596—1977 1100 वाट तक की कार्यकारी वास्तुता के लिये पॉलिथेन/प्लास्टिक रोधित केबलों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1728 दिनांक 1981-06-13	*संख्या 1 जून 1980		(1) पृष्ठ 3 पर क्रम संख्या 11 और 12 की समाप्ति संशोधित की गई है। (2) खंड 0 3 और 0 4 जोड़े गये हैं और विद्यमान खंड 0 3 को 0 5 कर दिया गया है। (3) खंड 1 1 1 2, 11 1, 11 3 (बी) 12 1 और बी-2 3 संशोधित किये गये हैं। (4) खंड 1 1 और 8 1 के नीचे टिप्पणियों के स्थान पर नई टिप्पणियां दी गई हैं। (5) खंड 2 4 11 11 4 12, 12 2, ए-1, ए-2 से ए-3 1 तक और बी-1 1 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं। (6) पृष्ठ 8 पर खंड 11 1 के सदा (जी) और (एम) काट द और अनुवर्ती सदा की संख्या तदनुसार पुन बदल दे। (7) पृष्ठ 14 पर खंड बी-1 1 के नीचे टिप्पणी को बाट दे। (8) खंड 13 2 और 14 2 (पी) के पश्चात् नयी सामग्री जोड़ी गई है।	1980-06-30

1	2	3	4	5	6
15	IS : 1830—1971 प्रेरण कर्तव्य की तकनीकी पूर्ति शर्तें (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 889 दिनांक 1974-04-06	संख्या 2 जन 1982	खण्ड 4 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	
16	IS : 1875—1978 गहरी वस्तुओं के लिये कार्बन इस्पात विनैट ब्लूम, स्लैब और मरियो की विनिर्दिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2064 दिनांक 1981-08-01	*संख्या 2 अप्रैल 1980	खण्ड 11 4 संशोधित किया गया है।	1980-10-31
17	IS : 1875—1978 गहरी वस्तुओं के लिये कार्बन इस्पात विनैट, ब्लूम स्लैब और मरियो की विनिर्दिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2064 दिनांक 1981-08-01	*संख्या 3 मार्च 1981	इस मानक को अपनाने में निर्माताओं और उपभोक्ताओं द्वारा बनाई गई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए अपेक्षाओं में कुछ परि- वर्तन करने के लिये प्रश्न संशोधन तैयार किया गया है।	1981-03-31
18	IS : 2171—1976 शुष्क पाउडर टाइन सुशोध्य अग्नि-शामकों की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 95 दिनांक 1980-01-12	संख्या 3 जन 1982	(1) खंड 7 5 1 और 11 1 संशोधित किये गये हैं। (2) खंड 11 3 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। (3) पृष्ठ 10 पर "11" और "*" चिन्ह बायीं पाद-टिप्पणियों के स्थान पर नयी पाद-टिप्पणियाँ की गई हैं। (4) पृष्ठ 11 पर "*" चिन्ह बायीं पाद-टिप्पणी काटे।	1982-01-31
19	IS : 2334—1975 ग्राई एंड ओ सीट्रिक पेंच की जड़ियों की मापन रीति (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2240 दिनांक 1978-08-05	संख्या 1 जन 1982	खंड 7. 2. 3 2 संशोधित किया गया है।	1982-01-31
20	IS : 2621—1976 कमीड शूट की वृष्ण की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 97 दिनांक 1980-01-12	संख्या 3 अप्रैल 1981	(1) खंड 2.1.1 और 3 4 3 संशोधित किये गये हैं। (2) खंड 6.3 के परवान् खंड 7 और 7 1 जोड़े गये हैं। (3) पृष्ठ 7 के अन्त में एक नई पाद-टिप्पणी दी गई है।	1981-04-30
21	IS : 2764—1980 उर्वरक ग्रेड के पोटा-शियम सल्फेट की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 जन 1982	(पृष्ठ 5, खंड 4 1, टिप्पणी)—खंड 4 1 के नीचे दी गई भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह अधिनियम सम्बन्धी टिप्पणी खंड 3 2 1 के नीचे पढ़ी जाये।	1982-01-31
22	IS : 2992—1980 विद्युत् प्रतिरोधन परीक्षकों (सैगनेटों जनित्र टाइन) की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 दिसम्बर 1981	(1) सारणी 1 संशोधित की गई है। (2) खंड 11.2 (सी) और 11 3 (सी) की सामग्री की जगह नई सामग्री दी गई है।	1981-12-31
23	IS : 3019—1973 इस्पात टकर बैल्ड किये एक प्लाईट वाले उच्च गति के खराबन और जारों की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 2557 दिनांक 1975-08-09	संख्या 3 जन 1982	(1) पृष्ठ 1 पर शीर्षक की जगह नया शीर्षक दिया गया है। (2) खंड 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1982-01-31
24	IS : 3052—1974 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिये पिटवा तांबा और तांबा मिश्र-धातु की लहरों पत्ती और पणिका के माप (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 928 दिनांक 1976-03-06	संख्या 1 जन 1982	(1) खंड 3; 3.1, 3 2, 3.3, 3 4 और 3 5 के स्थान पर नये खंड दिये गये हैं। (2) खंड 4 5 के परवान् खंड 4 6 जोड़ा गया है।	1982-01-31
25	IS : 3370—(भाग 1) 1965 तरल पदार्थों के क्षणकारण के लिये कंक्रीट संरचनाओं की रीति संज्ञा भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	एस०ओ० 1081 दिनांक 1966-04-09	संख्या 1 दिस 1981	(1) खंड 0.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) खंड 3.1 और 3.3 संशोधित किये गये हैं।	1981-12-31
26	IS : 3384—1975 गीला किये जाने योग्य गंधक पाउडर की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 3494 दिनांक 1976-10-02	संख्या 1 दिस 1981	सारणी 1 संशोधित की गई है।	1981-12-31
27	IS : 3906 (भाग 1)—1974 हस्त-आविन मगन नैपमैक फुहारे की विनिर्दिष्ट भाग 1 पिस्टन टाइप (दूसरा पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1597 दिनांक 1976-05-08	*संख्या 6 दिस 1981	(1) संख्या 5.5, 8.1 (बी) और परिशिष्ट (बी) संशोधित किये गये हैं। (2) खंड 5.7 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1981-12-31

*भारतीय मानक संस्था प्रमाणन चिन्ह योजना के उद्देश्यों के लिये ये संशोधन 1982-08-01 को लागू होंगे।

1	2	3	4	5	6
				(3) खंड 5 9, बी-5 और बा-5 1 गंवाधित किये गये हैं और अनुवर्ती खंडों की तदनुसार पुनः संख्या दी गई है।	
20	IS 1173—1975 1-मैथिलमसिनोफिलोस-एस०ओ० 313 गलिया 1 गैर-रेडि विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	दिनांक 1979-01-27 जन० 1982		गारणी 1 संशोधित की गई है।	1982-01-31
21	IS 5099—1969 ग्रेडिड बरमों के लिये तारों की पूर्ति शर्तें	एस०ओ० 3542 दिनांक 1971-09-25 जन० 1982	संख्या 6	(1) खंड 4 क स्थान पर नया खंड दिया गया है। (2) खंड 9 1 और 9 2 संशोधित किये गये हैं। 5 (3) पृष्ठ 7 पर खंड 9 1 की औपचारिक सारणी में "कार्बन इस्पात" शीर्षाधीन दूसरा स्तम्भ) — स्तम्भ तीर्थ सहित मानों का काट दे। (4) (पृष्ठ 7 खंड 9 1, ग्राफ) — "कार्बन इस्पात" से सम्बंधित वन लाइन काट दे। (5) खंड 9 3 के पञ्चात् नयी टिप्पणी 3 जोड़ी गई है।	1982-01-31
30	IS 5290—1977 तैय्य वास्व (आन्तरिक नल) की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 9116 दिनांक 1980-08-09 जन० 1981	संख्या 2	(1) प्रथम आवरण पृष्ठ पृष्ठ 1 और 3 पर दिये शीर्षक की जगह नया शीर्षक दिया गया है। (2) चित्र 3 क नीचे टिप्पणी की जगह नई टिप्पणी दी गई है। (3) खंड 3 2 और 4 2 संशोधित किए गये हैं। (4) पृष्ठ 4 पर "H" चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी के पञ्चात् 'H' चिन्ह वाली एक नयी पाद-टिप्पणी जोड़ी गई है।	1981-10-31
31	IS 5143—1969 रीमों की तकनीकी प्रति शर्तें	एस०ओ० 1277 दिनांक 1972-05-27 जन० 1982	संख्या 5	खंड 4 की जगह नया खंड दिया गया है।	1982-01-31
32	IS 5190 (भाग 2)—1977 सुवासा शक्ति-शक्ति और रासायनिक अग्नि-शक्ति के लिये रक्त पुराणों की विनिर्दिष्ट भाग 2 फोम टाइप सुवासा शासकों के लिये (पहला पुनरीक्षण)	—	संख्या 1 वि० 1981	(1) खंड 2 2 की जगह नया खंड दिया गया है। (2) खंड 4 1 और 5 1 (डी) संशोधित किये गए हैं।	1981-12-31
33	IS 6073—1971 आटोमोबाइल प्रबलित क्रोशिकाल कटी फर्श और छत स्तर की विनिर्दिष्ट	एस०ओ० 398 दिनांक 1972-02-05 जन० 1981	संख्या 1	(1) खंड 7 1 की जगह नया खंड दिया गया है। (2) पृष्ठ 10 पर "*" चिन्ह की पाद-टिप्पणी काटे।	1981-03-30
34	IS 7025—1973 और विनिर्दिष्ट परीक्षण की मार्गदर्शिका	एस०ओ० 2939 दिनांक 1975-09-06 जन० 1982	संख्या 2	यह संशोधन मुख्य रूप से इस मानक को भारतीय मानक IS 9001 'पर्यावरणीय परीक्षण की मार्गदर्शिका' के समरूप बनाने के उद्देश्य से किया गया है।	1982-01-31
35	IS 7154—1971 प्रथम वर्ग के योग्य आर्गनेस्टो और दोषायमान फटेस्टो वाली पत्रियेदार मडवा कमियों की विनिर्दिष्ट	एस०ओ० 2858 दिनांक 1976-08-07 जन० 1982	*संख्या 2	गारणी 1 और खंड 4 1 गंवाधित किये गये हैं।	1982-01-31
36	IS 7515—1974 हस्तचालित फुहारों के लिये ग्रेडिड युक्तियों की विनिर्दिष्ट	एस०ओ० 1892 दिनांक 1977-06-11 जन० 1982	संख्या 1	(1) खंड 5 2 और बा-3 3 की जगह नये खंड किये गये हैं। (2) खंड 6 6 संशोधित किया गया है। (3) पृष्ठ 7 पर 'H' चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी की जगह नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1982-01-31
37	IS 8269—1976 राजजाशियम इन्फेक्शन की विनिर्दिष्ट	एस०ओ० 98 दिनांक 1980-01-12 जन० 1981	संख्या 1	(1) खंड 0 3 3 2 और 1 1 की जगह नये खंड दिये गए हैं। (2) खंड 3 7 संशोधित किया गया है।	1982-01-31

1	2	3	4	5	6
38	IS 8307—1976 कार्बाइड नोक वाले मसाला शेक के ऐडिज बरमो की विशिष्टि	एस०ओ० 417 दिनांक 1980-02-23	संख्या 1 जन० 1962	खंड 2 के नीचे चित्र की जगह तथा चित्र दिया गया है।	1982-01-31
39	IS : 8463 (भाग 1)—1977 कृषि ट्रैक्टर ट्रैक्टर के नये धुरीसंयोजन की विशिष्टि भाग 15 टन की भार शक्ति क्षमता वाले	एस०ओ० 783 दिनांक 1980-03-29	संख्या 2 जन० 1982	(1) खंड 1.1 (ए) और मार्ग 1 संशोधित की गई है। (2) पृष्ठ 5 पर “*” चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी की जगह नयी पाद-टिप्पणी दी गई है।	1982-01-31
40	IS : 8556—1977 बत की विशिष्टि	एस०ओ० 1995 दिनांक 1980-07-26	संख्या 1 विस० 1981	(1) खंड 3.1 (एम), 3.2 (बी) और 3.3 (सी) संशोधित किये गये हैं। (2) खंड 3.1 (एम) और 3.3 (ई) के पश्चात् नई सामग्री जोड़ी गई है।	1981-12-31
41	IS : 9107—1979 ग्राटोकापी मेटर की विशिष्टि	—	संख्या 1 जन० 1982	खंड 2.1.6 की जगह तथा खंड दिया गया है।	1982-01-31
42	IS : 9575—1988 पेर नियंत्रित मिलिशर (चर्वी) टार्प के पावर लास घाम-कर्तक की विशिष्टि	—	संख्या 1 जन० 1982	खंड 8.3 संशोधित किया गया है।	1982-01-31

इन संशोधना की प्रतिया भारतीय मानक मस्था, मानक भवन, महादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 तथा अहमदाबाद, बम्बई, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, गोवा, पटना, और त्रिवेंद्रम स्थित इसके शाखा कार्यालयों में उपलब्ध है।

[सं० सी एस डी/13:5]

ए० एस० जीमा, अपर महानिदेशक

S.O. 1636 :—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed/ have been issued under the powers conferred by the sub regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the amendment	Brief Particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	IS : 398 (Part II) 1976 - Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes : Part II Aluminium conductors galvanized steel reinforced. (second revision)	S.O. 3823 dated 1979-11-24	*No. 1 Jan., 1982	(i) Clause 12.3 has been substituted by a new one. (ii) Existing note of clause 12.3.2 has been substituted by a new one. (iii) Informal table of Appendix B has been amended. (iv) (Page 15, foot note with mark.) —Delete.	1982-01-31
2.	IS : 498—1970 —Grading for vacuum pan sugar (plantation white) (Third Revision)	S.O. 3544 dated 1971-09-25	No. 1 Jan., 1982	Clause 6 1.2 has been substituted by a new one.	1982-01-31
3.	IS : 659—1964—Safety code for air conditioning (revised)	S.O. 735 dated 1965-03-06	No. Oct., 1981	Table 1 has been amended	1981-10-31
4.	IS : 722 (Part I) 1977 —Specification for electricity meters : Part I General requirements and tests (Second Revision)	S.O. 3171 dated 1980-11-15	*No. 1 June 1980	(i) Clauses 2.28 and 5.7.1.4 have been amended (ii) (Page 15, clause 7)—Substitute the following for the existing clause : '7. Marking' (iii) (Page 15, clause 7.1)—Delete and renumber subsequent clauses accordingly (iv) Clauses 8 and 8.1 have been added after clause 7.3.2 (renumbered as 7.2.2) and the subsequent clauses are renumbered accordingly	1980-06-30

*For purposes of ISI Certification Marks Schemes this amendment shall come into force with effect from 1982-06-01,

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				(v) A new note has been added after clause 9.11 (renumbered as 10.11)	
			*No. 2 Sep., 1981	(i) Table 3 has been substituted by a new one (ii) Clauses 5.5.1 and 5.5.2, 9.1.2 and D 3.1 have been amended (iii) (Page 21, Table 10, Sl. No. 7)—Delete	1981-09-30
5. IS : 722 (Part II) 1977—Specification for AC electricity meter, Part II Single phase whole current watt-hour meters, class — (first revision)	S.O. 3171 dated 1980-11-15	"No. 1 June, 1980		Clauses 4.1 and 9.8 have been amended.	1980-06-30
6. IS : 797-1976—Specification for common salt for chemical industries (second revision)	S.O. 3823 dated 1979-11-24	No. 1 Dec., 1981		(i) Clause B 4.1 has been amended (ii) New matter has been added after clause 4.1	1981-12-31
7. IS : 834-1975—Specification for cotton yarn-grey, for hosiery (second revision)	S.O. 1892 dated 1977-06-11	No. 3 Apr., 1981		(i) Clause 3.2 has been amended (ii) Foot note with 'f' mark (page 4) has been substituted by a new one	1981-04-30
8. IS 966-1975—Specification for desiccated coconut (first revision)	S.O. 1092 dated 1977-04-09	No. 1 Aug., 1981		(i) Clause 3.3 has been substituted by a new one (ii) Clause 4.3(d) has been amended	1981-08-31
9. IS : 1010 1968—Specification for SUJI or RAVA (Semolina) (first revision)	S.O. 2766 dated 1968-08-10	No. 1 Jan., 1981		Clause B 1.1 has been amended	1981-01-31
10. IS : 1285-1975—Specification for wrought aluminium and aluminium alloy, extruded round tube hollow sections (for general engineering purposes) (second revision)	S.O. 1596 dated 1979-05-19	No. 1 Jan., 1982		Table 1 has been amended	1982-01-31
11. IS : 1441-1966—Specification for insulator stalks for telegraph and telephone lines (first revision)	S.O. 469 dated 1967-02-11	No. 3 Jan., 1982		Appendix A, has been substituted by a new one	1982-01-31
12. IS : 1542-1977—Specification for sand for plaster (first revision)	S.O. 415 dated 1980-02-23	No. 1 Jan., 1982		Table 1 has been substituted by a new one	1982-01-31
13. IS : 1561-1962—Specification for set squares for use of drawing offices	S.O. 553 dated 1963-03-02	No. 1 Apr., 1982		Clause 7.1 has been substituted by a new one	1981-04-30
14. IS : 1596—1977—Specification for polyethylene insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts (second revision)	S.O. 1728 dated 1981-06-13	*No. 1 June 1980		(i) Contents at page 3 under Sl. No. 11 and 12 have been amended (ii) Clauses 0.3 and 0.4 have been added and existing clause 0.3 has been renumbered as 0.5 (iii) Clauses 1.1, 1.2, 11.1, 11.3(b) 12.1 and B 2.3 have been amended (iv) Notes under clauses 1.1 and 8.1 have been substituted by new ones (v) Clauses 2.4, 11. 11.4, 12, 12.2, A-1, A-2, to A-3.1 and B-1.1 have been substituted by new ones (vi) Page 8, clause 11.1, items (g) and (m)]—Delete and renumber subsequent items accordingly. (vii) (Page 14, Note under clause B 1.1) —Delete (viii) New matter have been added after clauses 13.2 and 14.2(P)	1980-06-30
15. IS : 1830—1971—Technical supply conditions for milling cutters (first revision)	S.O. 889 dated 1974-04-06	No. 2 Jan., 1982		Clause 4 has been substituted by a new one	1982-01-31
16. IS : 1875—1978 Specification for carbon steel billets/blooms, slabs and bars for forgings (fourth revision).	S.O. 2064 dated 1981-08-01	*No. 2 Oct 1980		Clause 11.4 has been amended.	1980-10-31

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme this amendment shall come into force with effect from 1982-10-01

SCHEDULE

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
17. IS : 1875—1978 Specification for carbon steel billets, blooms, slabs and bars for forgings (fourth revision).	S.O. 2064 dated 1981-08-01	*No. 3 Mar., 1981	This amendment has been prepared to make certain modifications in the requirements in the light of difficulties pointed out by manufacturers and users in implementing this standard.	1981-03-31	
18. IS : 2171—1976 Specification for portable fire extinguishers, dry powder type (second revision).	S.O. 98 dated 1980-01-12	No. 3 Jan., 1982	(i) Clause 7.5.1 and 11.1 have been amended., (ii) Clause 11.3 has been substituted by a new one (iii) Foot-notes with '/' and '**' marks (page 10) have been substituted by new ones. (iv) (Page 11, foot-note with '*' mark) —Delete.	1982-01-31	
19. IS : 2334—1975 Gauging for practice for ISO metric screw threads (first revision).	S.O. 2240 dated 1978-08-05	No. 3 Jan., 1982	Caluse 7.2.3.2 his been amended	1982-01-31	
20. IS : 2621-1976—Specifications for Brush, comode chutes	S.O. 97 dated , 1980-01-12	No. 1 Apr., 1981	(i) Clauses 2 1.1 anJ 3.4.3 have been amended (ii) Clauses 7 and 7 1 have been added clause 6.3 (iii) A new foot-note has been added at the end of page 7.	1981-04-30	
21. IS : 2764-1980.—Specification for potas-sium sulphate, fertihzor grade (first revision).	—	No. 1 Jan., 1982	(Page 5 clause 4.1, Note)—Note regarding ISI Certification Marks Act given under 4.1 ,should instead be read under 3.2.1.	1982-01-31	
22. IS : 2992—1980—Specification for insula-tion resistance testers (Magneto generator type), (first revision).	—	No. 1 Dec., 1981	(i) Table 1 has been amended, (ii) Existing matter of clauses 11.2(c) and 11.3(c) hve been substituted by new ones.	1981-12-31	
23. IS : 3019-1973—Specifcation for high speed steel butt-welded single point turning tools (first revision).	S.O. 2557 dated 1975-08-09	No. 3 Jan., 1982	(i) Title at page 1 has been substituted by a new one, (ii) Clause 1 has been substituted by a new one.	1982-01-31	
24. IS : 3052-1974- Dimensions for wrought copper and copper alloys, sheet, strip and foil (for general engineering purposes) (first revision).	S.O. 988 dated 1976-03-06	No. 1 Jan., 1982	(i) Clauses 3.3.1, 3.2.3, 3.3, 3.4 and 3.5 have been substituted by new ones. (ii) Clause 4.6 has been added after clause 4.5	1982-01-31	
25. IS : 3370(Part-I)-1965—Code of practice for concrete structures for the storage of liquids Part I General requirements	S.O. 1081 dated 1966-04-09	No. 1 Dec., 1981	(i) Clause 0.3 his been substituted by a new one. (ii) Clause 3.1 and 3.3 have been amended.	1981-12-31	
26. IS : 3383-1975—Specification for wettable sulphur powder (first revision).	S.O. 3494 dated 1976-10-02	No. 1 Dec., 1981	Table 1 has been amended.	1981-12-31	
27. IS : 3906(Part-I-1974)—Specification for hand-operated continuous knapsack sprayer Part I Piston type (second revision).	S.O. 1597 dated 1976-05-08	*No. 6 Dec., 1981	(i) Clauses 5.6, 8.1(b) and Appendix B have been amended; (ii) Clause 5.7.1 has been substituted by a new one, (iii) Clauses 5.9, B-5 and B5.1 have been amended and subsequent clauses are renumbered accordingly.	1981-12-31	
28. IS : 4173-1975—Specification for 4-Methylaminophenol sulphate (first revision).	S.O. 313 dated 1979-01-27	No. 1 Jan., 1982	Table 1 has been amended.	1982-01-31	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1982-08-01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
29 IS 5099-1969—Technical supply conditions for twistdrills	S O 3542 dated 1971-09-25	No 6 Jan 1982	(i) Clause 4 has been substituted by a new one (ii) Clauses 9 1 and 9.2 has been amended, (iii) (Page 7, clause 9 3, informal table, second column, under 'Carbon Steel') --Delete the values along with the column heading (iv) (Page 7, clause 9 4 graph)—Delete the curve relating to CARBON STEEL (v) A new Note 3 has been added after clause 9 3	1982-01-31	
30 IS 5290-1977—Specification for landing valves (internal hydrant) (first revision)	S O 2116 dated 1980-08-09	No 2 Oct, 1981	(i) Title at first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one (ii) Note under Fig 3 has been substituted by a new one, (iii) Clauses 3 2 and 4 2 have been amended, (iv) A new foot-note with '†' mark has been added at page 34 after foot-note with '—/' mark	1981-10-31	
31 IS 5443-1969—Technical supply conditions for reamers	S O 1277 dated 1972-05-27	No 5 Jan, 1982	Clause 4 has been substituted by a new one	1982-01-31	
32 IS 5490-(Part-II)—1977 Specification for refills for portable fire extinguishers and chemical fire engines Part-II For foam type portable extinguishers (first revision)	—	No 1 Dec, 1981	(i) Clause 2 2 has been substituted by a new one (ii) Clauses 4 1 and 5 1(d) have been amended	1981-12-31	
33 IS 6073-1971—Specification for auto-claved reinforced cellular concrete floor and roof slabs	S O 398 dated 1972-02-05	No 1 Apr, 1981	(i) Clause 7 1 has been substituted by a new one, (ii) (Page 10, foot-note with '**' mark) —Delete	1981-04-30	
34 IS 7025-1973—Guidance on solar radiation testing	S O 2939 dated 1975 09-06	No 2 Jan, 1982	This amendment is being issued mainly to line on this standard with the IS 9001 'Guidance for environmental testing' series	1982-01-31	
35 IS 7454-1974—Specification for wheel chairs, foldings, with removable arm-rests and swinging footrests	S O 2858 dated 1976-08 07	*No 2 Jan, 1982	Table 1 and clause 4 1 have amended	1982 01-31	
36 IS 7515-1974—Specification for Cut-off device for manually operated sprayer	S O 1892 dated 1977-06-11	No 4 Jan, 1982	(i) Clauses 5 2 and B-3 3 have been substituted by new ones, (ii) Clause 6 6 has been amended (iii) Foot-Note with '†' mark at page 7 has been substituted by a new one	1982 01-31	
37 IS 8268-1976—Specification for RHL-ZOBIMUM inoculants	S O 98 dated 1980-01-12	No 1 Jan, 1982	(i) Clause 0 3 3 2 and 4 1 have been substituted by new ones (ii) Clause 3 7 has been amended	1982-01-31	
38 IS 8307-1976 —Specification for carbide tipped, twist drills, parallel shank	S O 417 dated 1980-02-23	No Jan, 1982	Fig under Clause 2 has been substituted by a new one	1982-01-31	
39 IS 8463(Part -I)-1977 —Specification for axle assembly for agricultural tractor-trailer Part I Load carrying capacity up to 5 tonnes	S O 783 dated 1980-03-29	No 2 Jan, 1982	(i) Clause 4 1 (a) and Table 1 have been amended, (ii) Foot-note with * mark at page 5 has been substituted by a new one	1982-01-31	

1	2	3	4	5	6
40. IS : 8556-1977—Specification for Bun.	S.O. 1995 dated 1980-07-26	No. 1 Dec., 1981	(i) Clause 3.1(m), 3.2 (b) and 3.3 (b) have been amended (ii) New matter have been added after clauses 3.1(s) and 3.3(e)	1981-12-3 /	
41. IS : 9107-1979—Specification for Auto-collimator.	—	No. 1 Jan., 1982	Clause 2.1 6 has been substituted by a new one.	1982-01-31	
42. IS : 9575-1980—Specification for power lawn mover, pedestrain-controlled cylinder (reel) type.	—	No. 1 Jan., 1982.	Clause 8.3 has been amended.	1982-01-31	

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhawan 7 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Branch Offices at Ahmedabad, Bombay, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Mohali Patna and Trivendrum.

[No. CMD/13 : 5]

A.S. CHEEMA, Addl. Director General

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1985

का. आ 1637--यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रत. होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस का सप्लाई के लिये नामरूप जिला डिब्रुगढ़ आसाम में हिन्दुस्तान उर्वरक निगम के नामवर III (एकमैलान योजना के लिए ओ. एन. ज. सि. एस. न. एक (सा टो एफ) लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक पाईप लाईन आसाम गैस कम्पन लिमिटेड दुनियाजाना द्वारा बिछाई जाना चाहिए, और प्रत. होता है कि गैस लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्राबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 का उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारों उपायुक्त शिवामागर आसाम को इस अधिसूचना के तारोख से 21 दिनों के अन्तर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

ओ. एन. ज. सि. एस. न. एक लाकुवा से हिन्दुस्तान उर्वरक निगम नामरूप तक गैस पाइप लाइन बिछाना

राज्य—आसाम		जिला—शिवामागर		तालुका—अक्षयपुर		
क्रम संख्या	गांव	पाटा नं.	भाग नं.	एरिया		मन्तव्य
				बी.	क.	ल.
1	2	3	3	5	6	
1 गंगाराजान भाय बर्गीचा	2	न. मियादी	296	—	3	2
	2	" "	297	—	2	0
	2	" "	299	—	2	19
	2	" "	300	—	3	6
	12	" "	301	—	3	2
	30	" "	302	—	2	6
	29	" "	304	—	2	1
	22	" "	307	—	3	17
	48	" "	309	—	3	6
	11	" "	310	1	0	1
	29	" "	361	—	0	13
	2	" "	362	—	0	18
	29	" "	363	—	2	6
	11	" "	364	—	2	4
	29	" "	365	—	0	3
	74	" "	399	—	3	2

1	2	3	4	5	6
63	नं०	मियादी	400	—	2 4
62	"	"	402	—	3 10
61	"	"	411	—	2 16
90	"	"	410	—	4 8
71	"	"	409	—	3 8
3	चाय	"	488	—	2 4
3	"	"	406	—	0 6
1	"	"	443	—	2 6
3	"	"	444	—	0 6
1	"	"	332	—	1 10
3	"	"	445	—	2 4
1	"	"	446	—	4 8
कुल क्षेत्रफल				13 4	19

[स. O-12016/29/85/प्रो एन जी-डी-4]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 8th April, 1985

S.O. 1637.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for supply of natural gas for expansion project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corpn. Ltd., Namrup, District Dibrugarh, Assam pipeline should be laid from ONGC, G.G. Sl. No. 1 (CTF), Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd., Namrup by Assam Gas Company Limited, Duliagan;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority viz. Deputy Commissioner/Addl. Deputy Commissioner, Sibsagar District, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying of Gas pipeline from O.N.G.C. G.G.S. No. 1 Lakwa to M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Ltd. Namrup expansion III-Project

State—Assam.
District—Sibsagar
Mouza—Abhaypur

Name of Village	Patta No.	Dag No.	Area	Re-marks
			B. K. L.	
Singrajan Tea Estate,	Tea Periodical No. 2	296	0 3 2	
	Tea Periodical No. 2	297	0 2 0	
	Tea Periodical No. 2	299	0 2 19	

Name of Village	Patta No.	Dag No.	Area	Re-mark
Singrajan Tea Estate	Tea Periodical No. 2	300.	0 3 6	
	P.P. No. 12	301	0 3 2	
	P.P. No. 30	302	0 2 6	
	P.P. No. 29	304	0 2 4	
	P.P. No. 22	307	0 3 17	
	P.P. No. 48	309	0 3 6	
	P.P. No. 11	310	1 0 1	
	P.P. No. 29	361	0 0 13	
	Tea Periodical No. 2	362	0 0 18	
	Periodical No. 29	363	0 2 6	
	Periodical No. 11	364	0 2 4	
	Periodical No. 29	365	0 0 3	
	Periodical No. 74	399	0 3 2	
	Periodical No. 63	400	0 2 4	
	Periodical No. 62	402	0 3 10	
	Periodical No. 61	411	0 2 16	
	P.P. No. 90	410	0 4 8	
	P.P. No. 71	409	0 3 8	
	Tea Periodical No. 3	488	0 2 4	
	Tea periodical No. 3	406	0 0 6	
	Tea periodical No. 1	443	0 2 6	
	Tea periodical No. 3	444	0 0 6	
	Tea periodical No. 1	332	0 1 10	
	Tea periodical No. 3	445	0 2 4	
	Tea periodical No. 1	446	0 4 8	
Total area to be taken			13 4	19

[No. O-12016/29/85-ONG-D4]

का. आ 1638—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एम. ड. के से सोभासण सीटी एफ. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए,

और यह: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है,

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है,

बशर्ते कि उक्त भूमि में जिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और दस्त्रभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी तृति व्यक्तियों की मार्फत।

अनुसूची

एम. ड. के से सोभासण सीटीएफ पाइप लाइन बिछाने के लिये।

राज्य—गुजरात	जिला और तालुका	मेहराणा			
गांव	ब्लाक न.	हेक्टेअर	एअरई	सेटीअर	
जगुवन	190	0	09	36	
	187	0	14	64	
	186	0	03	72	
	185	0	04	68	
	176	0	11	34	
	177	0	12	48	
	174	0	03	12	
	173/पी.	0	20	16	
	171	0	26	88	
	170/पी.	0	01	18	

[म. ओ.-12016/24/85-ओ एन जी.-डी.-4]

पी. के. राजगोपालन, डेस्क अधिकारी

S.O. 1638.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SEK to Sabhasan CTF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provident that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from S.E.K. To SOB. C.T.F.

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centiare
Jagudan	190	0	09	36
	187	0	14	64
	186	0	03	72
	185	0	04	68
	176	0	11	34
	177	0	12	48
	174	0	03	12
	173/P	0	20	16
	171	0	26	88
	170/P	0	01	18

[No. O-12016/24/85-ONG-D4]

P. K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 9 अग्रैल, 1985

का. आ. 1638:—यह : पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ. सं. 3468 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईव लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ;

और यह : सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यह : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग कर अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है,

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग से सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का लिया गया नाम	रकबा	विशरण
1	2	3	4	5	7
उन्नाव	पुरवा	पुवार	गोकुल-पुर	234	0-0-15
				239	0-8-0
				240	0-17-0
				257/3	0-1-10

1	2	3	4
		259	1-2-0
		276	0-0-16
		281	0-0-3
		283	0-0-3
		284	0-1-0
		285	0-11-0
		286	0-0-7
		287	0-6-0
		288	0-5-12
		289	0-2-16
		242	0-4-10

[सं. O-14016 / 12 / 84-जी. पी.]

New Delhi, the 9th April, 1985

S.O. 1639.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3466 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jadishpur Pipeline Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Purwa	Gokulpur	234	0-0-15	
				239	0-8-0	
				240	0-17-0	
				257/3	0-1-10	
				259	1-2-0	
				276	0-0-16	
				281	0-0-3	
				283	0-0-3	
				284	0-1-0	
				285	0-11-0	
				286	0-0-7	
				287	0-6-0	
				288	0-5-12	
				289	0-2-16	
				242	0-4-10	

[No. O-14016/12/84-GP]

का. प्रा. 1640/—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का प्रा. सं. 3452 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषितकर दिया था;

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निवेदित करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
उन्नाव	उन्नाव	उन्नाव	मन्दीहर	247	0-7-0
			पुर	248	0-4-10
				249	0-4-0
				250	0-12-10
				251	0-8-10
				268	0-6-0
				269	0-8-0
				279	0-1-10
				280	0-14-0
				281	0-0-5
				282	0-10-0
				284	0-5-10
				291	0-3-0
				292	1-0-0
				293	0-14-0
				494	0-1-15
				495	0-18-0
				496	0-2-5
				498	0-11-0
				499	0-8-8
				486	0-6-0
				487	0-5-10
				501	0-4-10
				502	0-8-0
				503	0-7-0

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
				515	0-5-0					292	1-0-0		
				516	0-1-1					293	0-14-0		
				512	0-12-0					494	0-1-15		
				517	0-15-12					495	0-18-0		
				518	0-3-15					496	0-2-5		
				514	0-1-0					498	0-11-0		
				513	0-0-5					499	0-8-8		
				570	0-5-10					486	0-6-0		
				663	0-13-16					486	0-6-0		
				660	1-2-16					487	0-5-10		
				661	0-6-10					501	0-4-10		
				662	0-12-8					502	0-8-0		
				490	0-0-5					503	0-7-0		

[सं. O-14016/55/84-जी पी]

S.O. 1640.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3452 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Unnao	Mona-harpur	247	0-7-0	
				248	0-4-10	
				249	0-4-0	
				250	0-12-10	
				251	0-8-10	
				268	0-6-0	
				269	0-8-0	
				279	0-1-10	
				280	0-14-0	
				281	0-0-5	
				282	0-10-0	
				284	0-5-10	
				291	0-3-0	

[No. O-14016/55/84-GP]

का. प्रा. 1641—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का प्रा. 3742 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न भूमिओं में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न भूमिओं में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न भूमिओं में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project.

जिला	तहसील	परगना का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हड्डा	दुधौडा	15	1-18-5	
				14	0-15-5	
				13	1-3-0	
				12	0-0-15	
				19	0-6-0	
				21	1-10-0	
				29	0-0-15	
				28	17-10	
				30	0-5-0	
				52	1-7-10	
				31	0-0-10	
				53	0-0-15	
				55	0-2-10	
				51	0-4-10	
				57	0-5-0	
				58	0-0-15	
				63	0-11-0	
				61	0-15-0	
				68	0-7-0	
				69	1-5-10	
				70	0-10-15	
				78	0-5-11	
				79	0-1-16	

[सं. O-14016/58/84-जी पी]

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Dudha-	15	0-18-5	
			aura	14	0-15-5	
				13	1-3-0	
				12	0-0-15	
				19	0-6-0	
				21	1-10-0	
				29	0-0-15	
				28	0-17-10	
				30	0-5-0	
				52	1-7-10	
				31	0-0-10	
				53	0-0-15	
				55	0-2-10	
				51	0-4-10	
				57	0-5-0	
				58	0-0-15	
				63	0-11-0	
				61	0-15-0	
				68	0-7-0	
				69	1-5-10	
				70	0-10-15	
				78	0-5-11	
				79	0-1-16	

[No. O-14016/58/84-GP]

S.O. 1641.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3742 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

का.आ. 1642.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जामंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. आ. 3483 तारीख 3-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः नक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का लिया गया नाम	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
उन्नाव	पुरवा	पुरवा	पलहरी	311	1-5-10
				312	0-2-0
				315	0-14-0
				316	0-4-0
				349	1-6-0
				350	0-1-0
				382	0-1-0
				425	1-2-0
				423	1-4-0
				464	0-3-0
				465	0-8-0
				487	0-3-0
				499	0-16-0
				500	0-9-0
				502	0-13-0
				503	0-1-0
				504	0-3-10
				505	0-13-0
				506	0-1-10
				510	0-17-10
				511	0-12-0
				512	0-7-0
				513	0-1-0
				514	0-10-0
				520	0-16-0
				498	0-0-5

[सं. O-14016 / 95 / 84-जी पो]

S.O. 1642.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3483 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying the pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Purwa	Palharl	311	1-5-10	
				312	0-2-0	
				315	0-14-0	
				316	0-4-0	
				349	1-6-0	
				350	0-1-0	
				382	0-1-0	
				425	1-2-0	
				423	1-4-0	
				464	0-3-0	
				465	0-8-0	
				487	0-3-0	
				499	0-16-0	
				500	0-9-0	
				502	0-13-0	
				503	0-1-0	
				504	0-3-10	
				505	0-13-0	
				506	0-1-10	
				510	0-17-10	
				511	0-12-0	
				512	0-7-0	
				513	0-1-0	
				514	0-10-0	
				520	0-16-0	
				498	0-0-5	

[No. O-14016/95/84-GP]

का. अ. 1643.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. अ. 3669 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आयु घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय रीस आयोग में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची						
हाजिरा- बरेली- जगदीशपुर पाईप लाईन प्रोजेक्ट						
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	का लिया गया	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हर्हा	करनी पुर शिवपुरी			
				661	0-6-5	
				713	0-9-10	
				712	0-6-10	
				711	0-2-0	
				662	0-2-10	
				696	0-2-5	
				708	0-12-12	
				694	0-10-10	
				695	0-6-8	
				698	0-15-0	
				697	0-4-0	
				748	0-3-12	
				827	0-7-5	
				831	0-16-0	
				832	0-12-0	
				835	0-8-8	
				836	0-8-12	
				817	0-10-4	
				842	0-10-4	
				843	0-9-0	
				846	0-0-15	
				814	0-1-12	
				816	0-0-10	
				845	0-6-16	
				844	0-3-4	
				851	0-10-15	
				852	0-7-4	
				853	0-3-15	
				854	0-3-15	
				855	0-2-3	
				860	0-13-4	
				861	0-3-0	
				927	0-3-12	
				926	0-8-0	
				868	0-5-15	
				869	0-9-8	
				872	0-8-5	
				873	0-3-5	
				882	0-0-5	
			R-883	0-3-12		
				910	0-11-10	
				909	0-1-15	
				906	0-4-16	
				902	0-1-15	
				899	0-0-5	
				903	0-7-10	
				714	0-8-3	
				901	0-0-10	

S.O. 1643.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3669 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira- Bareilly- Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Karni-pur	661	0-6-5	
			Shivpur	713	0-9-10	
				712	0-6-10	
				711	0-2-0	
				662	0-2-10	
				696	0-2-5	
				708	0-12-12	
				694	0-10-10	
				695	0-6-8	
				698	0-15-0	
				697	0-4-0	
				748	0-3-12	
				827	0-7-5	
				831	0-16-0	
				832	0-12-0	
				835	0-8-8	
				836	0-8-12	
				817	0-10-4	
				842	0-10-4	
				843	0-9-0	
				846	0-0-15	
				814	0-1-12	
				816	0-0-10	
				845	0-6-16	
				844	0-3-4	
				851	0-10-15	
				852	0-7-4	
				853	0-3-15	
				854	0-3-15	
				855	0-2-3	
				860	0-13-4	
				861	0-3-0	
				927	0-3-12	
				926	0-8-0	

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
				868	0-5-15						924	1-13-0	
				869	0-9-8						925	0-9-0	
				872	0-8-5						926	0-5-0	
				873	0-3-5						1401	0-1-5	
				982	0-0-5						1435	0-5-15	
				883	0-3-12						1436	0-13-0	
				910	0-11-10						1437	0-3-0	
				909	0-1-15						1439	0-10-10	
				906	0-4-16						1440	1-2-0	
				902	0-1-15						1441	0-4-0	
				899	0-0-5						1442	0-4-0	
				903	0-7-10						1443	0-1-10	
				714	0-8-3						1493	0-11-0	
				901	0-0-10						1494	0-7-0	

[No. O-14016/96/84-GP]

कां० प्रा० 1644—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० प्रा० सं० 3670 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राश्य घोषित कर दिया था।

और यतः संलग्न प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला - तहसील परगना				ग्राम का नाम	क्षेत्रफल	क्षेत्रफल	विवरण
					एकड़	म०	रकबा
1	2	3	4	5	6	7	
उन्नाव	उन्नाव	हर्षा	शिवपुर	694	0-3-0		
				695	0-8-0		
				847	1-1-0		
				853	0-4-15		
				854	0-3-0		
				855	0-1-5		
				856	0-0-5		
				860	0-0-10		
				915	1-15-5		

[सं० O-14016/97/84—जी पी]

S.O. 1644.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3670 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project.

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	9	7
Unnao	Harfa	Unnao	Shivpur	694	0-3-0	
				695	0-8-0	
				847	1-1-0	
				853	0-4-15	
				854	0-3-0	
				855	0-1-5	
				856	0-0-5	
				860	0-0-10	
				915	1-15-5	
				924	1-13-0	
				925	0-9-0	
				926	0-5-0	
				1401	0-1-5	
				1435	0-5-15	
				1436	0-13-0	
				1437	0-3-0	
				1439	0-10-10	
				1440	1-2-0	
				1441	0-4-0	
				1442	0-4-0	
				1443	0-1-10	
				1493	0-11-0	
				1494	0-7-0	
				1495	0-4-0	
				1496	0-1-10	
				1501	0-10-0	
				1546	0-4-5	
				1547	1-10-0	
				1549	0-2-0	
				1594	0-15-0	
				658	0-0-10	
				696	0-2-10	
				848	0-5-10	
				851	0-5-10	
				922	0-0-5	
				923	0-0-5	
				928	0-0-12	
				927	0-3-0	
				1593	0-5-10	

[No. O-14016/97/84-GP]

का० घा० सं० 1945 - अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० घा० सं० 3696 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यत् महत्त्वपूर्ण प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और ध्याते यत्: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चित किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है

कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और ध्याते उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्विशेष है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस प्रायोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लॉट नं०	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	पुरवा	भयलखेड़ा	204	0-0-10	
				205	1-3-0	
				385	0-1-10	
				386	0-10-0	
				391	0-1-10	
				396	0-3-0	
				399	0-2-0	
				400	0-2-10	
				402	0-1-10	
				403	0-1-0	
				404	0-13-0	
				568	0-5-0	
				570	1-4-0	
				571	0-4-0	
				572	0-2-0	
				577	0-6-10	
				578	0-4-0	
				390	0-1-0	

[सं० O-14016/153/84-जी सी]

S.O. 1645.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3696 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Purwa	Achal Kheda	204	0-0-10	
				205	1-3-0	
				385	0-1-10	
				386	0-10-0	
				391	0-1-10	
				396	0-3-0	
				399	0-2-0	
				400	0-2-10	
				402	0-1-10	
				403	0-1-0	
				404	0-13-0	
				568	0-5-0	
				570	1-4-0	
				571	0-4-0	
				572	0-2-0	
				577	0-6-10	
				578	0-4-0	
				390	0-1-0	

[No. O-14016/153/84-GP]

का० आ० 1648:--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3697 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेल्ल-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	प्लॉट नम्बर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	मोयवा	मुरैता	71	0-11-0	

[सं० O-14016/154/84-जी० पी०]

S.O. 1646:--Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3697 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Maura-	Muraita	71	0-11-0	
		van				

[No. O-14016/154/84-GP]

का० 1647:--आ० यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3679 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची						
हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट						
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लॉट नंबर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	पुरवा	पुरवा	भरतोगढ़ी	139	0-5-10	
				169	0-16-5	
				170/1	0-5-0	
				170/2	0-10-0	
				170/5	0-0-6	
				186/6	0-5-0	
				187/4	0-1-0	
				187/5	0-1-15	
				186/5	0-5-10	
				186/1	0-4-10	
				187/1	0-2-0	
				187/2	0-5-5	
				189/1	0-10-15	

[सं० O-14016/156/84-जे पी.]

S.O. 1647.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3699 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village No.	Plot Area	Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Purwa	Bharti	139	0-5-10	
			Garhi	169	0-16-5	
				170/1	0-5-0	
				170/2	0-10-0	
				170/5	0-0-6	
				186/6	0-5-0	
				187/4	0-1-0	
				187/5	0-1-15	
				186/5	0-5-10	

1	2	3	4	6	J
			186/1	0-4-10	
			187/1	0-2-0	
			187/2	0-5-5	
			189/1	0-10-15	

[No. O-14016/156/84-GP]

का० आ० सं० 1648.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3699 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आक्षेप घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 क उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अन्वय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लॉट नंबर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हृषी	सैदपुर	493	0-9-0	
				494	0-4-5	
				502	0-14-5	
				507	0-8-10	
				506	0-0-10	
				508	0-3-10	
				509	0-0-5	
				514	0-2-0	
				515	0-2-0	
				516	0-5-0	
				517	0-2-0	
				549	0-11-2	
				548	0-1-5	
				550	0-6-15	
				552	0-11-5	
				558	0-10-0	
				559	0-6-0	
				560	0-3-5	
				561	0-0-5	

1	2	3	4	5	6	7
उन्नव	उन्नव	हर्हा	सैदपुर	563	0-3-12	
				564	0-2-0	
				565	0-11-0	
				568	0-3-0	
				569	0-12-0	
				620	0-1-10	
				623	0-3-5	
				624	0-1-0	
				625	0-6-0	
				626	0-2-0	
				627	0-1-5	
				631	0-1-0	
				689	0-1-0	
				690	0-7-4	
				691	0-5-0	
				692	0-1-5	
				693	0-12-2	
				694	0-7-0	
				695	0-1-5	
				808	0-3-7	
				807	0-6-0	
				806	0-3-12	
				803	0-5-16	
				804	0-3-15	
				796	0-10-9	
				49	0-7-12	
				51	0-0-10	
				50	0-4-10	
				805	0-1-10	
				48	0-15-8	
				47	0-0-16	
				45	0-0-16	
				44	0-3-8	
				43	0-15-15	
				35	0-5-4	
				38	0-5-5	
				39	0-7-4	
				37	0-5-0	
				57	0-0-10	
				503	0-0-5	
				459	0-5-0	

[सं० O—14016/170/84—जे पी]

S.O. 1648.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3780 dated 17-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

27 GI/85--7

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly-Jagdishpur Gas Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Saidpur	493	0-9-0	
				494	0-4-5	
				502	0-18-5	
				507	0-8-10	
				506	0-0-10	
				508	0-3-10	
				509	0-0-5	
				514	0-2-0	
				515	0-2-0	
				516	0-5-0	
				517	0-2-0	
				549	0-11-2	
				548	0-1-5	
				550	0-6-15	
				552	0-11-5	
				558	0-10-0	
				559	0-6-0	
				560	0-3-5	
				561	0-0-5	
				563	0-3-12	
				564	0-2-0	
				565	0-11-0	
				568	0-3-0	
				569	0-12-0	
				620	0-1-10	
				623	0-3-5	
				624	0-1-0	
				625	0-6-0	
				626	0-2-0	
				627	0-1-5	
				631	0-1-0	
				689	0-1-0	
				690	0-7-4	
				691	0-5-0	
				692	0-1-5	
				693	0-12-2	
				694	0-7-0	
				695	0-1-5	
				808	0-3-7	
				807	0-6-0	
				806	0-3-12	
				803	0-5-16	
				804	0-3-15	
				796	0-10-9	
				49	0-7-12	
				51	0-0-10	
				50	0-4-10	
				805	0-1-10	
				98	0-15-8	
				47	0-0-16	

1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Saldpur	45	0-0-16	
				44	0-3-8	
				43	0-15-15	
				35	0-5-4	
				38	0-5-4	
				39	0-7-4	
				37	0-5-0	
				57	0-0-10	
				503	0-0-5	
				459	0-5-0	

[No. O-14016/170/84-GP]

का० आ० 1649:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 3847 तारीख 24-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्टें दे दी हैं।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्टें पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का प्लॉट नाम	सं०	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	परगना	लोहका	11	0-4-15	
				18	0-2-0	
				22	1-3-0	
				30	0-15-0	
				32	0-6-0	
				121	0-0-10	
				123	0-11-0	
				128	0-6-0	
				129	0-9-15	
				130	0-13-10	
				131	0-2-0	
				134	0-5-0	
				135	0-2-5	

1	2	3	4	5	6	7
				138	0-16-0	
				148	0-2-15	
				163	0-1-15	
				164	1-6-0	
				166	0-1-10	
				110	0-12-15	
				137	0-3-10	
				159	0-5-0	
				149	0-1-0	

[सं० O-14016/235/84-जी पी]

S.O. 1649.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 3897 dated 24-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

H jira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Pargana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Harha	Unnao	Lohka	11	0-4-15	
				18	0-2-0	
				22	1-3-0	
				30	0-15-5	
				32	0-6-0	
				121	0-0-10	
				123	0-11-0	
				128	0-6-0	
				129	0-9-15	
				130	0-13-10	
				131	0-2-0	
				134	0-5-0	
				135	0-2-5	
				138	0-16-0	
				148	0-2-15	
				163	0-1-15	
				164	1-6-0	
				166	0-1-10	
				110	0-1-15	
				137	0-3-10	
				150	0-5-0	
				149	0-1-0	

[No. O-14016/235/84-GP]

का० आ० 1650.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के ऊर्जा संश्लेषण पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 4054 तारिख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करने का अपना आग्रह घोषित कर दिया था।

और यतः मशम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदन करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगी।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लॉट नंबर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हरहा	रायपुर	598	0-0-10	
			सातन	602	0-15-0	
				603	0-2-16	
				604	0-1-0	
				605	0-1-0	
				606	0-1-0	
				608	0-0-10	
				609	0-4-0	
				610	0-1-0	
				611	0-6-0	
				613	0-0-10	
				614	0-2-0	
				618	0-0-15	
				518	0-13-10	
				626	0-5-0	
				645	0-2-10	
				645	0-2-1	
				646	0-1-0	
				647	0-12-0	
				648	0-3-0	
				649	0-6-0	
				650	0-0-5	
				651	0-6-15	
				652	0-4-0	

1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हरहा	रायपुर	653	0-0-15	
			सातन	675	0-5-0	
				677	0-0-2	
				678	0-0-10	
				679	0-1-0	
				680	0-2-0	
				681	0-1-0	
				682	0-1-5	
				683	0-3-0	
				684	0-5-0	
				685	0-1-15	
				690	0-1-0	
				691	0-4-0	
				692	0-5-15	
				694	0-0-10	
				695	0-12-0	
				700	1-17-0	
				733	1-2-0	
				734	0-8-8	
				735	0-6-0	
				736	0-13-16	
				737	0-4-5	
				824	0-4-16	
				988	0-14-5	
				739	0-1-0	

[सं० O—14016/292/84-जी पी]

S.O. 1650.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4054 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira—Bareilly—Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Raipur	598	0-0-10	
			Satan	602	0-15-0	
				603	0-2-16	
				604	0-1-0	
				605	0-1-0	

1	2	3	4	5	6	7
				606	0-1-0	
				608	0-0-10	
				609	0-4-0	
				610	0-1-0	
				611	0-6-0	
				613	0-0-10	
				614	0-2-0	
				618	0-0-15	
				619	0-13-10	
				626	0-5-0	
				645	0-2-10	
				646	0-1-0	
				647	0-12-0	
				648	0-3-0	
				649	0-6-0	
				650	0-0-5	
				651	0-6-18	
				652	0-4-0	
				653	0-0-15	
				675	0-5-0	
				677	0-0-2	
				678	0-0-10	
				679	0-1-0	
				680	0-2-0	
				681	0-1-0	
				682	0-1-5	
				683	0-3-0	
				684	0-5-0	
				685	0-1-15	
				690	0-1-0	
				691	0-4-0	
				692	0-5-15	
				694	0-0-10	
				695	0-12-0	
				700	1-17-0	
				733	1-2-0	
				734	0-8-8	
				735	0-6-0	
				736	0-13-16	
				737	0-4-5	
				824	0-4-16	
				988	0-14-5	
				739	0-1-0	

[No. O-14016/292/84-GP]

का० आ० 1651—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का० आ० सं० 4080 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की धारा 86 की उपधारा (1) के अन्तर्गत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित है करती कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय वैसे अधिकारण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में खोपना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लॉट नंबर	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
उन्नाव	उन्नाव	हड़हा	बोलतपुर	133	0-13-10	
				264	0-1-2	
				265	0-10-5	
				266	0-1-15	
				267	0-10-10	
				291	0-7-0	
				289	0-13-15	
				281	0-8-0	
				280	0-8-15	
				302	0-3-0	
				134	0-7-0	
				279	0-8-8	
				293	0-1-0	
				167	0-11-0	
				301	0-3-10	

[सं० O-14016/298/84-जी पी]

S.O. 1651.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4860 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hazira-Bareilly to Jagdishpur Gas Pipeline Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Acquired Area	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Unnao	Unnao	Harha	Daulatpur	133	0-13-10	
				264	0-1-2	
				265	0-19-5	
				266	0-1-15	
				267	0-10-10	
				291	0-7-0	
				289	0-13-15	
				281	0-8-0	
				280	0-9-15	
				302	0-3-0	
				134	0-7-0	
				279	0-8-8	
				293	0-1-0	
				167	0-11-0	
				301	0-3-10	

[No. O-14016/298/84-GP]

का० प्रा० 1652—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० प्रा० 4548 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है की इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस जारी तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हाजिरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य—गुजरात जिला— पंचमहाल तालुका— हालोल

गाँव	सर्वे नं०	हेक्टर	आर०	सेन्टीयर
कडचला	कति ट्रेक	0	00	70
	447	0	04	32
	448	0	29	48
	450	0	24	86
	452	0	07	08
	451	0	15	36
	350	0	02	64
	कटि ट्रेक	0	03	20

1	2	3
	349	0 22 08
	346	0 08 64
	347	0 41 76
	461	0 10 88
	462	0 33 60
	464A	0 35 84
	466	0 02 60

[सं० O-14016/450/84—जीपी]

S.O. 1652.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4548 dated 10-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Bareilly to Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Halol

Village	Survey No.	Hec	Are	Centiar
Kadachala	Cart track	0	00	70
	447	0	04	32
	448	0	29	48
	450	0	24	86
	452	0	07	08
	451	0	15	36
	350	0	02	64
	Cart track	0	03	20
	349	0	22	08
	346	0	08	64
	347	0	41	76
	461	0	10	88
	462	0	33	60
	464/A	0	35	84
	466	0	02	60

[No. O-14016/450/84-GP]

का० प्रा० 1653—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइपलाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई जायी जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	विस्थापित किया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	सतासी	मिमईया	402/1	1-2-14
				389/1	1-6-8
				388/1	1-7-12
				387/1	0-1-0
				387/2	0-0-3
				25	0-2-8
				17/1	0-15-0
				17/2	
				17/3	
				16/2	0-0-15
				15/1	1-13-12
				15/2	
				14	1-11-12
				5	0-4-15
				44/1	0-18-0
				44/2	
				45/1	1-7-12
				45/2	
				66	1-7-8
				70/1	0-9-0
				83/1	0-15-12
				84	0-1-5
				82	0-11-10
				81	1-7-12
				80	0-3-10
				81/454	0-9-12

[सं० O-14016/213/85-जी पी]

S.O. 1653.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Dist.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Satasi	Sisaya	402/1	1-2-14	
				389/1	1-6-8	
				388/1	1-7-12	
				387/1	0-1-0	
				387/2	0-0-3	
				25	0-2-8	
				17/1	0-15-0	
				17/2		
				17/3		
				16/2	0-0-15	
				15/1	1-13-12	
				15/2		
				14	1-11-12	
				5	0-4-15	
				44/1	0-18-0	
				44/2		
				45/1	1-7-12	
				45/2		
				66	1-7-8	
				70/1	0-9-0	
				83/1	0-15-12	
				84	0-1-5	
				82	0-11-10	
				81	1-7-12	
				80	0-3-10	
				81/454	0-9-12	

[No. O-14016/213/85-GP]

का. आ. 1654.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली से जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट ।

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	7
बदायूं	बिसौली	बिसौली	साहन-पुर	9	0-7-10
				10	1-7-0
				11	0-0-5
				12	0-3-0
				13	0-3-15
				36	0-1-5
				64	0-13-4
				62	0-1-10
				61	0-1-10
				66	0-13-8
				67	0-7-0
				60	0-0-10
				105	2-2-0
				113	0-7-16
				—	0-1-10
				115	1-8-8
				118	0-12-0
				119	0-4-0
				120	0-1-0
				121	0-1-0
				122	0-10-0
				114	0-11-14

[म. O-14016/214/85-जीपी]

S.O. 1654.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Besoli	Sahanpur	9	0-7-10	
				10	1-7-0	

1	2	3	4	5	6	7
				11	0-0-5	
				12	0-3-0	
				13	0-3-15	
				36	0-1-5	
				64	0-13-4	
				62	0-1-10	
				61	0-1-10	
				66	0-13-8	
				67	0-7-0	
				60	0-0-10	
				105	2-2-0	
				113	0-7-16	
				—	0-1-10	
				115	1-8-8	
				118	0-12-0	
				119	0-4-0	
				120	0-1-0	
				121	0-1-0	
				122	0-10-0	
				114	0-11-14	

[No. O-14016/214/85-GP]

का. आ. 1655.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हस्तक्षेप कोई व्यक्ति उक्त भूमि के मालिक पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, नैन तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज लखनऊ-226020 में दो को दिये अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	7
बरेली	आंबला	आंबला	अह-पुरा	22	2-7-10
				23	0-0-10
				25	0-5-0
				28	1-13-5
				29	0-7-0
				32	0-0-10
				32/202	0-3-0
				32/204	

1	2	3	4	5	6	7
				32/203	0-1-16	
				34	0-8-8	
				40	1-13-12	
				45	0-2-15	
				39	0-0-3	
				44	0-16-4	
				45/2	0-2-0	
				45/3	0-3-0	
				52 एम	0-4-0	
				52/205	0-5-0	
				53	0-1-0	
				183	0-8-10	

[सं. O-14016/215/85-जीपी]

S.O. 1655.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Bareilly	Awanla	Awanla	Aduhura	22	2-7-10	
				23	0-0-10	
				25	0-5-0	
				28	1-13-5	
				29	0-7-0	
				32	0-0-10	
				32/202	0-3-0	
				32/204		
				32/203	0-1-16	
				34	0-8-8	
				40	1-13-12	
				45	0-2-15	
				39	0-0-3	
				44	0-16-4	
				45/2	0-2-0	
				45/3	0-3-0	
				52 m	0-4-0	
				52/205	0-5-0	
				53	0-1-0	
				183	0-8-10	

[No. O-14016/215/85-GP]

का. आ. 1656:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई ध्वनिगमन रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	विया गया रकबा	विवरण	
1	2	3	4	5	6	8
बदायूँ	बिसौली	बिसौली	कमाल- पुर	13	0-1-10	*
				14	0-8-8	
				15	0-12-14	
				16	0-0-15	
				22	0-5-10	
				23	0-13-14	
				26	0-19-16	
				55	0-0-5	
				56	0-0-6	
				57	0-2-5	
				72	0-4-6	
				113	0-4-0	
				112	0-10-0	
				95	0-18-12	
				78	0-5-10	
				77	0-2-0	
				79	0-1-5	
				80	0-19-0	
				82	0-8-0	
				83	1-4-17	
				84	0-0-5	
				85	0-3-10	

[सं. O-14016/216/85-जीपी]

S.O. 1656.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badanu	Besoli	Besoli	Kamal-pur	13	0-1-10	
				14	0-8-8	
				15	0-12-14	
				16	0-0-15	
				22	0-5-10	
				23	0-13-14	
				26	0-19-16	
				55	0-0-5	
				56	0-0-6	
				57	0-2-5	
				72	0-4-6	
				113	0-4-0	
				112	0-10-0	
				95	0-18-12	
				78	0-5-10	
				77	0-2-0	
				79	0-1-5	
				80	0-18-0	
				82	0-8-0	
				83	1-4-17	
				84	0-0-5	
				85	0-3-10	

[No. O-14016/216/85-GP]

का. अ. 1857.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मसम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक 27 GI/85-8

गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विशिष्ट व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	बिसौली	कल्यान- पुर	279	0-2-10	
				278	0-14-0	
				275	0-4-4	
				273	1-8-4	
				272	1-7-12	
				274	0-3-0	
				237	0-2-0	
				6	0-4-0	
				35	0-17-0	
				37	0-3-0	
					0-1-10	
				32	0-18-0	
				31	0-7-0	
				30	0-7-10	
				29	0-11-5	
				17	0-1-8	
				18	0-7-16	
				20	0-4-16	
				21	0-7-17	
				22	0-4-15	
				36	0-12-0	

[स. O-14016/217/85-जीपी]

S.O. 1657.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying or the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Barielly—Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Besoli	Kalyanpur	279	0-2-10	
				278	0-14-0	
				275	0-4-4	
				273	1-8-4	
				272	1-7-12	
				274	0-3-0	
				237	0-2-0	
				6	0-4-0	
				35	0-17-0	
				37	0-3-0	
				32	0-1-10	
				33	0-18-0	
				31	0-7-0	
				30	0-7-10	
				29	0-11-5	
				17	0-1-8	
				18	0-7-16	
				20	0-4-16	
				21	0-7-10	
				22	0-4-15	
				36	0-12-0	

[No. O-14016/217/85-GP]

का. अ. 1658.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, लेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन देगा कि या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लियी गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	बिसौली	अंताह-पुर	1/1	0-0-10

[सं. O-14016/218/85- जीपी]

S.O. 1658.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Barielly—Jagdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Besoli	Antai-pur	1/1	0-0-10	

[No. O-14016/218/85-GP]

का. अ. 1659.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, लेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	7
बदाऊं	बिसौली	सतासी	सिरौरी	109	0-1-15
				111	0-8-10
				113	0-12-0
				115	0-1-5
				84	0-1-0
				85	1-7-0
				86	0-2-8
				87	0-4-4
				119	0-1-15
				117	0-1-7
				78	0-4-16
				79	1-4-12
				83	0-1-0
				218	0-2-8
				220	0-7-4
				221	0-16-15
				222	0-0-12
				223	0-6-10
				247	0-10-16
				249	0-3-10
				250	0-13-16
				251	0-4-16
				252	0-2-0
				256	0-1-5
				239	0-3-0
				240	0-7-0
				241	0-1-0
				232	0-2-10
				233	0-2-10
				234	0-10-16
				236	0-6-0
				275	0-10-16
				276	0-12-0
				277	0-1-15
				305	0-2-8
				338	0-7-16
				351	1-1-0
				339	0-8-12
				340	0-2-6
				352	0-0-10
				353	0-3-10
				395	0-14-16
				396	0-18-0
				398	0-2-4
				399	0-12-12
				400	0-3-15

S.O. 1659.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE,

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Satasi	Sirori	109	0-1-15	
				111	0-8-10	
				113	0-12-0	
				115	0-1-5	
				84	0-1-0	
				85	1-7-0	
				86	0-2-8	
				87	0-4-4	
				119	0-1-15	
				117	0-1-7	
				78	0-4-16	
				79	1-4-12	
				83	0-1-0	
				218	0-2-8	
				220	0-7-4	
				221	0-16-15	
				222	0-0-12	
				223	0-6-10	
				247	0-10-16	
				249	0-3-10	
				250	0-13-16	
				251	0-4-16	
				252	0-2-0	
				256	0-1-5	
				239	0-2-0	
				240	0-7-0	
				241	0-1-0	
				232	0-2-10	
				233	0-2-10	
				234	0-10-16	
				236	0-6-0	
				275	0-10-16	
				276	0-12-0	
				277	0-1-15	
				305	0-2-8	
				338	0-7-16	
				351	1-1-0	

1	2	3	4	5	6	7
				339	0-8-12	
				340	0-2-6	
				352	0-0-10	
				353	0-3-10	
				395	0-14-16	
				396	0-18-0	
				398	0-2-4	
				399	0-12-12	
				400	0-3-15	

[No. O-14016/219/85-GP]

का. आ. 1660 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबंद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	बिसौली	सिद्धपुर	676	0-7-18
			कयौली	677	0-18-15

[सं. O-14016/220/85-जीपी]

S.O. 1660.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Barrielly—Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Besoli	Siddpur	676	0-7-18	
			Katholi	677	0-18-15	

[No. O-14016/220/85-GP]

का. आ. 1661—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए पाबंद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	सतासी	नवाबा	1	0-15-12
				2	0-10-16
				3	0-18-0
				9	0-2-15
				7	0-0-10

[सं. O-14016/221/85-जीपी]

S.O. 1661.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Barielly—Jagdishpur Pipe line Project.

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Chisoli	Satasi	Nawada	1	0-15-12	
				2	0-10-16	
				3	0-18-0	
				9	0-2-15	
				7	0-0-10	

[No. O-14016/221/85-GP]

का. आ. 1682:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट।

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूँ	बिसौली	बिसौली	निभरासखनपुर	4	0-1-4
				5	0-14-10

1	2	3	4	5	6	7
				7	0-3-0	
				10	0-1-10	
				26	1-3-10	
				28	0-3-18	
				29	0-1-5	
				31	0-12-2	
				36/2	0-19-9	
				36/3	1-18-18	
				41	0-1-10	
				42	0-3-15	

[सं. O-14016/222/85-जी पी]

S.O. 1662.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barielly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (27 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Barielly—Jagdishpur Pipe line Project

Distt.	Tehsil	Par-gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Besoli	Nibhra-	4	0-1-4	
			Sakham-	5	0-14-10	
			pur	7	0-3-0	
				10	0-1-10	
				26	1-3-10	
				28	0-3-18	
				29	0-1-5	
				31	0-12-2	
				36/2	0-19-9	
				36/3	1-18-18	
				41	0-1-10	
				42	0-3-15	

[No. O-14016/222/85-GP]

का. आ. 1663:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजीरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइप लाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, लेख तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	पुरोहित खेड़ा	229	1-8-4	
			228	0-5-8	
			227	0-16-15	
			226	0-6-15	
			243	0-1-16	
			245	0-9-0	
			288	1-4-15	
			291	0-0-5	
			292	0-5-10	
			334	0-0-5	
			333	0-12-10	
			336	0-1-0	
			335	0-0-5	
			337	0-5-10	
			338	0-1-0	
			350	0-7-15	
			349	0-4-10	
			353	0-2-10	
			354	0-4-15	
			356	0-7-10	
			357	0-3-0	
			358	0-4-0	
			516	0-1-15	
			361	0-13-0	
			359	0-0-5	
			514	0-9-0	
			515	0-3-5	
			366	0-0-5	
			512	0-12-12	
			513	0-4-10	
			522	0-4-5	
			530	0-13-4	
			523	0-0-2	
			529	0-16-4	
			535	0-13-10	

1	2	3	4	5	6	7
				533	0-3-10	
				534	0-3-10	
				548	0-12-15	
				504	0-0-2	
				547	0-2-0	
				549	0-7-15	
				550	0-6-0	
				500	0-2-4	
				488	0-11-10	
				487	1-4-10	
				484	0-6-0	
				485	0-12-0	
				483	0-0-5	
				532	0-0-16	

[सं. O-14016/223/85-जी पी]

S.O. 1663.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (30 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline -Project

Distt: Tehsil Pargana Village Plot No Area Acquired Remarks

1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Bisoli	Purohit	229	1-8-4	
			Kheda	228	0-5-8	
				227	0-16-15	
				226	0-6-15	
				243	0-1-16	
				245	0-9-0	
				288	1-4-15	
				291	0-0-5	
				292	0-5-10	
				334	0-0-5	
				333	0-12-10	
				336	0-1-0	
				335	0-0-5	
				337	0-5-10	
				338	0-1-0	
				350	0-7-15	
				349	0-4-10	
				353	0-2-10	
				354	0-4-15	
				356	0-7-10	

1	2	3	4	5	6	7
				357	0-3-0	
				358	0-4-0	
				516	0-1-15	
				361	0-13-0	
				359	0-0-5	
				514	0-9-0	
				515	0-3-5	
				366	0-0-5	
				512	0-12-12	
				513	0-4-10	
				522	0-4-5	
				530	0-13-4	
				523	0-0-2	
				529	0-16-4	
				535	0-13-10	
				533	0-3-10	
				534	0-3-10	
				548	0-12-15	
				504	0-0-2	
				547	0-2-0	
				549	0-7-15	
				550	0-6-0	
				500	0-2-4	
				488	0-11-10	
				487	1-4-10	
				484	0-6-0	
				485	0-12-0	
				483	0-0-5	
				532	0-0-16	

[No. O-14016/223/85-GP]

का. आ. 1664—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी साक्ष्यों को बिछाने के प्रयोजन के एतदुपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के सीधे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-2260 20, यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कबल करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी निम्न व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची						
हाजिरा	बरेली	जगदीशपुर	पाइप	लाइन	प्रोजेक्ट	
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण	
1	2	3	4	5	6	7
बदायूं	बिसौली	बिसौली	खजुरिया	1	0-6-0	
				3	0-3-0	
				130	0-3-15	
				133	0-0-5	
				135	0-13-12	
				134	0-8-0	
				136	0-12-13	
				139	0-1-0	

[सं. O-14016/224/85-जी पी]

S.O. 1664.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58YB, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline Project
Distt. Pargana Tehsil Village Plot No. Area Required Remark

1	2	3	4	5	6	7
Budaun	Bisoli	Bisoli	Khaju-	1	0-6-0	
			rya	3	0-3-0	
				130	0-3-15	
				133	0-0-5	
				135	0-13-12	
				134	0-8-0	
				136	0-12-13	
				139	0-1-0	

[No. O-14016/224/85-GP]

का. आ. 1665—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी साक्ष्यों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतदुपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3

को उनप्राय (1) द्वारा प्रस्तुत शर्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना भाग्य एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग वा-58 बी, अलीगढ़, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना के तारिख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विशिष्ट व्यवसायों की माफ़त।

अनुसूची

हाजिरा—बरेली—जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	सतासी	सैदोली	99	0-4-16
				117	1-2-4
				108	0-1-16
				107	0-18-0
				106	0-13-4
				109	0-0-3
				110	0-1-10
				111	0-1-0
				112	0-18-0
				105	0-2-5
				144	0-2-0
				396	1-16-0
				395	0-0-10
				394	0-7-0
				370	0-3-17
				371	0-5-8
				372	0-0-10
				387	1-0-10
				374	0-3-6
				375	0-0-15
				376	0-15-12
				333	0-8-12
				332	0-15-0
				340	0-1-5
				330	0-1-15
				331	0-1-0
				342	0-12-0
				329	0-8-8
				344	0-10-0
				325	0-2-8
				322	0-10-4
				321	0-2-12
				320	1-5-4
				313	0-1-5
				314	0-1-15
				303	1-0-10
				288	0-4-4
				302	0-9-8
				289	0-0-5
				301	1-10-12
				296	0-3-12

S.O. 1665.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India, H B I, Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira—Bareilly—Jagdishpur Pipeline Project

Distt.	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Required	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Bisoli	Sadoli	99	0-4-16	
				117	1-2-4	
				108	0-1-16	
				107	0-18-0	
				106	0-13-4	
				109	0-0-3	
				110	0-1-10	
				111	0-1-0	
				112	0-18-0	
				105	0-2-5	
				144	0-2-0	
				396	1-16-0	
				395	0-0-10	
				394	0-7-0	
				370	0-3-17	
				371	0-5-8	
				372	0-0-10	
				387	1-0-10	
				374	0-3-6	
				375	0-0-15	
				376	0-15-12	
				333	0-8-12	
				332	0-15-0	
				340	0-1-5	
				330	0-1-15	
				331	0-1-0	
				342	0-12-0	
				329	0-8-8	
				344	0-10-0	
				325	0-2-8	
				322	0-10-4	
				321	0-2-12	
				320	1-5-4	
				313	0-1-5	
				314	0-1-15	
				303	1-0-10	
				288	0-4-4	
				302	0-9-8	
				289	0-0-5	
				301	1-10-12	
				296	0-3-12	

का आ 1666 --यन कन्द्रीय सरकार का यह प्रनत हाता है कि लाकटिन मे यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश म हजरा बरेली-जगदीशपुर तक पेटालियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण नि द्वारा बिछाई जान चाहिए ।

आर यन प्रनत हाता है कि गेमा लाइना को बिछान का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनसूच म वर्णित भूमि म उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अन अब पेटालियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग क अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) क धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

अर्शते कि उक्त भूमि म हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि क नाले पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयाग की-55 ब, अलीगज, लखनऊ-226020, य पी को इस अधिसूचना क तारीख मे 21 दिन क भीतर कर सकेगा ।

और गेमा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्निश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसके सुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या निमा बिधि व्यवसाय के मार्फत ।

अनसूची

हजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदाय	बिसौल	बिसौल	काडा	168	0-2-0
				169	0-10-16
				170	0-2-10
				171	0-3-0
				258	0-4-16
				260	1-2-4
				261	0-12-0
				262/1	
				262/2	1-7-12
				265	0-15-0
				266	0-7-0
				267	0-12-0
				268	0-10-16
				69	0-15-12
				270	0-0-6
				296	1-2-5
				297	0-10-4
				298	0-2-0
				299	0-10-10
				300	0-1-15
				305	0-13-5
				306	0-9-12

[म O-14016/262/85-जी पी]

SO 1666—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited

27 GI/85—9

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India, HBI Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

Hajira- Bareilly-Jagdishpur Pipeline Project

Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Required	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Bisoli	Behta	168	0-2-0	
			Koda	169	0-10-16	
				170	0-2-10	
				171	0-3-0	
				258	0-4-16	
				260	1-2-4	
				261	0-12-0	
				262/1		
				262/2	1-7-12	
				265	0-15-0	
				266	0-7-0	
				267	0-12-0	
				268	0-10-16	
				269	0-15-12	
				270	0-0-6	
				296	1-2-5	
				297	0-10-4	
				298	0-2-0	
				299	0-10-10	
				300	0-1-15	
				305	0-13-5	
				306	0-9-12	

[No. O-14016/226 85-GP]

का. आ 1667 --यन कन्द्रीय सरकार का यह प्रनत हाता है कि लाकटिन मे यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश म हजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पेटालियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण नि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यन प्रनत हाता है कि गेमा लाइना का बिछान का प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनसूची मे वर्णित भूमि मे उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अन अब पेटालियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) क धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बशते कि उक्त भूमि म हितबद्ध कोई व्यक्ति इस भूमि के नाले पाइप लाइन बिछान के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयाग की-55/बी, अलीगज, लखनऊ-226020 य पी का इस अधिसूचना की तारीख मे 21 दिन क भीतर कर सकेगा ।

जी- ऐसा अंतर करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाय के मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूं	बिसौली	सतासी	जगदीशपुर	2	0-5-0
				3	1-0-10
				4	0-1-5
				5	0-5-0

[स. O-14016/227/85-अ. पी.]

S.O. 1667.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India, H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira— Bareilly— Jagdishpur				Pipeline Project	
Distt.	Tehsil	Paragana	Village	Plot No.	Area Required
1	2	3	4	5	6
Badaun	B'soli	Satosi	Jama-	2	0-5-0
			pur	3	1-0-10
				4	0-1-5
				5	0-5-0

[No. O-14016/227/85-GP]

का. आ 1668.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एन्वयप्राइड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन्वयप्राइड घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकार, तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ब-58/ब, अलगज, लखनऊ-226020, यू. पी. को इस अधिसूचना के तारिख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाय के मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	लिया गया रकबा	विवरण
का नाम	1	2	3	4	5
बदायूं	बिसौली	सतासी	अगोई	92	0-1-16
				102	0-13-4
				103	0-0-5
				101	1-2-10
				100	0-0-10
				97	0-12-8
				98	0-4-4
				113	0-11-2
				114	0-2-2
				84	0-4-4
				83	0-4-0
				82	0-0-10
				71	0-2-15
				72	0-7-10
				73	0-3-10
				69	0-10-10
				74	0-1-5
				68	0-8-10
				66	0-14-2
				60	0-10-16
				59	0-14-5
				181	0-0-8
				188	0-0-5
				190	0-11-0
				189	0-10-0
				61	0-1-8
				57	0-2-0
				54	0-2-0
				216	0-19-16
				215	0-6-5
				212	0-15-0
				210	0-0-16
				210/675	0-7-0
				211	0-15-0
				205	1-5-16
				202	0-15-0
				298	0-3-3
				201	0-2-8
				299	0-9-10
				303	0-0-5
				304	0-8-8
				305	0-10-8
				308	0-13-0

1	2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
				309	0-2-10						100	0 0-10	
				312	0-4-4						97	0-12-8	
				313	0-4-4						98	0-4-4	
				314	0-3-15						113	0-11-2	
				315	0-7-15						114	0-2-2	
				316	0-2-10						84	0-4-4	
				319	0-11-8						83	0-4-0	
				320	0-4-0						82	0 0-10	
				321	0-0-5						71	0-2-15	
				322	0-3-0						72	0-7-10	
				323	0-18-12						73	0-3-10	
				324	0-3-0						69	0-10-10	
				378	0-18-12						74	0-1-5	
				382	0-4-4						68	0-8-10	
				380	1-1-10						66	0-14-2	
				379	0-1-4						60	0-10-16	
				381	0-0-10						59	0-14-5	
				419	1-10-4						181	0-0-8	
				413	1-12-0						188	0-0-5	
				417	0-3-0						190	0-11-0	
				418	0-12-0						189	0-10-0	
				436	1-1-10						61	0-1-8	
				437	0-12-18						57	0-2-0	
				439	0-4-0						54	0-2-0	
				438	0-9-0						216	0-19-16	
				457	0-19-0						215	0-6-5	
				458	0-3-15						212	0-15-0	
				455	0-4-16						210	0-0-16	

[सं. O-14016/228/85-जी. पी.]

S.O. 1668.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Barielly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira	Barielly	Jagdishpur	Pipeline —Project			
Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No	Area Required	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Bisoli	Satati	Agai	92	0-1-16	
				102	0-13-4	
				103	0-0-5	
				101	1-2-10	

[No. O-14016/228/85-G.P.]

का आ. 1669—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजारा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

आर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने का प्रयोजन के लिए गन्धुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हिसाब कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशय गन्धुपाबद्ध प्राधिकारी, नैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगढ़, लखनऊ-226020 यू. पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुसबई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की भाँति।

अनुसूची

हजारा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	प्लॉट नं.	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूँ	बिमोली	बिमोली	गन्धाय	373	0-1-4	
				374	1-7-17	
				560	0-10-16	
				561	0-18-12	
				562	0-14-10	
				563	0-4-0	
				555	0-8-8	
				556	1-7-8	
				554	0-1-0	
				572	0-3-10	
				551	0-2-0	
				552	1-2-3	
				553/1	0-10-10	
				539	0-2-0	
				540	0-13-7	
				541	1-0-12	
				536	0-3-17	
				537	0-7-16	
				538	0-16-3	
				509	0-1-0	
				510	0-0-16	
				511	1-0-10	
				508	0-2-0	
				546	0-2-10	
				394	0-0-5	

[सं. O-14016/239/85-जी पी]

S.O. 1669.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira	Bareilly	Jagdishpur	Pipeline	Project		
Distt	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Required	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Basoli	Gadgaon	373	0-1-4	
				374	1-7-17	
				560	0-10-16	
				561	0-18-12	
				562	0-14-10	
				563	0-4-0	
				555	0-8-8	
				556	1-7-8	
				554	0-1-0	
				572	0-3-10	
				551	0-2-0	
				552	1-2-3	
				553/1	0-10-10	
				539	0-2-0	
				540	0-13-7	
				541	1-0-12	
				536	0-3-17	
				537	0-7-16	
				538	0-16-3	
				509	0-1-0	
510	0-0-16					
511	1-0-10					
508	0-2-0					
546	0-2-10					
394	0-0-5					

[No. O-14016/229/85-GP]

का.आ. 1670—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हजारा-बरेली जगदीशपुर तक पाइप लाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिए गन्धुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उसकी भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मसहम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	दिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	7
बदायूं जिला	बिसौली	अरखंडा	31	0-8-0	
			32	0-4-0	
			33	0-12-0	
			35	0-6-0	
			36	0-10-3	
			37	0-4-15	
			38	0-1-10	
			49	0-3-10	
			50	0-8-4	
			51	0-6-15	
			52	0-4-10	
			53	0-3-5	
			54	0-9-12	
			55	0-3-10	
			67	0-5-10	
			68	0-10-0	
			69	0-5-10	
			70	0-8-10	
			77	0-1-10	
			78	0-3-4	
			117	0-8-8	
			47	0-1-10	
			48	0-0-10	
			71	0-1-5	
			34	0-9-12	

[स. O-14016/230/85-जीपी]

S.O. 1670.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira	Bareilly	Jagdishpur	Pipeline	Project
Distt.	Tehsil	Pargana Village	Plot No.	Area Required
1	2	3	4	5
Badaun	Bisoli	Bisoli	Ver-kheda	31
				32
				33
				35
				36
				37
				38
				49
				50
				51
				52
				53
				54
				55
				67
				68
				69
				70
				77
				78
				117
				47
				48
				71
				34

[No. O-14016/230/85-GP]

का.आ. 1671—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में जहोरा—बरेली—जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलियम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उसकी भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मसहम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग बी-58/बी, अलीगंज, लखनऊ-226020 यू.पी. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची						
हाजिरा बरेली जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट						
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	नियत रकबा	रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
बदायूँ	बिस्मौली	बिस्मौली	बगई	31	0-3-3	
				32	0-0-19	
				33	0-0-18	
				34	0-9-8	
				36	2-8-0	
				37	0-6-5	
				53	0-10-5	
				55	0-4-0	
				56	0-0-5	
				57	0-13-4	
				58	0-14-10	
				59	0-0-10	
				61	0-2-5	
				71	0-0-10	
				72	0-17-15	
				73	1-5-18	
				79	0-10-10	
				80	0-16-4	
				81	0-0-5	
				98	0-1-5	
				101	0-10-4	
				102/2	0-6-0	
				102/1	0-11-8	
				116	0-1-6	
				117	0-16-4	
				119/2	0-2-2	
				120	0-3-12	
				125	0-0-19	
				127	1-1-0	
				128	0-17-1	
				129	0-1-16	
				130	0-15-3	
				131	1-0-14	
				132	0-1-2	
				133	0-2-2	
				143	0-2-10	
				193	0-1-12	
				200	1-2-16	
				201	1-6-11	
				203	1-12-6	
				225	1-7-8	
				227	0-19-16	
				228		
				229	0-5-0	

[म. O-14016/231/85-अ.प.]

S.O. 1671.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj, Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajra Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

Dist. Tehsil Pargana Village Plot No. Area Required Remarks

1	2	3	4	5	6	7
Badaun	Besoli	Be. B.	Basai	31	0-3-3	
				32	0-0-19	
				33	0-0-18	
				34	0-9-8	
				36	2-8-0	
				37	0-6-5	
				53	0-10-5	
				55	0-4-0	
				56	0-0-5	
				57	0-13-4	
				58	0-14-10	
				59	0-0-10	
				61	0-2-5	
				71	0-0-10	
				72	0-17-15	
				73	1-5-18	
				79	0-10-10	
				80	0-16-4	
				81	0-0-5	
				98	0-1-5	
				101	0-10-4	
				102/2	0-6-0	
				102/1	0-11-8	
				116	0-1-6	
				117	0-16-4	
				119/2	0-2-2	
				120	0-3-12	
				125	0-0-19	
				127	1-1-0	
				128	0-17-1	
				129	0-1-16	
				130	0-15-3	
				131	1-0-14	
				132	0-1-2	
				133	0-2-2	
				143	0-2-10	
				193	0-1-12	
				200	1-2-16	
				201	1-6-11	
				203	0-12-6	
				225	1-7-8	
				227	0-19-16	
				228	0-0-16	
				229	0-5-0	

[No. O-14016/231/85-G.P.]

या.अ. 1672.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जोरार में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर गैस पाइप लाइन परियोजना के लिये भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा अधिग्रहण आर्ज किया जाए।

और 11 तारीख को हिस्सा पाइपलाइन विद्यमान या अधिग्रहण के लिए उपायव्यक्त करने से बाधित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलीयम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बताते हैं कि उक्त भूमि में निम्नलिखित व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशेष मन्त्र प्रविष्टिरी नेत्र तथा प्राधिकार गैस आयोग बी-58बी, अलीगढ़, मखनऊ-226020 या प को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगे।

और 12 तारीख को व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	पट्टा नाम	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूँ	बिभीली	गामागी	बेगरेन	201	0-1-15
				71	0-19-16
				272	1-0-0
				273	0-11-2
				274	0-1-10
				277	0-1-5
				283	0-10-16
				284	1-1-12
				285	0-12-10
				266	0-2-0
				265	0-15-12
				254	0-9-0
				264	0-15-0
				263	0-9-10
				253	0-1-10

[स. 0-14016/232/85-जी पी]

SO 1672 Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajra-Bareilly-Jagdishpur to in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd. HBI Pipeline Project B-58(B) Aligarh Lucknow 226020 UP

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Hajira	Bareilly	Jagdishpur	Pipeline	Project		
Distt	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No	Area Required	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Barlaun	Bareilly	Bareilly	Kalu pur	204	0-1-15	
				206	0-19-16	
				271	0-13-16	
				272	1-0-0	
				273	0-11-2	
				274	0-1-10	
				277	0-1-5	
				283	0-10-16	
				284	1-1-12	
				285	0-12-10	
				266	0-2-0	
				265	0-15-12	
				254	0-9-0	
				264	0-15-0	
263	0-9-10					
253	0-1-10					

[No. O-14016/232/85-GP]

वा या 1672—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर तक पाइपलाइन पेट्रोलीयम के परिवहन के लिए भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलीयम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उस में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बताते हैं कि उक्त भूमि में निम्नलिखित कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशेष मन्त्र प्रविष्टिरी नेत्र तथा प्राधिकार गैस आयोग बी-58बी, अलीगढ़, मखनऊ-226020 या प को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेंगे।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

हाजिरा-बरेली-जगदीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	पट्टा नाम	ग्राम का नाम	लिया गया रकबा	विवरण
1	2	3	4	5	6
बदायूँ	बिभीली	गामागी	बेगरेन	922	0-13-4
				919	0-13-0
				918	1-2-4
				917	0-8-6
				915	0-1-4
				916	0-8-8
				902	0-3-0

[स. 0-14016/233/85-जी पी]

एम. एन. श्रीवास्तव, उप सचिव

S.O. 1673. -Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hajira—Bareilly to Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.;

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipeline Project

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, it exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., H.B.J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioners.

[No. O-14016 233/85-G.P.]

M.S. SRINIVASAN Dy. Secy.

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1985

का. आ. 1674—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः, केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1975 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वांक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक न. जी एम/एच एम सी/बी-4 (1) 17/84 तारीख 19 अगस्त, 1984 का निरीक्षण वेस्टर्न कोयलीन्ड्स लिमिटेड, (रजस्व अनुभाग) कोयला एस्टेट सिविल लाईन्स, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलक्टर, गढ़वाल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-कार्डिनल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उस अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वेस्टर्न कोयलीन्ड्स लिमिटेड, कोयला एस्टेट सिविल लाईन्स नागपुर-440001 को भेजेगा।

अनुसूची

बहेराबांध ब्लॉक

हामदेव क्षेत्र

जिला गढ़वाल (मध्य प्रदेश)

क्रम सं.	ग्राम	पटवारी हल्का नं.	समझौता नं.	वर्गमीटर	जिला	अन्न हेक्टर में	टिप्पणियाँ
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	बहेराबांध	18	699	कांठमा	गढ़वाल	994.918	सम्पूर्ण
2.	कोरवा	18	155	"	"	142.206	"
3.	भाटाडांड	18	791	"	"	788.321	"
4.	डुगरिया खुर्द	18	739	"	"	485.349	"
5.	भगता	18	769	"	"	361.345	भाग
6.	जलसार	17	350	"	"	550.027	सम्पूर्ण
7.	कैबटार	17	163	"	"	500.538	"
8.	धबईटोला	17	467	"	"	382.111	"
9.	साजाटोला	17	973	"	"	666.062	"
10.	धानगांव	19	425	"	"	1171.304	"
11.	कुदरी	19	115	"	"	166.766	"
12.	बछोली	19	723	"	"	796.873	"

1	2	3	4	5	6	7	8
13.	वेनीबहरा	19	751	कोटमा	शहडोल	461.143	भाग
14.	बेलगांव	19	755	"	"	553.333	सम्पूर्ण
15.	लोहसरा	21	929	"	"	80.232	"
16.	केनापारा	21	84	"	"	206.110	"
17.	सोममटोला	21	982	"	"	111.107	संपूर्ण
18.	बुंगरिया-कला	21	398	"	"	625.937	"
19.	मैन टोला	21	847	"	"	484.529	"
20.	मोहरी उर्फ मोहरी खुर्द	21	877	"	"	312.320	भाग
कुल क्षेत्र 10340.561 हेक्टर (लगभग)							
या							
25551.52 एकड़ (लगभग)							

सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा, बिन्दु "क" से प्रारम्भ होती है और केवई नदी के पूर्वातट के साथ-साथ जाती है और कोरया और कोठी ग्रामों की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु "ख" पर मिलती है।
ख—ग	रेखा, कोरया, केवटार और बहेराबाध की ग्रामों की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, तब साजोटोला ग्राम की उत्तरपश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
ग—घ	रेखा, घबई टोला ग्राम की पूर्वी सीमा और जलसार, बेलगांव और बछीली ग्रामों की उत्तर-पूर्वी-सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
घ—ङ	रेखा, बछीली और थान गांव की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
ङ—च	रेखा, थानाग ब ग्राम की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है, तब मोहरी खुर्द और सिगुडी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।
च—छ	रेखा, मोहरी खुर्द बिजुरी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और मोहरी खुर्द, लोहसरा और जगता ग्रामों से होकर जाती है, तब केनापारा ग्राम की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
छ—क	रेखा, केनापारा, बुंगरिया कला और मैनटोला ग्रामों की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015 / 1 / 85 सी० ए०]

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 1st April, 1985

S.O. 1674.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. GM/HSD/BB-4(1)/17/84 dated 19th August, 1984 of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Section), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 or at the Office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts, and other documents referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

BAHERABANDH BLOCK

HASDEO AREA

DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

Serial No.	Village	Patwari Halka Number	Settlement Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Baherabandh	18	699	Kotma	Shahdol	894.948	Full
2.	Koraya	18	155	Kotma	Shahdol	442.206	Full

SCHEDULE

Serial No.	Village	Patwari Halka Number	Settlement Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
3.	Bhatadand	18	791	Kotma	Shahdol	788.321	Full
4.	Dongaria Khurd	18	397	Kotma	Shahdol	485.349	Full
5.	Bhagta	18	769	Kotma	Shahdol	361.345	Part
6.	Jalsar	17	350	Kotma	Shahdol	550.027	Full
7.	Keotar	17	163	Kotma	Shahdol	500.538	Full
8.	Dhabaitola	17	467	Kotma	Shahdol	382.111	Full
9.	Sajatola	17	973	Kotma	Shahdol	666.062	Full
10.	Thangaon	19	425	Kotma	Shahdol	1471.304	Full
11.	Kudri	19	115	Kotma	Shahdol	166.766	Full
12.	Bachhau	19	723	Kotma	Shahdol	796.873	Full
13.	Benibahara	19	751	Kotma	Shahdol	461.143	Full
14.	Belgaon	19	755	Kotma	Shahdol	553.333	Full
15.	Lohsara	21	929	Kotma	Shahdol	80.232	Part
16.	Kenapara	21	84	Kotma	Shahdol	206.110	Full
17.	Sobhnatola	21	982	Kotma	Shahdol	111.107	Full
18.	Dongaria-Kala	21	398	Kotma	Shahdol	625.937	Full
19.	Maintola	21	847	Kotma	Shahdol	484.529	Full
20.	Mahuwari Alias Mahuwari Khurd	21	877	Kotma	Shahdol	312.320	Part

Total Area : 10340.561 hectares (approximately)

OR

25551.52 acres (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION :

- A—B Line starts from point 'A' and passes along the eastern bank of river Kewal and meets on the common boundary of villages Koraya and Kothl at point 'B'.
- B—C Line passes along the northern boundary of villages Koraya, Keotar and Baharabandh, then proceeds along the north-western boundary of village Sajatola and meets at point 'C'.
- C—D Line passes along the eastern boundary of village Dhabaitola and north-eastern boundary of villages Jalsar, Belgaon and Bachhau and meets at point 'D'.
- D—E Line passes along the eastern boundary villages Bachhau and Thangaon and meets at point 'E'.
- E—F Line passes along the southern boundary of village Thangaon, then proceeds along the common boundary of villages Mahuwari Khurd and Sigudi and meets at point 'F'.
- F—G Line passes along the common boundary of villages Mahuwari Khurd, Bijuri, proceeds through villages Mahuwari Khurd, Lohsara and Bhagta, then along the easter boundary of village Kenapara and meets at point 'G'.
- G—A Line passes along the southern boundary of villages Kenapara, Dongaria Kala and Maintola and meets at the Starting point 'A'.

[No. 43015/1/85-CA]

का. भा. 1875—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किए जाने की संभावना

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जेंट और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस क्षेत्र में कोयले का पृथक्करण करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

उस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व/109/84 तारीख 25 जुलाई, 1984 का निरीक्षण सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय में या उपयुक्त हजारीगंग (बिहार) के कार्यालय में प्रयत्ना कोयला नियंत्रक, 1, फाउन्टल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नमूनों, नोटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से सन्ध्ये दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लि, दरभंगा हाउस, रांची को भेजेंगी।

अनुसूची

गिडी "क" उत्तरी बिस्तार ब्लॉक वशिणी कर्णपुरा कोयला क्षेत्र जिला हजारीबाग (बिहार)
पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि.

क्रम सं.	ग्राम	थाना	थाना सं.	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणियां
1. रेलीगारा		माई	34	हजारीबाग	310.00	भाग
2. मिसरैनमोरहा		"	33	"	244.00	"
3. कुरकुटा		"	35	"	690.00	"
4. गिडी		"	36	"	50.00	"
5. बारी		"	43	"	190.00	"
6. गरसूला		बड़कागांव	157	"	166.00	"
कुल क्षेत्र					1650.00 एकड़ (लगभग)	
					या 667.72 हेक्टर लगभग	

सीमा वर्णन

- क—ख रेखा, गरसूला ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
 ख—ख—ग रेखा, कुरकुटा ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
 ग—घ रेखा, कुरकुटा ग्राम से होकर जाती है [और रेल साईडिंग के लिए कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित क्षेत्र से मिलकर सम्मिलित सीमा बनाती है] और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
 घ—ङ रेखा, गिडी ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
 ङ—च रेखा, रेलीगारा और गिडी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
 च—छ रेखा, रेलीगारा ग्राम से होकर जाती है [जो दारी "ग" कोयला खान की पूर्ति के लिए अर्जित रेल साईडिंग के लिए उक्त अधिनियम की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित क्षेत्र से मिलकर सम्मिलित सीमा बनाती है] और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
 छ—ज रेखा, रेलीगारा और बारी ग्रामों से होकर जाती है [जो उक्त अधिनियम की धारा 9 (1) के अधीन अर्जित दारी "ग" कोयला खान से मिलकर सम्मिलित सीमा बनाती है] और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
 ज—झ रेखा, बारी ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।
 झ—ञ रेखा, मिसरैनमोरहा और बारी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।
 झ—ट रेखा, मिसरैनमोरहा ग्राम की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
 ट—ठ रेखा, रेलीगारा ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
 ठ—ड रेखा, रेली और मिसरैनमोरहा ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
 ड—क रेखा, मिसरैनमोरहा और कुरकुटा ग्रामों से होकर जाती है और भारतीय बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं० 43019/31/84 सी ए]

समय सिंह, प्रवर सचिव

S.O. 1675.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein,

The plan No. Rev/109/84 dated the 25th July, 1984 of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within 90 days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

Gidi 'A' North Extension Block
South Karanpura Coalfield
District Hazaribagh (Bihar)

(Lands notified for prospecting)

Serial No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area in acres	Remarks
1. Religara		Mandu	34	Hazaribagh	310.00	Part
2. Misrainmorha		"	33	"	244.00	Part
3. Kurkuta		"	35	"	690.00	Part
4. Gidi		"	36	"	50.00	Part
5. Dari		"	43	"	190.00	Part
6. Garsula		Barkagaon	157	"	166.00	Part
Total Area or					1650.00 acres (approximately) 667.72 hectares (approximately)	

BOUNDARY DESCRIPTION :—

A—B line passes through in village Garsula and meets at point 'B'.

B—B—C—D lines pass through in village Kurkuta and meets 'D'.

D—E line passes through in village Kurkuta and forms common boundary with the area acquired under section 9(1) section of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development Act, 1957) for Gidi Rly. Siding and meets at point 'E'.

E—E line passes through in village Gidi and meets at point 'E'.

E—F line passes along the part common boundary of villages Religara and Gidi and meets at point 'F'.

F—G line passes through village Religara (which forms common boundary with the area acquired U/s 9(1) of the said Act for Rly. siding acquired to serve Dari 'C' colliery and meets at point 'G'.

G—H line passes through villages Religara and Dari (which form a common boundary with Dari 'C' colliery acquired U/s 9(1) of the said Act and meets at point 'H'.

H—I line passes through village Dari and meets at point 'I'.

I—J line passes along the part common boundary of villages Misrainmorha and Dari and meets at point 'J'.

J—K line passes along the part common boundary of villages Misrainmorha and Religara and meets at point 'K'.

K—L line passes through village Religara and meets at point 'L'.

L—M line passes through villages Religara and Misrainmorha and meets at point 'M'.

M—A line passes through villages Misrainmorha and Kurkuta and meets at starting point 'A'.

[No. 43019/31/84-CA]

SAMAY SINGH, Under Secy.

बिल्सी विकास प्राधिकरण

(सर्वेक्षण एवं व्यवस्थापन यूनिट-1)

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1985

का. मा. 1876.—बिल्सी विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61)
की धारा 22 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में बिल्सी
विकास प्राधिकरण ने नीचे लिखी अनुसूची में उल्लिखित भूमि आगे

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को बिल्सी प्रशासन के स्टाफ क्वार्टर बनाने
हेतु हस्तांतरित करने के लिए भूमि एवं विकास कार्यालय निर्माण और
आवास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निपटान पर देने हेतु
केन्द्रीय सरकार के निपटान पर लौटा दी है।

अनुसूची

लगभग 13.10 एकड़ व 14.5 एकड़ (लगभग) माप के भूमि
खण्ड जो तिमारपुर में स्थित है, जिसकी स्थल संख्या 59 है और जो

अधिसूचना संख्या एम. प्रो. 1810 दिनांक 20-7-74 का प्रांशिक भाग है।

उपयुक्त भूमि खण्ड की सीमाएँ निम्नलिखित हैं:—

उत्तर में	सरकारी भूमि
दक्षिण में	खंबर पास मार्किट
पूर्व में	यमुना नदी
पश्चिम में	तिमारपुर

[म. एस. एण्ड टम. 33 (11)/80 एम. एस. प्रो (1) 108]
द० आठवीं सचिव,

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Survey & Settlement Unit-I)

New Delhi, the 28th March, 1985

S.O. 1676.—In pursuance of the provisions of Sub-section (4) of 22 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land and Development Office, Ministry of Works and Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Central Public Works Department for staff quarters to Delhi Administration.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 13.10 acres and 14.5 acres (about———) situated in Timarpur bearing plot No.——— Site No. 59 partly of notification S.O. 1810 dated 20-7-74.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : Govt. land.
South : Khyber Pass Market.
East : Jamuna River.
West : Timarpur.

[No. S&S 33(11)/80-ASO(I)/108]

Signature
illegible

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1985

का. प्र. 1677.—गोष्ठी कर्मचारी (रोजगार का विनियमन) अधिनियम 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उपधारा (3) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारत सरकार बम्बई हाक लेबर बोर्ड में केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपाध्यक्ष, बम्बई पोर्ट ट्रस्ट, बम्बई को उक्त हाक लेबर बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और यह निदेश देती है कि भारत सरकार, नौबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या का. प्र. 756 दिनांक 21 अक्टूबर, 1982 में निम्नलिखित संशोधन किया जाय, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में (i) “केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य” शीर्षक के तहत सब संख्या (i) के सामने “अध्यक्ष” के स्थान पर “उपाध्यक्ष” पढ़ा जाय,

(ii) पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा पढ़ा जाय, अर्थात् “2. केन्द्रीय सरकार उपाध्यक्ष, बम्बई पोर्ट ट्रस्ट की उक्त बोर्ड का अध्यक्ष नामित करती है”।

नोट:—मूल अधिसूचना का. प्र. संख्या 756 दिनांक 21-10-82 के तहत प्रकाशित हुई थी। इस अधिसूचना में निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किये गये थे :—

का. प्र. संख्या—4528 दिनांक 26-11-83

का. प्र. संख्या—649 दिनांक 14-2-1984

[का. सं. एल जी बी/37/83-यू एस (एल)]

सुदेश कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 6th April, 1985

S.O. 1677.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) and (4) of Section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby appoints the Deputy Chairman, Bombay Port Trust, Bombay, as a member representing the Central Government on the Bombay Dock Labour Board and directs that following amendments shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 766 dated the 21st October, 1982, namely :—

In the said notification (i) under the heading “Members representing the Central Government”, against item No. (1), the word “Deputy” shall be inserted between the words “The” and “Chairman”;

(ii) for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“2. The Central Government hereby nominates the Deputy Chairman, Bombay Port Trust as the Chairman of the said Board.”

NOTE.—The principal notification was published vide S.O. No. 756 dated 21-10-82. This was subsequently amended vide notifications mentioned below :—

S.O. No. 4528 dated 26-11-1983.

S.O. No. 649 dated 14-2-1984.

[F. No. LDB/37/83-US(L)]

SUDESH KUMAR, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1985

का. प्र. 1678—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने लादिविदि टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-4-85 में प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-4/85 पी एच बी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P&T Board)

New Delhi, the 6th April, 1985

S.O. 1678.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-4-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Laddivadi Telephone Exchange Tamil Nadu Circle.

[No. 5-4/85-PHB]

का. प्र. 1679—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक तार महानिदेशक ने तेलुगु

टेलीफोन केन्द्र में बिनांक 16-4-85 में प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-12/85 पी. एच. बी.]
अज्ञातमिह, सहायक महानिदेशक (पी एच बी)

S.O. 1679.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 16-4-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Betul Telephone Exchange M.P. Circle.

[No. 5-12/85-PHB]
B. R. SINGH, Asstt. Director General (PHB)

(अनुश्रवण संगठन)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1985

का. आ. 1680.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम, 10 के उप नियम (4) के अनुश्रवण में सचिव मंत्रालय के अनुश्रवण संगठन के अनुश्रवण केन्द्र भोपाल को, जिसके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या 9-अनु (10) 82]
र.ग. देवधर, निदेशक (बतार अनुश्रवण

(Monitoring Organisation)
New Delhi, the 27th March, 1985

S.O. 1680.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Monitoring Station, Bhopal, of the Monitoring Organisation of the Ministry of Communications, the staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi.

[No. 9-Mon.(10)|82]
R. G. DEODHAR, Director (Wireless Monitoring)

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय
(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1985

का. आ. 1681—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसर्ग में, केन्द्रीय सरकार ट्यूटिकोरिन पोर्ट ट्रस्ट, ट्यूटिकोरिन के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 23.3.85 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR
(Labour Department)
New Delhi, the 6th April, 1985

S.O. 1681.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial Dispute between the employers in relation to the management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd March, 1985.

BEFORE THIRU K. S. GURUMURTHY, B.A., B.L., PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)
Wednesday, the 6th day of March, 1985
Industrial Dispute No. 50 of 1982

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin)

BETWEEN

The workmen represented by
The General Secretary,
Tuticorin Port Trust Employees' Union,
52, St. Peter Civil Street, Tuticorin-628001.

AND

PRESENT :

The Chairman, Tuticorin Port Trust,
Tuticorin-628004.

REFERENCE :

Order No. L-44012(2)/81-D.IV(A), Ministry of Labour, dated 10-8-1982, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 19th day of September, 1984 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvallargal Aiyer and Dolia, and R. Arumugham, Advocates appearing for the workmen and of Thiru S. Krishnan, Advocate appearing for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

The Central Government by its Order No. L-44012(2)/81-D.IV(A), dated 10-8-1982, Ministry of Labour has referred the following dispute under Section 7A and Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication to this Tribunal.

(2) The dispute is :

"Whether the Tuticorin Port Trust were justified in redesignating Sarvasbri M. Balasubramaniam and M. George Londer Fernando, Electricians Grade-I and Shri V. Chellapandian, Driver (Water Barge) in the erstwhile minor port as Electricians Grade-II and as Driver-Grade-III respectively in the major port with retrospective effect from 1-4-76 and again in redesignating Shri V. Chellapandian as Greaser with effect from 1-4-1979 ? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

(3) On receipt of notice from this Tribunal, the parties appeared.

(4) The Union has filed a claim statement raising the following grounds to sustain its claim : The Petitioner Union represents substantial number of employees working in the Respondent Port. Before 1-4-1979 there existed two Ports called Tuticorin Port Trust and Port of New Tuticorin. The Port of New Tuticorin was under the control of the Central Government and was managed by the Ministry of Shipping and Transport. The Old Port was in existence for more than 100 years. The Tuticorin Port Trust is functioning as the largest Intermediate Port in India. It has handled more than one million tonnes of traffic per annum and the loading and unloading operations of cargo were taking place by means of lighterage vessels plying in between the ship's anchorage at the open roadstead about 6 kilo metres away from the shore (Port).

(5) During 1974, the Old Port Trust authorities made a move for the merger of the Tuticorin Port Trust with Port of New Tuticorin. The Tuticorin Port Trust was merged with the Port of New Tuticorin and an integrated Tuticorin Port Trust under the Major Port Trust Act, 1963 came in with effect from 1-4-1979. The erstwhile Tuticorin Port Trust in the meeting held on 5-3-1979 resolved that no change in the designation of staff was necessary. The staff of the erstwhile Tuticorin Port Trust were made to believe that they would be allowed to retain their designation even after the integration of merger of the Tuticorin Port Trust with the Port of New Tuticorin. The staff came to know that the Government of India formed a committee during November, 1975 consisting of two officials from the erstwhile Tuticorin Port Trust and two officials from the Port of New Tuticorin to go into various staff problems. Neither the staff of the

erstwhile Tuticorin Port Trust nor the Unions were informed about the constitution of the above said Committee. The Committee did not invite any representation from or heard the staff. The staff of the erstwhile Tuticorin Port Trust were informed during July, 1979 that based on the recommendations of the Staff Merger Committee certain posts were redesignated with effect from 1-4-1979.

(6) The Claimant submits that their service conditions cannot be prejudicially altered on the basis of the recommendations of the Staff Merger Committee. The alteration of the designation and pay scales of staff is illegal and arbitrary. The alteration of conditions of service is violation of Section 9A of the Industrial Disputes Act, 1947. Merger Committee has not dealt with the cases of Shri M. Balasubramanian and Shri M. George Londer Fernando, Electrician Grade-I and Shri V. Chellapandian, Driver (water barge). The Petitioner/Union by their letters dated 2-7-1980, 5-6-1981 and 21-1-1980 demanded that their cases should be considered and designate them as Electrician Grade-I and Operator (Electrical and Mechanical) respectively. Shri M. Balasubramanian was appointed as Electrician on 14-11-1969. By the order No. 368/A3/73-A, dated 25-3-1973 the erstwhile Tuticorin Port Trust has designated him as Electrician Grade I at the scale of Rs. 225-5-250-10-350. Shri M. Balasubramanian has been discharging the following duties and responsibilities before and after merger.

- (i) Attending to all electrical works like maintenance of H.T., L.T., and M.V. Panel Board, Workshop machineries like motors and welding transformers; extension of electrification, maintenance of electrical fittings and over head lines in the foreshore.
- (ii) Attending to the maintenance of Generator, motor and electrical fitting in the floating crafts.
- (iii) Attending to the maintenance of electrical machinery of Mobile Cranes.
- (iv) Attending to the maintenance of electrical fittings in all the departmental buildings.

Shri M. George Londer Fernando, was originally appointed as Helper on 15-1-1969. By the order No. 1020/Fstt/74-1, dated 16-10-1974 of erstwhile Tuticorin Port Trust he was promoted as Electrician in the place of one Shri I. Paulpandian. Subsequently promoted as Chief Electrician in the scale of Rs. 275-10-305-15-485. He was working as Electrician Grade I from 17-10-1974. He has been discharging the following duties and responsibilities before and after merger.

- (i) Attending to all electrical works like maintenance of H.T., L.T. and M.V. Panel board Workshop machineries like motors and welding transformers; extension of electrification, maintenance of electrical fittings and over head lines in the foreshore.
- (ii) Attending to the maintenance of Generator, motor and electrical fitting in the floating crafts.
- (iii) Attending to the maintenance of electrical machinery of Mobile Cranes.
- (iv) Attending to the maintenance of electrical fittings in all the departmental buildings.

(7) From the recommendations of the said "Staff Merger Committee", it is seen that the Committee has dealt with the case of Shri M. Balasubramanian only as Electrician. Shri M. George Londer Fernando is merely treated as Electrician only while he should have been treated as Electrician Grade I from the date of merger. These findings and recommendations of Committee have absolutely no basis. The Committee has not taken into consideration the nature of duties performed by Shri M. Balasubramanian and Shri M. George Londer Fernando and their qualifications.

(8) In the Old Port 5 years experience, is equated to Electrician Grade II. The New Port requires only one year experience. A reading of the report would show that the equation of posts has not been made on any rational or reasonable basis. The Electrician Grade I of the Old Port was equated to Electrician Grade II in the New Port. Electrician Grade-I of the Old Port had been performing duties of onerous nature and with more responsibilities. The Staff Merger Committee has failed to deal with the case of Shri M. Balasubramanian and Shri M. George Londer Fernando Electrician

Grade I of the Old Port properly by wrongly and erroneously redesignating them as Electrician Grade II. In view of the wrong redesignation the workmen are put to lot of humiliation and reduction in status and monetary loss. The correct promotional opportunities were also affected. These two workmen are to be equated and treated as Electrician Grade I of Major Port with effect from 1-4-1976 and should have been given the pay in the scale of Rs. 275-10-305-15-485 intended for Electrician Grade I in Major Port with effect from 1-4-1976.

(9) Shri V. Chellapandian was appointed as Driver in Water Barge on 8-11-1965. He discharged the following duties before merger :

"To pump the water from the ground level reservoir to the overhead tank by Electrical pump and then to Water barge at Shore. At the anchorage point, to supply the water from the Barge to the Steamers by operating two cargo pumps coupled with 2x40 H.P. Marine Diesel Engine. To attend minor repair then and there independently and incharge of the Engine Room without any assistance."

He has been wrongly redesignated as Driver Grade II from 1-4-1979 and again redesignated as Greaser. Shri V. Chellapandian is possessing all the requisite qualification required for the post of Operator (Electrical and Mechanical). There is no basis or warrant for the Respondent to redesignate him as Driver Grade III and as Greaser. The nature of duties performed by him and his qualifications have not been taken into consideration while redesignating him as Driver Grade III and thereafter as Greaser. He should have been given the pay in the scale of Rs. 260-6-326-EB-8-350 with effect from 1-4-1976. The said workman has been put into humiliation, reduction in rank and status and monetary loss. He is deprived of his further promotional avenues. The action of the Respondent is arbitrary and based on extraneous reasons and grounds. Shri V. Chellapandian is to be redesignated as Operator (Electrical and Mechanical) with effect from 1-4-1976 and he should be paid all the benefits with effect from 1-4-1976.

(10) The claim of the Union is resisted by the Management of Tuticorin Port Trust on the following grounds : The Petitioner Union does not represent substantial number of employees working in the Respondent Port Trust. Tuticorin Port Trust (Minor Port) provided facilities for handling cargo by means of lighters from the ships at the encourage. The Major Port of Tuticorin was handling ships at the alongside berths. The Government of India in consultation with the Government of Tamil Nadu, the Tuticorin Port Trust (Minor Port) and the Port of New Tuticorin (Major Port), constituted a Committee for working out the details of the integration of the staff of the Minor Port Trust. The two main recommendations made by the Committee relate to :

- (i) Equation of Central Scale of pay for the Staff of the Minor Port and the equation of posts in the Minor Port with comparable posts in the Major Port; and
- (ii) Formula for fixation of inter-se seniority and fixation of common seniority for the staff of Minor and Major Ports as on 1-4-1976 in accordance with the said formula.

The first recommendation was to bring the staff of the erstwhile Minor Port to the scale of pay applicable to the equally placed staff of the erstwhile Port of New Tuticorin at that time with effect from 1-4-1976. The equation of posts as well as fixation of equated pay scales for the staff of the Minor Port were made by the Committee, after taking into account the designations, duties and responsibilities attached to the posts as well as those performed by the incumbents and the qualifications and salary of the post. The Committee has decided that the inter-se seniority of the Staff on merger should be decided in a simple way and for that purpose the service rendered by an individual in a particular grade, irrespective of the fact whether it was temporary service, should be reckoned for the purpose of combined seniority of the integrated staff. It was further decided that when once the question of determination of pay scales had been done, the combined seniority would be determined on the basis of continuous regular service put in by the individual in the equated post. While fixing the combined seniority in the equated posts, the

Committee adopted the "Deemed Date" formula as, in its view, any of the other formulae, viz., "kicking-up", "kicking-down", and "Modified Grouping" would result in undue benefit to the staff of one organisation over the other. The Committee accordingly fixed the inter-se seniority of the staff of both the organisations in the equated posts as on 1-4-1976. The Unions of the erstwhile Minor Port were by and large satisfied with the fixation of pay recommended by the Committee when the same was implemented in 1976. In some cases the posts were redesignated. This was because of the difference in the organisational set-up, staffing pattern and the nomenclature of the posts between the Major Port and the Minor port : In no case the redesignation involved any hardship.

(11) Unless the equation of the pay scales and the redesignations recommended by the Committee in respect of the categories of posts where equation of posts and change in designation on the basis of duties and responsibilities, etc. were implemented, the staff of the Minor Port would stand to lose because they would be holding isolated posts without any avenues of promotions. This would not be conducive to the smooth merger of the staff of the Minor Port with the Major Port contemplated by the Government of India, Government of Tamil Nadu, Major Port of New Tuticorin and the Minor Port of Tuticorin. It is not correct to say that the staff of the Minor Port were not aware of the recommendations of the Staff Merger Committee since the pay scales recommended by the Staff Merger Committee were implemented by the Tuticorin Port Trust Board with effect from 1-4-1976. In fact, Shri M. N. Mascarenhas, the then Secretary of the Tuticorin Port Trust Employees Union, affiliated to the Indian National Trade Union Congress, in his letter dated 18-11-1976, addressed to the Port Officer and Secretary, Tuticorin Port Trust (Minor Port) with copy of the Chief Engineer and Administrator, Port of New Tuticorin, commenced on the implementation of the recommendations of the Staff Merger Committee. It was only on the basis of the telegram dated 13-11-76 received from the Tuticorin Port Trust Employees Union (INTUC) and the Tuticorin Port Trust Staff Union, a decision was taken that pending merger, promotion in both the organisation viz., Major and Minor Ports, might be resorted to among the respective senior of each organisation purely on an ad-hoc basis subject to the condition that the promotions would be reviewed on the intergration of both Ports.

(12) Section 9-A read with the Fourth Schedule of the Industrial Disputes Act, 1947, does not prescribe that change in designation is a condition of service. The pay scales of staff of various posts were revised upwards to bring them on par with the Third Central Pay Commission Pay Scales, enjoyed by the staff of the Major Port, with effect from 1-4-76. The claim of the Petitioner Union that the Staff Merger Committee had not dealt with the cases of Sarvashri M. Balasubramanian, M. George Londer Fernando, Electrician Grade II and V. Chellapandian, Greaser, is not correct. The Committee recommended that the Electrician in the Major Port in the Minor Port scale of Rs. 225-350 be equated to the post of Electrician Grade II and redesignated as such for the purpose of seniority. Two posts of Driver (Water Barge) in the Minor Port scale of Rs. 180-270 were in existence in the Minor Port. They were operating the pumps in the water barge. There was no work in the diesel engine for these employees. The Staff Merger Committee recommended that they might be equated to Driver Grade III and accordingly recommended the Central Third Pay Commission scale of Rs. 225-350. It further recommended that the incumbents be redesignated as Driver Grade III and that their seniority might be maintained as such.

(B) Shri M. Balasubramanian was not designated as Electrician Grade I in the scale of Rs. 225-350. Orders were issued to the effect that he would be treated as Electrician Grade I. It could be seen from the duties and responsibilities assigned to the Electrician of the Minor Port and the Electrician Grade II of the Major Port that the duties and responsibilities of the Electrician Grade II in the Major Port were more complicated and sophisticated in nature. The Petitioner-Union itself has accepted that Shri M. George Londer Fernando was promoted as Electrician and not as Electrician Grade I. The claim of the Petitioner-Union that this Shri George Londer Fernando was working as Electrician Grade-I is untenable. Shri M. Balasubramanian and M. George Londer Fernando were holding the post of Electrician and not that of Electrician Grade-I since the Minor Port had only two

grades viz., Chief Electrician and Electrician. The Chief Electrician of the erstwhile Minor Port was redesignated as Electrician Grade-I. This redesignation of the Staff Merger Committee has been accepted by all concerned. If the Chief Electrician could be designated only as Electrician Grade-I the feeder category could be designated only as Electrician Grade-II. It cannot be claimed that Sarvashri M. Balasubramanian and M. George Londer Fernando were holding the post of Electrician Grade-I. The said post held by one Shri I. Paulpandian in the erstwhile Minor Port was re-designated as Chief Electrician without any change in emoluments. There was no post of Electrician Grade-I and the Chief Electrician of the erstwhile Minor Port was redesignated as Electrician Grade-I. The lower functionaries i.e. Shri M. Balasubramanian and George Londer Fernando, who were holding the post of Electrician, could not be given any grade higher than that of Electrician Grade-II in the Integrated Port. The post of Chief Electrician which was carrying the Minor Port Scale of Rs. 275-480 was equated to the post of Electrician Grade-I which was carrying the Central scale of Rs. 330-480. It is denied that the Staff Merger Committee had wrongly and erroneously redesignated the Electrician Grade-I of the erstwhile Minor Port as Electrician Grade-II. The claim of the Petitioner-Union that in view of the wrong designation the workmen were put to lot of humiliation and reduction in status and monetary loss is denied. The total emoluments in the Central Scale is more than the total emoluments in the Minor Port Scale. The contention that their promotional opportunities were affected is also denied.

(14) The duty assigned to the Driver (Water Barge) was only to operate the pump in the Water Barge for supplying water to the ships. There is no record to show that the other duties as given in the claim statement were assigned to the Driver (Water Barge) officially. The water barge is not a self-propelled vessel. There is no engine in the water barge and there is no engine room in the water barge. The question of attending to the engine room without any assistance, therefore, does not arise. The recommendations of the Staff Merger Committee were implemented and Shri V. Chellapandian was redesignated as Driver Grade-III from 1-4-1979. Only in 1980 all the Drivers Grade-III in the Major Port were redesignated as Greaser but with retrospective effect from 1-4-1976 in view of the nature of duties performed by the Driver Grade-III. The Driver (Water Barge) Shri V. Chellapandian was drawing in the Minor Port Scale of Rs. 180-270. On redesignation he was given the Central Scale of Rs. 225-350. The contention of the Petitioner Union that in view of the wrong designation as Driver Grade-III and then as Greaser, the said workmen were put humiliation, reduction in rank and status and monetary loss is denied. The claim that this redesignation has deprived the workman of his further promotional avenues is also denied. The Driver (Water Barge) was an isolated post without any promotional avenues whatsoever. Now as Greaser he is eligible to be promoted as Driver Grade-II and Driver Grade-I. If he was redesignated as Operator (E and M) he would not have any promotional opportunities. The present designation given to Shri V. Chellapandian is highly advantageous to him.

15. All the 3 Claimants now represented by the Union have accepted the new scale of pay as recommended by the Committee without demur. It is not open to them, now to contend that the designation assigned to them is not correct. The claim of the Petitioner is unsustainable on law and on facts. It is therefore prayed that the same may be dismissed.

16. The Union filed a rejoinder raising the following additional grounds by way of reply to the counter. The allegation that the Petitioner Union does not represent substantial number of employees is hereby denied. The Committee has not taken into consideration the duties and responsibilities attached to the posts, rules of recruitments etc. It is incorrect to state that the staff as well as the Unions of the erstwhile Minor Port were by and large satisfied with the fixation of pay in the Third Central Pay Commission Scales. It is incorrect to state that in no case the redesignation involved any hardship. The Respondent themselves stated that there are some cases like that. It is for the Respondent to meet the grievance of the workmen and to take remedial measures to avert the hardship.

17. The Petitioner submits that the workmen should be heard before the integration of these two Ports. Their views and opinion should be obtained by consulting them. They have failed to do that. It is absolutely a violation of principles of natural justice committed by the Committee and the Respondent. It is incorrect to state that Section 9-A read with the Fourth Schedule of the Industrial Disputes Act does not prescribe that change in designation is a condition of service. The Committee has not dealt with the cases of Sri M. Balasubramanian, Sri M. George Londer Fernando and Sri V. Chellapandian. The Committee did not consider the question of fixation of Pay Scales, equation of posts in respect of the grades of these three workmen. It is equally false and incorrect to state that the employees also accepted the scale without demur. It is incorrect to state that there was no work in the diesel engine for Sri V. Chellapandian. There are 2x40 H.P. Kirloskar BM 4 Engines in the Water Barge. It is incorrect to state that Sri M. Balasubramanian was not designated as Electrician Grade-I. The scale of pay of Sri M. Balasubramanian has been revised on par with Electrician Grade-I viz. 225-350. It is not correct to state that there was only two grades, viz., Chief Electrician and Electrician. On the basis of documentary evidence it is clear that there are two posts, Chief Electrician and Electrician Grade-I.

18. Had the Committee considered the post of Chief Electrician of Minor Port which is equivalent to the post of Chagemen of Major Port, the Committee would have equated the post of Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando to Electrician Grade-I. No prejudice could be caused to the Respondent by equating these two workmen as Grade-I instead of Grade-II. The duties and responsibilities of Chief Electrician and Electrician Grade-I given in the counter statement are not correct. The Respondent has lost sight of the recruitment rules, duties and responsibilities of the post held by the workmen. Due to this wrong equation, their promotional opportunities were/are affected. The particulars of work performed by the Driver (Water Barge) are as given in the claim statement. This workman Sri V. Chellapandian is the person to operate this engine along with other workers. His duty was only operating the Pump with 2x40 H.P. Engine of Kirloskar BM 4 Model. Sri V. Chellapandian is possessing the requisite qualifications prescribed for the post of Operator (E and M). If he was equated to the post of Operator (F and M) the scale would be Rs 260-350. It will show there was monetary loss. It is incorrect to state that the designation given to Sri M. Balasubramanian, Sri M. George Londer Fernando and Sri V. Chellapandian are in accordance with the terms of reference of the Staff Merger Committee. The promotional opportunities would be fully available to these 3 workmen if they are correctly redesignated as Electrician Grade-I and Operator (F and IF) respectively.

19. The Management again filed its counter to the rejoinder statement of the Union and raised the following grounds of objection. The denial by the Petitioner of knowledge of the appointment of the Committee is an exercise in futility. The plea of lack of knowledge has been falsely got up by the Petitioner-Union to serve its own purpose. There were three employees under the erstwhile Port Trust in the category of Electricians and after the merger, all the three of them have been redesignated as Electricians Grade-II as recommended by the Merger Committee. The dispute raised by Sri Balasubramanian and Sri George Londer Fernando is therefore baseless and is malafide. The redesignations of the three individuals as Electrician Grade-II and Driver Grade-III have been made with effect only from 1-4-1979 and their redesignations have not been given retrospective effect from 1-4-1976. The Petitioner has no right to raise in these proceedings any issues relating to the Merger Committee or its recommendations. Such issues are fully and clearly beyond the scope of the Reference. The Petitioner's contention as if there were two categories as Chief Electrician and Electrician Grade-I in the Minor Port is not correct. There was no category at all as Electrician Grade-I. No reliance can be placed on the Memo No. 368/A3/73-1 dated 25-5-1973 in support of the present claim in favour of Sri M. Balasubramanian. The report of the Merger Committee only shows that only two categories of posts of Chief Electrician and Electrician were available in the Minor Port and not any category as Electrician Grade-I. The claim made in favour of Sri M. 27 GI/85-11

Balasubramanian basing reliance on the memo referred to is also clearly belied by the entries in the Service Register maintained in the Minor Port. He has been working only as Electrician even after the date of issue of the memo and not as Electrician Grade-I at any time. Sri M. Balasubramanian who was categorised as Electrician Grade-II with effect from 1-4-1979 in the Integrated Port Trust has been promoted as Electrician Grade-I on 19-10-1979.

20. The redesignation does not constitute a change in condition of service contemplated in Section 9A of the Industrial Disputes Act and no notice thereunder is therefore necessary as contended by the Petitioner. Fundamental Rules and Supplementary Rules, Leave Rules and other Rules and regulations that may be notified in this behalf by the appropriate Government in the Official Gazette are applicable to the employees under the Management/Tuticorin Port Trust by virtue of the Tuticorin Port Trust (Adoption of Rules) Regulations 1979 and they were applicable to the employees under the erstwhile Tuticorin Port Trust Board (of Minor Port) by virtue of the Resolution of the said Board No. 160 dated 5-6-1936 read with Tamil Nadu Government G.O. No. 182, Finance (Marine) Dated 21-3-1936. The provisions of Section 9-A of the Industrial Disputes Act are therefore not applicable to the workman concerned as laid down in the proviso to Section 9-A.

21. MW-1 and WW-1 and WW-2 were examined, Exs. M-1 to M-39 and W-1 to W-8 were marked. I have heard the learned counsel for the Union and the learned counsel for the Management.

22. The point for consideration is whether the redesignation of Sarvasri M. Balasubramanian and M. George Londer Fernando as Electricians Grade-II and the re-designation of Sri V. Chellapandian, Driver (Water Barge) as Driver Grade-III respectively and later the redesignation of Sri V. Chellapandian as Greaser is justified.

23. The Union espoused the cause of three individual workmen, namely, Sarvasri M. Balasubramanian and M. George Londer Fernando who are electricians and Sri V. Chellapandian, the Driver (Water Barge). The grievance of these workmen as the very reference suggests is that after the merger of the old Tuticorin Minor Port with the Major Port, Sarvasri Balasubramanian and George Londer Fernando were re-designated as Electricians Grade-II. But they should have been re-designated as Electricians Grade-I in the Major Port. It is clear from the documentary evidence that Sri Balasubramanian has been promoted as Electrician Grade-I from 19-10-1979 but then his grievance is that he should have been re-designated as Electrician Grade-I as on the date of the merger of the Minor Port Trust and the formation of the Major Port. It should be mentioned that the new Port of Tuticorin was declared a Major Port on 11-7-1974. The merger and the formation of the Major Port actually occurred on 1-4-1979. By reason of the formation of the Major Port, the staff employed under the erstwhile Minor Port had to be absorbed and they were to be classified and re-designated under the Major Port. For the purpose of carrying out the above mentioned work, the Representative of the Central Government, the Representative of the Tamil Nadu Government, the Representative of the Minor Port Trust all met at Delhi and a decision was taken that a Staff Merger Committee should be constituted. This is evidenced by Ex M-5. This Ex M-5 has also provided guidelines regarding the factors to be taken into consideration for the purpose of equating the categories of posts in the Minor Port with the categories of posts available in the Major Port. It is not permissible to the parties to challenge the constitution of this Committee or to challenge the report submitted by this merger committee. This Tribunal is expected to focus its attention only to the grievance of the Union that the individual workmen were not properly classified and re-designated. From the report of the Merger Committee marked as Ex M-20, it becomes clear that the Merger Committee has taken into consideration the post held by the individual staff in the Minor Port, the duties and responsibilities referable to the particular post or posts, the scale of pay fixed for that post and the qualification prescribed for the particular post. The Merger Committee has endeavoured to fix the particular post by equating it to the available post in the Major Port. When this yardstick had been applied for the equation of

the post in the Minor Port with the post in the Major Port for all the categories it will not be open to the individual workmen to challenge the reasonableness or the propriety of the yardstick adopted by the Merger Committee. It is impossible to conceive of any other criterion for equating the posts. When the organisational set up is being changed, the posts available in the erstwhile organisation will have to be fitted up to the equivalent posts available in the new organisation. If in the process of equation, any injustice by way of reduction in status or reduction in emoluments or obstruction in the area of promotion is inflicted certainly the individual concerned can make a grievance of it and seek redressal. It should be observed that the learned counsel appearing for the Union has not been able to establish that in equating the posts held by the Electricians Sarvasbri Balasubramanian and George Londer Fernando there had been any injustice done to them by way of reduction in the salary or obstruction in the promotional chances.

24. WW-1 in his evidence admitted that he joined the Minor Port as Electrician in the year 1969. Before the merger he was Electrician Grade-I in the Minor Port. He has also admitted that Sri George Londer Fernando was also Electrician Grade-I in the Minor Port. After the merger WW-1 (Sri M. Balasubramanian) had been redesignated as Electrician Grade-II and that has affected his salary and his promotion. This portion of the evidence of WW-1 is demonstrated to be incorrect. In fact in the course of cross-examination, this WW-1 admitted that in the Minor Port Sri Paul Pandian was in a higher grade and this WW-1 was in a lower grade. It emerged from the records that Sri Paul Pandian had been re-designated in the Major Port as Electrician Grade-I. It is therefore not proper and just for this WW-1 to claim that he should also be equated to the post of Electrician Grade-I, particularly because he was holding a grade lower than the grade held by Sri Paul Pandian in the Minor Port. He admitted that he is now getting more salary and more Dearness Allowance than what he was getting before the merger. This should demolish his grievance in the chief examination that by reason of the re-designation his salary has been affected. He also admitted that after the integration and re-designation he is given leave-cum-travel concession and housing facility. He would admit that prior to the integration in the Minor Port, there were two categories of Electricians, namely, Chief Electrician and Electrician Grade-I.

25. It becomes necessary to consider as what exactly the designation that these Sarvasbri Balasubramanian and M. George Londer Fernando were holding in the Minor Port. Ex. M-1 is the Service Book of Sri Balasubramanian. The entries in the service Book show that he became Electrician in the year 1969 and he was made a permanent Electrician Grade-II sometime in November, 1971. There is absolutely no entry in the Service Book of Sri Balasubramanian that in the erstwhile Minor Port he was designated as Electrician Grade-I. As has been earlier indicated it is only after the merger and on a vacancy arising, Sri Balasubramanian had been promoted as Electrician Grade-I on 19-10-1979. This is also covered by the entry in the Service Book Ex. M-1. Ex. M-33 is the Service Book of in the Service Book Ex. M-1. Ex. M-33 in the Service Book of Sri George Londer Fernando and the entries in the Service Book show that only in October, 1974 he became Electrician and prior to that he was only a Helper. Nowhere the entries in the Service Book Ex. M-33 indicate that this Fernando while he was in service in the Minor Port was designated as Electrician Grade-I. Contrary to the entries found in Ex. M-1, the Service Book of Sri Balasubramanian, the entries in the Service Book Ex. M-33 relating to Sri George Londer Fernando suggest that there were Electricians Grade-II in the Minor Port. Nevertheless the entries in the Service Book of these two individuals Sarvasbri Balasubramanian and George Londer Fernando do not support the claim that in the Minor Port they were designated as Electricians Grade-I. Sri Balasubramanian had been designated as Electrician Grade-I for the first time after the merger and on his promotion on 19-10-1979. In fact, Ex. M-26 addressed to the General Secretary of the Tuticorin Port Trust Employees Union by the Chairman, Tuticorin Port Trust Administrative Department makes it clear that the Merger Committee in its report recommended the re-designation of the post of Chief Electrician in the Minor Port as Electrician Grade-I and the re-designation of the

post of Electrician in the Minor Port as Electrician Grade-II in the Major Port. Sri Balasubramanian was only an Electrician and he was re-designated as Electrician Grade-II and later he was promoted as Electrician Grade-I. Ex. M-27, a report from the Tuticorin Port Trust Engineering Department makes it abundantly clear that as per the records in the office of the Tuticorin Port Trust Sri George Londer Fernando was appointed as Electrician in the Minor Port from 17-10-1974, and he was never an Electrician Grade-I. In the Minor Port, there were only two categories of posts, namely, Chief Electrician and the Electricians. The representation made on behalf of the employees that the re-designation of these individuals after the merger is incorrect, had been rejected under Ex. M-27. Ex. M-38 makes it clear that Sri M. Balasubramanian expressed his grievance when Sri Paul Pandian was appointed as Chief Electrician and he sought permission of the department to seek remedy in the court of law. Under Ex. M-39, the Port Trust authorities have made it clear that this Sri Balasubramanian was the junior most Electrician and he had not put in sufficient service for promoting him to the post of Chief Electrician. He was permitted to move the Court if he so desired. Though the entries in the Service Book are not very clinching to prove that in the Minor Port there were two categories as Chief Electrician and Electricians Grade-I, Ex. W-1 suggests that the Tuticorin Port Trust informed the three individuals Sri T. Paul Pandian, Sri S. Periasamy and Sri M. Balasubramanian that the scale of pay had been revised on par with Electrician Grade-I from 1-3-1975 pursuant to the Board's Resolution No. 53 dated 5-3-1973 and those three individuals will be treated as Electricians Grade-I. Therefore Ex. W-1 shows that they were only treated as Electricians Grade-I and there is no record to indicate that they were appointed as Electricians Grade-I. Ex. W-1 concludes that Sri Balasubramanian never became Chief Electrician nor he was appointed as Electrician Grade-I. Ex. M-18 contains the resolutions passed by the Board of the Tuticorin Port Trust. This Ex. M-18 at page 5 indicates that the Tuticorin Port Trust was having an Electrical Supervisor and three Electricians of whom one is Grade-I and the other two are Grade-II. There had been a proposal that the Electrician Grade-II may be treated as Grade-I and the scale of pay of Electrician Grade-II may be revised on par with Electrician Grade-I. This particular proposal had been put down for consideration of the Board in March, 1973. This would support the contention that in the Minor Port there were two categories of posts, namely, Electricians Grade-I and Electricians Grade-II. But then there is no order appointing Sri Balasubramanian and George Londer Fernando as Electricians Grade-I under the Minor Port. Ex. M-19 is the minutes of the Board's meeting of the Tuticorin Port Trust. The endorsement at page 20 under item No. 279 of Ex. M-19 indicates that the proposal for creating the post of Chief Electrician was put up by the Secretary's note dated 1-10-1974 and the approval was sought for that proposal. The report makes it abundantly clear that in the Minor Port, the electrical section comprised of one Junior Engineer (Electric) and three Electricians considering the various aspects, particularly the work done by the Electricians. It was recommended that a post of Chief Electrician may be created from 14-10-1974. The minutes at page 5 of Ex. M-19 make it clear that this proposal seeking approval for creating the post of Chief Electricians had been accepted. It is by reason of this approval the post of Chief Electrician had been created from 1-10-1974.

26. Ex. W-4 is the office order of the Tuticorin Port Trust dated 16-10-1974 and by that order Sri Paul Pandian, the Senior Electrician has been promoted as Chief Electrician in the scale of Rs. 275-10-305-15-485 plus usual allowances. Under the same order, Sri M. George Londer Fernando, the Helper had been promoted as Electrician from 16-10-1974. Therefore after the sanction of the Chief Electrician post, the seniormost Electrician Sri Paul Pandian had been promoted to that post. As earlier indicated, WW-1 admitted that Sri Paul Pandian was holding a higher grade in the Minor Port. Ex. W-2 makes it very clear that Sri Paul Pandian was appointed as Electrician on 2-8-1962 and Sri Periasamy was appointed as Electrician on 2-8-1965 while Sri M. Balasubramanian was appointed as Electrician on 14-11-1969. Therefore Sri Paul Pandian was definitely senior to Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando and has been rightly promoted as Chief Electrician when the post was sanctioned and created. Ex. W-3 makes it clear that in the Minor Port there were three posts

of Electricians and the Board sanctioned with effect from 1-10-1970, the upgrading of one of the posts of Electricians as Grade-I and the other two as Grade-II. The Board in its Resolution No. 58, dated 2-4-1973 has sanctioned the upgrading of the two posts of Electrician, Grade-II to that of Grade-I with effect from 1-3-1973. Pursuant to this Board's sanction these two individuals Sri Periasamy and Sri M. Balasubramanian were informed that they would be treated as Electricians Grade-I and then pay will be revised on par with Electrician Grade-I. Therefore to repeat, these individuals Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando have not placed any record to show that they were appointed as Electricians Grade-I in the Minor Port. Ex. M-16 contains the minutes of the special meeting of the Tuticorin Port Trust Board. The revised pay scales rules were approved and the revised pay was to be implemented from 1-4-1976. This Ex. M-16 also contains details about the two types of posts of Electricians, namely, Chief Electrician on the pay scale of Rs. 275-10-305-15-485 and the Electrician on the pay scale of Rs. 225-5-250-10-350. They do not suggest that there were posts of Electrician Grade-I and Electrician Grade-II with any particular scale of pay. Therefore the documentary evidence makes it clear that these two individuals Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando were not at any time appointed and they did not at any time discharge the functions of Electrician Grade-I under the Minor Port. The Minor Port after taking various aspects into consideration had treated these Sri M. Balasubramanian and two others as Electricians Grade-I and re-fixed their pay on par with Electrician Grade-I.

27. The learned counsel appearing for the Union contended that for this integration of the posts there was no representation on behalf of the labour and the Labour Union was not informed of the same. It is true MW-1 admitted that in the Merger Committee there was no one representing the workers. The workmen were not informed about the constitution of the Merger Committee in writing but he asserted that the constitution of the Merger Committee was known to the workmen. Ex. M-11 is a letter dated 18-11-1976 by the Tuticorin Port Trust Employees Union to the Port Officer and Secretary, Port Trust, Tuticorin. That letter indicates that the Union was aware of the steps taken for the merger of the Port Trust with the Port of New Tuticorin by April, 1977. The letter further indicates that the Union was aware that the committee was constituted by the Government of India to study the problems of the employees before the merger, and the pay scales to the employees were revised on the decision of the merger committee. In the face of this letter and the evidence of MW-1 it is futile for the Union to contend that this equation of posts and the revision of pay scales had been done without their knowledge.

28. MW-1 in his evidence has made it clear that he was Assistant Secretary under the Minor Port. It became Major Port on 11-7-1974. In the Minor Port according to MW-1 Electricians were two kinds, Chief Electrician and Electrician Simpliciter. He denied that there was any post of Electrician Grade-I in the Minor Port. In the Major Port according to MW-1 there are only two categories, Electrician Grade-I and Electrician Grade-II. The Chief Electrician in the Minor Port was taken as Electrician Grade-I and the Electrician in the Minor Port had been taken as Electrician Grade-II in the Major Port. He asserted that Sri Paul Pandian was the only Chief Electrician in the Minor Port and he was taken as Electrician Grade-I in the Major Port. The re-designation was implemented according to MW-1 from 1-4-1979. He has made it clear that the post of Electrician Grade-I in the Minor Port was found to be incorrect and it was corrected in 1974 and the post was created as Chief Electrician. In fact he has made it clear that Sri M. Balasubramanian applied to the Port Trust to take him as Chief Electrician, but the Port Trust refused under Ex. M-39 order. He would assert that the re-designation of posts had been communicated to each individual worker. He emphatically refuted the suggestion that Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando were Electrician Grade-I in the Minor Port. The Merger Committee's Report Ex. M-20 makes it abundantly clear that in equating the posts that prevailed in the Minor Port with the posts that were available in the Major Port the Committee took into consideration the pay scale, the duties and responsibilities and the qualifications. At page 31 of Ex. M-20, it is made clear that in the Minor Port, one Chief Electrician

was employed and the duties and responsibilities of the Chief Electrician in the Minor Port on the basis of the records according to the Merger Committee were comparable to the post of Electrician Grade-I in the Major Port. The resolution of the Board approving the creation of the post of Chief Electrician in Ex. M-19 indicates that the pay scale for Chief Electrician was fixed at Rs. 275-10-305-15-485. Merger Committee had applied its mind to the duties and responsibilities of the Chief Electrician in the Minor Port and to the pay scale fixed for the Chief Electrician in the Minor Port. On the basis of those factors, the Merger Committee has recommended to equate the post of Chief Electrician to the post of Electrician Grade-I and the Merger Committee has recommended the pay scale at Rs. 330-8-370-10-400-EB-10-480. It is impossible to say that this equation of the post of Chief Electrician in the Minor Port to the post of Electrician Grade-I which was available and equivalent to the post in the Major Port is irrational or unjustified. The incumbent in the post of Chief Electrician in the Minor Port does not lose financially and there is no indication that his promotional chances on his re-designation as Electrician Grade-I had become affected. The Merger Committee Report Ex. M-20 at page 36 deals with the post of Electricians in the Minor Port. The Electricians in the Minor Port were on the scale of Rs. 225-5-250-10-350. Taking their function responsibilities and the qualification and comparing them with the functional responsibilities of Electricians Grade-II and the pay scale of Electrician Grade-II in the Major Port, the Merger Committee had recommended that the Electricians in the Minor Port should be equated to the Electricians Grade-II in the Major Port and the Merger Committee had recommended their pay to be fixed in the scale of Rs. 260-6-326-EB-8-350. Here also, the factors that had been taken into consideration are quite reasonable and there is nothing to suggest that in the emoluments, the Electricians after re-designation as Electricians Grade-II in the Major Port stand to lose financially and there is no indication that their promotional chances have become affected. When in the new organisation major port the posts available are only Electricians Grade-I and Electricians Grade-II and the scale of pay for those two categories and the duties responsibilities of those two categories are comparable to the scale of pay and duties and responsibilities of the Chief Electrician and the scale of pay and duties and responsibilities of Electricians in the Minor Port respectively it is impossible to countenance the contention that the Electricians in the Minor Port should be designated as Electricians Grade-I in the Major Port. There is no suggestion by the learned counsel appearing for the Union how then the Chief Electrician who is on par with the Electrician Grade-I in the Major Port should be re-designated. That would show the fallacy of the claim of these individuals who are only Electricians or Electricians Grade-II in the Minor Port that they should be equated to the Electricians Grade-I in the Major Port.

29. It is also pertinent to point out that on the re-designation of the posts, these individual workmen were asked to exercise their option to accept their revised scale of pay. MW-1 in his evidence admitted that in Ex. M-2 he has signed in token of his consent to accept the revised scale of pay after the merger. He admitted that most of the workers who were taken in the Major Port had their job names changed. I have already indicated that this MW-1 admitted that he is better placed in the Major Port salary-wise, Dearness Allowance-wise and he is given the benefit of leave-cum-travel concession and housing. Therefore he has exercised his option in favour of accepting the change of designation and the revision of pay scale. Similarly Ex. M-4 is a record to show that Sri M. George Londer Fernando had given his consent for the change in the designation and the revision in the scale of pay. Exs. M-23 to M-28 are the circulars sent to each individual employee regarding the re-designation. Ex. M-26 confirms that each workman was given a circular regarding change of designation. When Sri Balasubramanian admitted in his evidence that he is entitled to the post lower than Sri Paul Pandian is entitled, it is not open to Sri Balasubramanian to say that he should be re-designated as Electrician Grade-I which is equivalent to the post of Chief Electrician in the Minor Port which this Sri Balasubramanian never held. Thus the analysis to the evidence oral and documentary makes it very clear that these two individuals Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando never held the post of Chief Electrician. There is no clinching documentary evidence to prove

that they were appointed as Electrician Grade-I in the Minor Port. The duties and responsibilities of the Chief Electrician in the Minor Port and the duties and responsibilities of Electrician Grade-I in the Major Port as enumerated in the Merger Committee's Report indicate that they are almost identical. Similarly the duties and responsibilities of Electrician or Electrician Grade-I in the Minor Port and the duties and responsibilities of Electrician Grade-II in the Major Port as enumerated in the Merger Committee's Report Ex. M-20 appear to be identical. Therefore the equation of the post of Chief Electrician in the Minor Port to the post of Electrician Grade-I in the Major Port when the emoluments are on the higher side after the merger has got to be held as rationale and completely justified. Similarly the equation of the post of Electrician in the Minor Port with the post of Electrician Grade-II in the Major Port when the emoluments in the Major Port to the Electrician Grade-II are definitely better has got to be upheld as reasonable, rational and just. Having accepted the re-designation and the provision of pay sometime in 1977 it appears to be unreasonable and improper, though the workmen are not estopped, to raise the dispute in the year 1981. Therefore the claim of the first two individuals Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando that they should be re-designated in the Major Port as Electricians Grade-I is unjust. Their in the Major Port as Electricians Grade-I is unjust. Their chances are also affected has absolutely no merit and has got to be rejected.

30. Coming to the case of the third individual Sri V. Chellapandian. His Service Book is Ex. M-3. The entries in Ex. M-3 show that in 1965 he was appointed as Driver (Water Barge). The pay scale of this Driver (Water Barge) in the year 1976 is indicated to be Rs. 225-5-260-6-326-EB-8-350. It emerges from the evidence that his job was to pump water. In 1970, this post of Driver (Water Barge) was in the scale of pay at Rs. 80-2-110 in the Tuticorin Port Trust and on 5-5-1971 Sri V. Chellapandian has accepted this scale of pay. In evidence, Sri Chellapandian as WW-2 admitted that he was a Driver in the Minor Port. He was doing the job of Water Barge. The Merger Committee in its Report Ex. M-20 at page 42 deals with the post of Drivers (Water Barge). It has expressed that the Drivers are engaged on water barge at the Minor Port and they are, more or less, doing the job of a pump operator. The duties and responsibilities discharged by those Drivers (Water Barge) in the Minor Port the Merger Committee on the basis of records has considered to be equivalent to the duties and responsibilities of Driver Grade-III in the Major Port. Taking into consideration these aspects and the scale of pay of Drivers (Water Barge) which was Rs. 180—270, the Merger Committee has recommended to equate these Drivers (Water Barge) to the post of Driver Grade-III and has recommended the pay in the scale of Rs. 225-5-260-6-326-EB-8-350. It is impossible to say that this equation based upon the financial aspect and the responsibilities of the job and the pay scale is in-equitable or irrational. WW-2 had to admit that after he was re-designated in the Major Port he was given house for residence and his salary became increased. He is having the benefit of leave-cum-travel concession. In fact, he admitted that he exercised his option to accept the salary in the revised scale and signed in Ex. M-4. However, in the case of Sri V. Chellapandian, the Port Trust has further designated him as Greaser. The Merger Committee's Report Ex. M-20 indicates that as Driver (Water Barge) he has to operate the pump in the water barge for supplying water to the ship. The same is the work of Driver Grade-III in the Major Port. For Driver (Water Barge) the scale of pay is Rs. 180—270 and in the re-designated post of Driver Grade III in the Major Port the scale of pay is Rs. 225-5-260-6-326-EB-8-350. But for the post of Greaser in the Minor Port, the scale of pay was Rs. 170—255 and in the redesignated post, the scale of pay is less and the work that is to be done by the Greaser is under the Engineer and to assist the Driver in his duties and he is responsible for the proper maintenance of the machinery. There is total variation in the job responsibilities and the pay scale is adverse to the interest of the individual. Therefore it becomes necessary to observe that as recommended by the Merger Committee, Sri V. Chellapandian who was Driver (Water Barge) in the Minor Port should be re-designated as Driver Grade-III in the Major Port and further designation as Greaser is not in accordance with principles of natural justice as that designation affects the in-

terest of the incumbent and therefore should be declared as invalid.

31. The learned counsel appearing for the Union contended that this re-designation amounts to change in service condition, and notice ought to have been given under Section 9-A of the Industrial Disputes Act, 1947. The Respondent has not given notice and therefore the re-designation is against law and should be struck down. I am afraid that by striking down the re-designation, no benefit is going to accrue to the individual workers. It is one thing to say that they should be re-designated in a higher grade, but it is entirely a different thing to say that the designation as such should be struck down. That apart, the argument itself is not acceptable in law. The records and the evidence in this case make it abundantly clear that these employees of the Major Port are governed by the Service Rules like Fundamental Rules and Government Servants Conduct Rules are also made applicable to the employees of the Major Port at Tuticorin. That being the case, the application of Section 9-A of the Industrial Disputes Act will be taken away by the proviso to Section 9-A. The proviso makes it clear that where the workmen to be affected by the change are the persons to whom the fundamental and supplemental rules, etc. apply then the notice contemplated by Section 9-A is not necessary. Therefore that objection of the learned counsel appearing for the Union is repelled.

32. In the result, an award is passed rejecting the claims of Sri M. Balasubramanian and Sri M. George Londer Fernando for re-designating them as Electricians Grade-I in the Major Port and so far as Sri Chellapandian is concerned, his re-designation as Driver Grade-III as recommended by the Merger Committee alone should be maintained and his designation as Greaser is declared to be unsustainable. However, there will be no order as to costs.

Dated, this 6th day of March, 1985.

K. S. GURMURTHY, Presiding Officer

WITNESSES EXAMINED

For workmen :

- WW-1—Thiru M. Balasubramanian.
- WW-2—Thiru V. Chellapandian.

For Management :

- MW-1—Thiru K. John.

EXHIBITS MARKED

For workmen

- W-1/25-5-73—Memo issued to I. Paul Pandian and 2 others by the Management. (true copy).
- W-2/12-2-74—True copy of written statement of the Management before the Labour Officer.
- W-3/5-7-74—True copy of G.O. Rt. No. 1225, Labour and Employment, dated 5-7-1974.
- W-4/16-10-84—True copy of office order of the Management regarding promotion of Electrician and Helper.
- W-5/5-5-75—True copy of D.O. letter of State Port Officer addressed to Mr. Paul.
- W-6/20-5-75—True copy of D.O. Letter from the C.E. and Administrator, Port of New Tuticorin to Capt. Ramachandian.
- W-7/20-11-76—True copy of letter from the Port Officer, Tuticorin to the Secretary of the Union.
- W-8/3-7-72—Xerox copy of telegram from the Port Officer, Tuticorin to the Union.

For Management

- M-1—Service Book of Thiru M. Balasubramanian.
- M-2—Optional form given by M. Balasubramanian.
- M-3—Service Book of V. Chellapandian.
- M-4—Optional form dated 9-3-1976.
- M-5/17-12-75—Formation of Committee to work out of the details of integration of services.
- M-6/30-12-75—Ministry of Shipping and Transport, New Delhi regarding integration of minor port of Tuticorin.

- M-7/24-11-75—Minutes of the meeting held on 24-11-75 regarding integration of Minor Port of Tuticorin with the Major Port of New Tuticorin.
- M-8/5-1-76—Minutes of the monthly ordinary meeting No. 1 of the Tuticorin Port Trust.
- M-9/5-3-79—Monthly ordinary meeting agenda item No. 64 of the monthly ordinary meeting No. 3 of the Minor Port held.
- M-10/30-11-76—Letter from S. K. Comal, Director, Ministry of Shipping and Transport, New Delhi to Shri D. I. Paul.
- M-11/18-11-76—Copy of letter from Tuticorin Port Trust Employees' Union to the Management.
- M-12/5-6-1936—Xerox copy of minutes of the monthly ordinary meeting No. 6 of the Board held on 5-6-36.
- M-13/20-8-1976—G.O. Ms. No. 1954, P.W.D. (Marine), (true copy)
- M-14/3-5-76—Minutes of the monthly ordinary meeting No. 5 of the Tuticorin Port Trust Board held on 3-5-76.
- M-15/2-8-76—Addl. agenda for the monthly ordinary meeting No. 8 agenda 236 of the minor port.
- M-16/9-3-76—Minutes of the special meeting No. 2 of the Tuticorin Port Trust Board, (Item 78)
- M-17/20-4-71—Notice regarding special meeting to be held on 22-4-76 regarding item 111 and 112.
- M-18/26-3-73—Notice regarding ordinary meeting No. 4 to be held on 2-4-73.
- M-19/1-10-74—Notice for meeting No. 10 to be held on 7-10-84—at Tuticorin Port Trust.
- M-20/1976—Staff merger committee report dated 17-12-75 for the merger of staff of the Tuticorin Port Trust with the Port of New Tuticorin.
- M-21/1978—Report on the mechanics of merger of the Tuticorin Port Trust (Minor Port with the Port of New Tuticorin).
- M-22/30-3-79—Circular No. 11/Con/79 regarding merger of Tuticorin Port Trust and Port of New Tuticorin-matters relating to staff.
- M-23/2-7-80—Copy of letter from INTUC/Union to the Asst. Labour Commissioner/Central, Madras
- M-24/21-11-80—Copy of letter from INTUC/Union to the Asst. Labour Commissioner/Central, Madras.
- M-25/7-1-81—Copy of letter from the INTUC/Union to the Management.
- M-26/16-3-81—Copy of letter from the Management of Tuticorin Port Trust to the General Secretary of the Union, (INTUC).
- M-27/25-3-81—Copy of letter from the Chief Engineer to the Union Secretary regarding wrongful re-designation.
- M-28/25-3-81—Copy of the letter from the Tuticorin Port Trust to the Union Secretary regarding change of designation.
- M-29/23-9-81—True copy of conciliation proceedings held before ALC/Central, Madras.
- M-30/25-11-81—Copy of the conciliation failure report.
- M-31/6-7-79—Redesignation of certain categories of posts in the erstwhile minor port.
- M-32/7-4-76—Option form given by Thiru George Londer.
- M-33—Service Book of Thiru M. George Londer.
- M-34—The Gazette of India Part No. 71, dated 16-3-79.
- M-35—File regarding general matters relating to Engineering Department.
- M-36—Regulation of the Tuticorin Port Trust Board Employees.
- M-37/16-4-80—Order of the Management regarding re-designation of the Posts of Driver Grade-III and Engine room Tindal or Greaser.
- M-38/22-10-74—Letter from M. Balasubramanian to the Tuticorin Port Trust.

M-39/30-10-74—Reply to Ex. M-38 by the Management.

K. S. GURUMURTHY, Presiding Officer
[No. L-44012/2/81-D.IV (A)]

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1985

का आ 1682—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मातृ प्रभा ग्रामस्था बैंक धारवाद के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोक्ता और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, धारवाद के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 27 3 85 का प्रावण हुआ था।

New Delhi, the 8th April, 1985

S.O. 1682.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Malaprabha Grammeena Bank, Dhewad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th March, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, BANGALORE
Camp at Hubli,

Dated 12th March, 1985

PRESENT

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L., Presiding Officer,
Central Reference No. 24 of 1984

I PARTY:

II PARTY

-VS-

General Secretary,
Malaprabha Grammeena
Bank
Employees' Union,
Corporation Building,
Broadway, Hubli.

The Chairman, Malaprabha
Grammeena Bank, Head Office,
Mruthunjanayanagar, Dharwad.

APPEARANCES.

For the I Party : A. C. Navalur, Advocate, Hubli.

For the II Party : The General Manager, Malaprabha
Grammeena Bank, Head Office, Mruthunjan Nagar,
Dharwad.

ORDER OF REFERENCE

(S.O. No. L-12011/1/84-D.II(A) dated 17-7-84).

AWARD

The Central Government after forming an opinion that an industrial dispute exists between the I Party and the II Party has referred the same for adjudication by exercising the powers conferred by Section 7-A and clause (d) of sub section 1 of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (hereinafter called as the Act) as per the Schedule hereunder:—

"Whether the demand of Malaprabha Grammeena Bank Employees' Union, Hubli, in relation to the workmen of Malaprabha Grammeena Bank that the qualifying period of 5 years' service for grant of sick leave on full emoluments in accordance with provision to Regulation 51(1) of Malaprabha Grammeena Bank (Staff) Service Regulations, 1980 should be reckoned, in case of those who joined Bank's service prior to 1-9-1980, from the dates of their joining and not from 1-9-1980 is justified? If so, to what relief are the workmen concerned entitled?"

2 The II Party have filed their claim statement contending that their Bank is established and is incorporated under the provisions of Regional Rural Banks Act, 1976, and the Board of Directors are permitted to make Regulations and Rules for the administration of the Bank. Section 30 of the Act

empowers to frame Rules necessary for general superintendence, direction and management of the affairs of the Bank.

They have further contended that the recruitment of the staff was started from June 1977 as probationers and there was no service conditions as the Regional Rural Banks were new organisations, but, however, the staff members allowed to avail the casual leave and privilege leave subject to the service regulations to be framed in future. It is further contended after implementation of the service regulations, the management experienced certain difficulties and sought guidance from the Board as to how the sick leave is to be granted. The Board resolved that for the first 5 years, sick leave can be sanctioned at half pay and allowances against medical certificate and after a period of 5 years from 1-9-1980, the employees are allowed to avail the sick leave against the medical certificate on full salary by counting the double number of days of leave. It was further resolved that the sick leave may be calculated from 1-9-1980 for the year 1980 and medical fitness certificate shall be produced at the time of joining and the chairman is empowered to issue instructions or directions under Regulation 51(1) and hence the Board is justified in framing Rules concerning sick leave.

They have, further, contended that the I Party Union raised an Issue on sick leave and to give benefit, instead of 1-9-1980, from the date of appointment and also allow the employee to avail the sick leave by double debit without the condition of completion of qualifying period of 5 years' service. Hence the matter was placed before the State Level Co-ordination Committee which after holding discussion, decided to delete/stop the qualifying clause regarding availment of sick leave on full pay and allowance and in respect of crediting the sick leave from the date of appointment, the SLCC decided that the matter shall be referred to the Central Government for further guidance. The Board of Directors approved the recommendations of SLCC concerning sick leave and permitted the chairman to implement the same. Accordingly, the qualifying clause was deleted regarding availment of sick leave on full pay by debiting double the number of days with effect from 1-4-1984. Hence the demand of the I Party in respect of qualifying period of 5 years of service for grant of sick leave on full emoluments has been fulfilled from 1-4-1984, and hence the Issue may kindly be dropped and the demand of the I Party in respect of grant of sick leave from the date of appointment is not consistent with that of the rules since the Service Regulations came into effect from 1-9-1980 and from then only, all the benefits will accrue and hence the I Party has no right to demand that the sick leave be given from the date of appointment into Bank's service and there is absolutely no base for such a demand and absolutely no ground for any relief and hence the reference is liable to be rejected.

3. The I Party has filed their claim statement to-day and contended that the service regulations in 1980 is applicable to every officer and other employees of the Bank which came into force from 1-9-1980, but the sick leave applied by the employees was denied by the management and after representations, the conciliation proceedings took place and this reference was made.

It is further contended that the management has no right to make two different sets of conditions of service for those employees who are employed on 1-9-1980 and that for those employees who are employed before 1-9-1980 which opposes Section 3(3) of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 and the period of 5 years runs from the date of joining the service of each employee and not from the date of adoption of Staff Service Regulations. Hence they contended that the Staff Service Regulations are mis-interpreted and thereby caused injustice to the employees and these two different conditions of service are opposed to Article 14 of the Constitution and prima facie illegal. Hence they prayed to pass an order for availment of the sick leave to the employees for those who are in service prior to 1-9-1980 from the date of their joining the services into the Bank.

4. Along with the claim statement, the learned Counsel representing the I Party has also filed a memo including a circular issued by the Management dated 28-2-1985 and requested this Tribunal to pass an Award in terms of the Circular. The General Manager who represented the I Party to-day has submitted that the above circular fulfils the demand made by the I Party Union which resulted in this

Reference and hence an Award may be passed in accordance with the circular.

4. The demand of the I Party Union as per Schedule in the Reference is that whether the sick leave should be reckoned in case of those who joined Bank service prior to 1-9-1980 from the date of their joining and not from 1-9-1980. The Circular No. 36/7/85[PSC dated 28-2-1985, as issued by the Chairman, has decided that sick leave be granted and credited to the accounts of such employees/officers with effect from the date of their respective appointments for the future utilisation from 1-9-1985 and onwards. Hence I make the following Award :—

AWARD

AN AWARD in terms of the Circular No. 36/7/85[PSD dated 28-2-1985 issued by the Chairman of the I Party is passed as the same fulfils the demands made by the I Party Union in the Order of Reference.

No Order as to costs.

(Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer
[No. L-12011/1/84-D II(B)]
N. K. VERMA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1985

का. आ. 1683.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार झारखण्ड कोयला खान मैसर्स वैस्ट्रन कोल फील्ड के प्रबंध-तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में विवाचक श्री के. शन्मुखल (अवकाश प्राप्त) उपमुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27.3.1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 8th April, 1985

S.O. 1683.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Arbitration award of Shri K. Shanmughavel, (Dy. CIC(C) (Retd.), (Arbitrator) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Jhargrakhand Colliery and their workmen, which was recovered by the Central Government on the 27th March, 1985.

Arbitration Award under Sec. 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 in a dispute between the Management of Jhargrakhand Area, Western Coalfields Ltd. and their workmen represented by M.P. Colliery Workers Federation (INTUC), Jhargrakhand Colliery P.O., Surguja Distt. (M.P.)

PRESENT :

K. Shanmughavel

Deputy Chief Labour Commissioner (Central) (Retd.)
Consultant, (Industrial Relations)
Neyveli Lignite Corporation Ltd.,
NEYVELI (Tamilnadu)

AND

Arbitrator

PARTIES :

Representing Employer : Management of Jhargrakhand Area, Western Coalfields Ltd., P.O. Jhargrakhand Colliery, Distt.—Surguja (M.P.)

Representing workmen : M. P. Colliery Workers' Federation (INTUC), Jhargrakhand Area, P.O. Jhargrakhand Colliery, Distt.—Surguja (M.P.)

APPEARANCE :

On behalf of Employer : Shri H. P. Singh, Personnel Manager, Jhagrakhand Area, Western Coalfields Ltd.

On behalf of the Union : Shri G. P. Sharma, General Secretary, M. P. Colliery Workers' Federation (INTUC) Jhagrakhand Colliery.

An Industrial dispute between the aforesaid parties regarding payment of pro-rata increase of FDA to the piece rated Trammers, Drillers and Wagon Shunters of Jhagrakhand Area was referred to me under Section-10A of the Industrial Disputes Act, 1947. The specific matter in the dispute is as under :—

"Whether the piece rated Trammers, Drillers, Wagon Shunters of Jhagrakhand Area are to get pro-rata increase of FDA as per Chapter-V, para 5.4 of National Coal Wage Agreement? If not, to what relief they are entitled?"

2. A number of hearings were held at various places and adjourned on account of unavoidable reasons. The parties, however, had extended the time limit of issuance of the Award by mutual agreement in writing upto 31st March, 1985. Final hearing was held on 19th & 20th Jan. 1985 at Neyveli.

3. The Union argued that as per para 5.4 of the National Coal Wage Agreement of Joint Committee for the Coal Industry and 5.41 of National Coal Wage Agreement-II, "for work in excess of the prescribed workload, a piece rated worker shall be paid a pro-rata increase in the basic piece rate as well as fixed Dearness Allowance and Special Dearness Allowance".

4. In the Jhagrakhand area i.e. Hasdeo Area all the Trammers, some of the Drillers and Wagon Shunters are piece rated. Their work-load has not been fixed either by Coal Wage Board recommendations or National Coal Wage Agreements. But there is a direction to the effect that the work load and the rate of wages have to be fixed at unit level by the management through bipartite negotiations. The following are the norms of work load and rates for Trammers fixed :—

NCWA—I			NCWA—II		
	work load	Rate (Rs.)	work load	Rate (Rs.)	
Rajnagar Colliery	11.26 tubs	1.13 Pt	18.63 tubs	1.37 Pt.	
west jhagra-keand colliery	14.2 ..	0.89 ..	26.77 ..	1.05 ..	
Bijuri colliery	13.25 ..	0.80 ..	35.12 T.	1.01 ..	
B.Sam colliery	13.25 ..	0.89 ..	23.33 ..	1.08 ..	

Subsequent increase was made depending upon the recommendations of N.C.W.A.

5. With regard to Driller under the work load was fixed under N.C.W.A.-I as 30.5 tubs with the rate of 34 p. per tub which has been correspondingly increased under N.C.W.A. II & III.

6. In respect of Wagon Shunters who are operating only in Rajnagar Colliery as piece rated workers the work load was fixed as 1.96 wagons with a rate of Rs. 8.04 per wagon. It was correspondingly increased under NCWA-II & III.

7. Despite the fact that the work load and the corresponding rate of piece rated Trammers, Drillers and Wagon Shunters of Jhagrakhand Area has been fixed by the management either in bipartite negotiations or on their own accord, pro-rata increase in FDA has not been extended as per the provisions of the National Coal Wage Agreements referred to above. This benefit had been extended to other piece-rated

workers in the same area, such as, Miners, Loaders, Loadercum-Dresser and Wagon Loaders.

8. In accordance with the record note of discussion held between the Management of Western Coalfields Limited and the representatives of the M.P. Colliery Workers Federation at Nagpur on 5th, 6th & 7th Oct. '78 the Management representative informed that the increased FDA would be paid as per the National Coal Wage Agreement para 5.41 to the piece rated workers which include Trammers, Drillers and Wagon Shunters. As regards to the payment of arrears in this regard a note would be sent by Jhagrakhand Area Management to Headquarters indicating financial implication within a week's time for necessary action.

9. In view of the above, the union stated that there is no justification in not paying the pro-rata increase of FDA to the piece rated Trammers, Drillers and Wagon Shunters of Jhagrakhand Area, and pleaded for giving the award in favour of the workmen.

10. On the other hand, the Management argued that the pro-rata increase in FDA will be paid only in the case of those piece rated workers whose workload has been prescribed and not fixed. The dictionary meaning of 'prescribed' is "to lay down as a rule" or "direction" or "to give as an order". In the case of the concerned workmen the quantum of piece rate has not been prescribed but has been fixed by the local management either in mutual negotiation or otherwise. So they argued that the concerned workmen are not entitled to pro-rata increase in FDA.

11. The words 'prescribed' and 'fixed' have to be understood in proper perspective from the angle of social justice. If we read the words from that angle then the words are more or less synonymous. The practice in respect of the piece rated workers with regard to the quantum of work and corresponding wages varies from place to place and from Colliery to Colliery. In the Jhagrakhand Area before nationalisation of Coal Mining Industry, the National Coal Wage Agreements have not prescribed the work load and corresponding wages to the categories of piece rated workmen, mentioned in the reference to arbitration. But at the same time, they have given a direction that it should be fixed locally in bipartite negotiation. In respect of the concerned workmen, there is no difference of opinion among the parties with regard to the fixation of work load or corresponding piece-rate wages. Once the work load of the corresponding rates of wages are fixed then the workmen would automatically become entitled to get increase in FDA. This fact/ principle had been accepted by the Management during the bipartite negotiation in Nagpur, quoted above. So I do not find any reason why the concerned workmen should not be given their legitimate, due, arrears in this regard. I, therefore, award that the piece rated Trammers, Drillers and Wagon Shunters of Jhagrakhand Area are entitled to get pro-rata increase of FDA as per Chapter 5.4 of the National Coal Wage Agreement and the payment be made accordingly.

12. The union demanded that the arrears of pro-rata increase of FDA shall be paid with effect from 1-1-75 i.e. the date of implementation of the National Coal Wage Agreement. The demand is not considered reasonable. Only after implementation of the agreement the work load and the corresponding piece rate might have been fixed. So there is a time lag which is pertinent in deciding the date of implementation of my award. So justice & reason will be satisfied if I award that the pro-rata increase of FDA is paid with effect from 5-7-79 the date on which the parties has agreed to refer the dispute to my arbitration. I award accordingly.

13. The Union demanded award of cost. In the circumstances of the case and the manner in which the hearings were held I do not find any justification to award cost.

Awarded 21st March, 1985.

K. SHANMUGHAVEL, Dy. CLC(C) (Retd.)
Consultant (Industrial Relations)
Neyveli Ignite Corporation Ltd.,
Neyveli (Tamil Nadu)
AND ARBITRATOR

[No. L-22013(8)/79-D.IV(B)/D.V]

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1985

का. आ. 1684.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स सिंगरानी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बैलम्पल्ली के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-85 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th April, 1985

S.O. 1684.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Bellampalli and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th April, 1985.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal (Central)
Industrial Dispute No. 7 of 1982

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited,
Bellampalli, Adilabad District.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Ltd.,
Bellampalli, Adilabad District.

APPEARANCES :

Sri B. Ganga Ram, Chief Vice President, Singareni Collieries Workers Union, Bellampalli—for the workmen.

Sri K. Srinivasa Murthy and Kum. G. Sudha, Advocates—for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-21011(10)/81-D.IV(B), dated 15-2-1982 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli and their Workmen, to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli area is justified :—

- (i) In not providing alternate employment to 16 Shot Firers of C&D Grade in Mahaveer Khani No. 2 Incline (Statement-A) from 4th to 8th June, 1980 and to 31 Shot Firers of C&D grade in Mahaveer Khani No. 1 Incline (Statement B) from 6th June to 8th June, 1980 and in not paying wages for the aforesaid ?
- (ii) In not confirming 20 employees (Statement-C) w.e.f. the date from which they were continuously acting in higher category for the purpose of increments as has been done in the case of these employees who were confirmed in pursuance of Memorandum of Settlement dated 28-9-78 ?

If not, to what relief the workman are entitled ?"

This reference has been registered as Industrial Dispute No. 7 of 1982 and notices were issued to both the parties.

2. Notice dated 17-3-1982 has been issued to both parties. The case was posted to 8-4-1982. On 8-4-1982 Sri B. Ganga Ram, Chief Vice President, Singareni Collieries Workers' Union, Bellampalli sent an application requesting time for filing claims statement, time was given upto 30-4-1982. On 30-4-1982 Sri B. Ganga Ram sent an application requesting further time till 29-5-82 for filing claims statement. From 29-5-1982 several adjournments were given for filing claims statements till 31-10-1983. On 31-10-1983 claims statement of the workman was received by post. Then after several adjournments and on final notice on 12-1-1984. Sri B. Ganga Ram for the Workmen appeared on 3-2-1984. Subsequently on 14-3-1984 Sri B. Ganga Ram for the workmen filed authorisation. Sri K. Srinivasa Murthy filed Vakalat for the Management. Enquiry was posted on 5-4-1984 at the request of the workmen. Since 5-4-1984 further several adjournments were granted till 14-12-1984. Notice dated 15-11-1984 has been issued to the workmen namely Sri Md. Anksoose and 16 others, Sri Santhosam Mallaiah and 24-others, Sri J. Ramulu and 19 others and the Chief Vice President, S. C. Workers Union and the notice was acknowledged by all. On 14-12-84 Sri B. Ganga Ram was present and not ready and prayed for adjournment till 23-1-1985. On 23-1-1985 also Sri B. Ganga Ram did not appear. Another adjournment was given on 19-2-1985 and also on 26-3-1985. Even on those dates also Sri B. Ganga Ram, Chief Vice President S. C. Workers Union did not appear. It is clear that he is not interested to disposal of the case. I find no reason why the reference should not be terminated. I find that after several adjournments the Workers representative is not interested in disposing this case for reasons best known to themselves hence the reference is terminated and the relief prayed for by the workmen, is held that they are not entitled. Award passed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 26th March, 1985,

APPENDIX OF EVIDENCE

NIL

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer.

[No. L-21011(10)/81-D.IV(B)]

R. K. GUPTA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1985

का. आ. 1685.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैनेजमेन्ट आफ सलाल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, ज्योतिपुरम के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25 मार्च 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th April, 1985

S.O. 1685.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Salal Hydro Electric Project, Jyotipuram and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th March, 1985.

BEFORE SHRI I.P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CHANDIGARH.

Case No. I.D. 13 of 1984; Chandigarh

PARTIES :

Employers in relation to the management of Salal Hydro Electric Project.

AND

Their Workmen—Roop Lal and Rattan Chand.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri J.N. Kochhar.

For the Workmen : Shri H.N. Biswas.

ACTIVITY : Salal Hydro Electric Project. STATE J. & K.

AWARD

Dated the 22nd of March, 1985

"The Central Govt. Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, per their Order No. L-42012 (23)/82.D.II(B) dated the 11th of April, 1984 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Salal Hydro Electric Project, Jyotipuram in not allowing the pay scale of Rs. 260—350 to S/Sh. Roop Lal and Rattan Chand, Carpenters on conversion from daily wage to work-charged workers with effect from 17-3-1979 and continuing them in Rs. 210-290 scale is justified? If not to what relief are the workmen entitled?"

2. To trace a short history of the matter, the petitioner Workmen Roop Lal and Rattan Chand were I.T.I. trained Carpenters, they were previously employed at B.S.L. Project but were retrenched from there without any stigma; after that both of them joined on daily wages as Carpenters under the Respd. project w.e.f. 18-3-1978 earning Rs. 15/- per day; meanwhile there arose certain regular vacancies under the Respd. Management and, thus, in response to an employment requisition notified by the latter for filling up two posts of Carpenter-Grade II the names of both the petitioners were sponsored by the Employment Exchange along with some others. The petitioners were found fit, selected and ultimately appointed against the posts of Asstt. Carpenters Grade II in the pay scale of Rs. 210-290 w.e.f. 27-7-1978.

3. According to the petitioners there was no such type of pay scale and designation as given to them, rather in the light of Management's own Circulars No.; CESP/FC-6/74/12086-99 dated 2-7-74 and No. CESP/WCF-1(1)/20690-95 dated 21-7-77 they should have been appointed as Carpenters in the scale of Rs. 260-350 and promoted to the next higher scale of Rs. 320-400 w.e.f. 1-8-81. In the same sequence the petitioners avered that under a policy decision the Management decided to raise the scale of Rs. 210—290 to Rs. 260—350 w.e.f. 1-4-80 with regard to all the technicians who had three years or more of experience in the Project or any other Organisation and that even though its benefit was given to them also, yet it did not meet their claim of being fixed in the said scale right from the date of their appointment i.e. 27-7-78.

4. The petitioners' demand for a better designation and Pay Scale, as enumerated above, did not find favour with the Management despite the intervention of the A.L.C.(C) and hence, the Reference.

5. Resisting the proceedings, the Management denied any impropriety in fixing up the petitioners in the scale of Rs. 210-290. It was rather pleaded that in July 1978 they had some vacancies of Carpenters Grade II in this particular scale and had called upon the Local Employment Exchange to sponsor some suitable candidates, whereupon the petitioners were also sponsored by the Exchange along with some others but keeping in view their past experience on the B.S.L. Project both of them were found suitable and accommodated against the available vacancies; obviously in the scale of Rs. 210-290. It was contended that both of them were given the benefit of their past service at the B.S.L. Project and in view thereof fixed at the basic salary of Rs. 246 (Roop Lal) and Rs. 242/- (Rattan Chand) respectively. Regarding the petitioners' claim based on the projected Circulars, the Management explained that they were not applicable in the instant case as their recruitment was not in light of the policy decision contained there in; rather the petitioners were recruited from the "open market" on being sponsored by

the Employment Exchange, along with some others in response to a regular requisition.

6. In view of the comprehensive nature of the terms of reference, no need was felt to frame any formal issue and so the parties were straight away called upon to adduce evidence in support of their respective versions. Thus, both the petitioners examined themselves whereas the Management produced their Manager (P&A) Sh. J.N. Kochhar; of course the petitioners filed a number of documents (of the admitted nature) also.

7. I have carefully perused the entire available data and heard the parties. On behalf of the petitioners it was argued that the Management should have produced a copy of the letter sent by them to the Employment Exchange to show as to which particular post, carrying what precise scale and designation, was notified by them and since it was a document of their possession therefore its deliberate non-production should invite an adverse inference against them. In the same sequence my attention was drawn towards the Circular Ex. W 12 which contained the policy decision to fix up the Daily-wages workers, drawing Rs. 12 to 15 per day, in the scale of Rs. 260-350 at the time of their "Conversion" into work charge-staff. It was argued that since the petitioners were admittedly drawing a daily wage of Rs. 15/- at the time of their appointments in the regular cadre, therefore, the Management had no justification in keeping them in the lower scale of Rs. 210-290. Lastly it was complained that the Management was guilty of discrimination in the sense that one similarly placed employee Karam Singh, who was not even an ITI certificate holder, was granted the scale of Rs. 260—350 in accordance to the aforesaid guideline which was denied to them.

8. Despite seeming attraction the submissions raised on behalf of the petitioners failed to carry conviction with me. The pertinent point is that issuance of a requisition by the Management to the Employment Exchange, with a view to fill up certain vacancies, all by itself does not confer any right on any candidate for being selected for the particular post. Rather when an employer calls for interview certain number of candidates through the Employment Exchange he is the sole judge of their suitability and, in an appropriate situation, he may either select any one of them for that very post or offer even a lower Grade post; in the latter event the concerned candidate may or may not accept the offer but once he accepts it with open eyes he cannot be permitted to turn back and claim any vested interest in the higher grade post.

9. In the instant case the petitioners were admittedly offered the posts of Asstt. Carpenter Grade II in the scale of Rs. 210-290; per office orders Ex. W2 and W10, which they gladly accepted. It is, therefore, futile for them to mean the non-production of the requisition sent by the Management to the Employment Exchange on the pretext that it was a material piece of evidence to determine their rights; much less clincher of the issue.

10. As regard the petitioners' claim for the higher scale of Rs. 260-350 in the light of the policy decision contained in the Circular Ex. W12, suffice to say that it was thoroughly misconceived because a bare perusal of the latter under reference, particularly its penultimate para, would leave no manner of doubt that its benefit could be given only to those ITI trained employees who had worked on the Respd. Project on daily wages for a minimum period of one year whereas, on the showing of the petitioners themselves, they had joined this project as daily wages earners on 18-3-78 and were absorbed in the regular cadre on 27-7-78. To put in simple words by the time of their selection and induction into the regular cadre on 27-7-78 they had not yet completed the requisite service of one year as daily wage earners.

11. It may not be out of context to mention here that as a matter of fact the petitioners were not absorbed in the regular cadre on the strength of their service on daily wages under the Respd. Project, on the other hand they were recruited from the "open-market", through the conduit of the Employment Exchange, as conceded by both of them in para No. 4 of their respective affidavits Ex. W1 and W9. So the Circular Ex. W12 deserves to be ignored as irrelevant and inapplicable to their case.

12. Similarly there is no force in the petitioners' grouse that there was any discrimination in denying them the scale of Rs. 260-350, given to one Karam Singh. The pertinent point is that the deposition of the Management's witness Sh. Kochher that Karam Singh belonged to an entirely different trade, finds a direct echo in their own statements, when under the burden of oath, both of them conceded in the cross-examination that Karam Singh was an Electrician and that the Electricians and Carpenters formed entirely different Trades. I, therefore, find no reason to discard the Management's contention that the institutional requirements, service exigencies and professional skill of different trades and lines may warrant the grant of different pay scales to the concerned employees; and hence the petitioners can not be heard complaining of discrimination on this score either.

13. No other point was raised before me and thus to sum up my aforesaid discussion, in the absence of any irregularity, impropriety or illegality in the action of the Management with regard to the fixation of the petitioners' salary, I return my Award against the latter.

Chandigarh

22-3-1985.

I.P. VASISHTH, Presiding Officer
[No. L-42012(23)/82-D.II(B)]

का. भा. 1686.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैनेजमेन्ट आफ वेस्टर्न रेलवे, बम्बई के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण—1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती, है जो केन्द्रीय सरकार को 21 मार्च 1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1686.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st March, 1985.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-7 of 1983

PRESENT :

Dr. Justice R. D. Tulpule Esqr., Presiding Officer.

PARTIES :

Western Railway, Bombay and their workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—Mr. P. R. Pai, Advocate.

For the Workmen—Mr. Vaidya, Advocate.

INDUSTRY : Railways.

STATE : Maharashtra.

Bombay, dated the 20th day of February, 1985

AWARD

'This is a reference made to this Tribunal under Section 10 sub-section 2 of the Industrial Disputes Act, referring the

dispute agreed between the parties and award in the following para :—

SCHEDULE

"Whether the action of Locoforemen, Western Railway, Udhna in terminating the services of Shri Manilal G. Khalasi with effect from 17-8-1979 is justified? If not, to what relief is the employee entitled?"

The concerned workman to this reference has given in writing that he was only a substitute Khalashi and that his name was entered in the roll as a substitute or Badli Khalashi, and that he was not in the regular employment/service of the Railways as such. He, therefore admitted that there could be no question of termination of his services and what was done was only to remove his name from the roll of substitute Khalashis. He says that he would be satisfied if his name is brought back on the roll of substitute Khalashis and given work as substitute Khalashi as before, whenever there is an occasion and also considered for the post of temporary khalashi in future when a vacancy arises. In view of this statement, and in view of the Railways being willing to consider the applicant's request sympathetically on humanitarian grounds, the workman concerned does not press his complaint as also the reference.

2. In the circumstances, I direct the Railways to bring the workman concerned on the roll of substitute Khalashi as early as possible and consider his case also for appointment as temporary Khalashi in view of his long experience and work in Railways. The concerned workman has now stated in writing that he is willing to work on transfer at any place within the unit in which Surat and Udhna falls.

3. In view of this, the reference is disposed of and the complaint dismissed as not pressed.

R. D. TULPULE, Presiding Officer
[No. L-41011(32)/82-D.II(B)]
HARI SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1985

का. भा. 1687.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गोली आयर्न माइन आफ मैसर्स एम. एच. रहमान के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण मुबानेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30 मार्च, 1985 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th April, 1985

S.O. 1687.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gaudi Iron Mine of Messrs. M. H. Rahman and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th March, 1985.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

PRESENT :

Shri K. C. Rath, B.L., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Bhubaneswar.

Industrial Dispute Case No. 9 of 1984 (Central)
Dated, Bhubaneswar, the 18th March, 1985

BETWEEN

M/s. M. H. Rahman,
Owner of Gauli Iron Ore Mines,
P.O. Gauli, Dist. Keonjhar,
(Orissa).

First-party.

AND

Their workmen

Second-party.

APPEARANCES:

None—for the first-party.

None—for the second-party.

AWARD

Dispute referred to by the Government of India for adjudication under Section 7-A and Clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide Notification No. L-26012/6/78-D.III.B, dated 8-5-1984 of

the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour, runs thus:

"Whether the dismissal of Shri Raghab Mahakud, Challan Clerk from service in the Gauli Iron Mine of Messrs. M. H. Rahman is justified? If not, to what relief is the aggrieved worker entitled?"

2. Both the parties did not take any steps for filing of their respective written statements despite service of notice on them, even though the case was adjourned from time to time since May, 1984. In the circumstance, I am inclined to think that the parties are not interested to contest the proceeding presumably because there exists no dispute between them to be adjudicated by this Tribunal. Hence I pass this no dispute Award.

K. C. RATH, Presiding Officer

[No. L-26012/6/78-D.III(B)]

M. L. MEHTA, Under Secy.

